शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

शिवकुमार ने भाजपा विधान परिषद सदस्य केपी नंजुंदी से की मुलाकात @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 08 अप्रैल, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-98

मोदी की ललकार और राजनाथ की हुंकार ने बढ़ाया आत्मविश्वास

दुश्मन को घुसकर मारेंगे... यह है नया भारत

भारतवर्ष के नागरिकों को बड़े सुकून और आत्मविश्वास का एहसास हुआ जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, नया भारत अपने दुश्मनों को उसके घर में घुस कर मारता है। भारतीयों के इस सुकून और भरोसे को फिर से ताजगी मिली जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डंके की चोट पर कहा कि वारदात

शुभ-लाभ विमर्श

करने के बाद जो आतंकी पाकिस्तान में जाकर छुपा, उसे वहीं घुस कर मारेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का यह बयान वह ओजस्वी बयान था, जिसकी प्रतीक्षा देश के लोग आजादी के बाद से आजतक कर रहे थे।

28 सितंबर 2016 को पाकिस्तान की धरती पर हुआ सर्जिकल स्ट्राइक हो या 26 फरवरी 2019 को बालाकोट पर किया गया भारतीय वायुसेना का हवाई हमला। मकसद वही था जो पांडव दूत श्रीकृष्ण ने दुर्योधन को कहा था, याचना नहीं, अब रण होगा। लंदन दैनिक दि-गार्डियन ने आरोप लगाया कि भारत की

गुप्तचर संस्था रॉ ने पाकिस्तान के भीतर हमला कराया। इस खबर पर भारत ने जो प्रतिक्रिया दी, उससे दि-गार्डियन के साथ-साथ उन सभी मीडिया संस्थानों को आधिकारिक तौर पर पता चल गया कि भारत के खिलाफ करने, सोचने और बोलने की क्या परिणति होने वाली है। भारत की आधिकारिक

अब नहीं छूटेगा हाफिज, अब नहीं घुसेगा कसाब

यह मोदी का काल है, नेहरू और अटल का नहीं

प्रतिक्रिया के दायरे में केवल पाकिस्तान ही नहीं बल्कि उस जैसे तमाम अंध-इस्लामिक-आतंकी शक्तियां हैं। अब भारत काफी सख्त है। कांग्रेस की तरह ढुलमुल नहीं। राजनाथ सिंह ने बखूबी कहा, भारत हमेशा पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध रखना चाहता है। भारत ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया। किसी की भूमि पर कब्जा नहीं किया। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई भारत के धैर्य की निरंतर परीक्षा लेता रहे... अब उन्हें सबक सीखने के लिए तैयार रहना होगा। अब मोदी सरकार में नेहरू सरकार वाली जरा आंख में भर लो पानी वाली नीति और धारणा नहीं। अब मोदी सरकार में अटल सरकार वाली अनुत्पादक सदाशयता भी नहीं। 13 दिसंबर 2001 को भारतीय संसद पर पाकिस्तानी आतंकियों के हमले को याद करें। हमला स्थल वही था जहां मोदी ने मत्था टेका था। अटल सरकार की विचित्र नपुंसकता थी कि काठमांडू से विमान हाईजैक करने वाले पाकिस्तानी आतंकी भारत के आकाश-क्षेत्र से उड़ते हुए बड़े आराम से अमृतसर पहुंच गए, वहां से तेल भरवाया और उड़ कर कांधार चले गए। तब गृह मंत्री आज के भारत रत्न लालकृष्ण आडवाणी हुआ करते थे। तब देश के सुरक्षा सलाहकार बृजेश मिश्र हुआ करते थे। क्या आप कभी सोचते हैं कि उस काल में अगर देश के गृह मंत्री अमित शाह और सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल होते तो क्या होता? यह प्रश्न ही तब की भाजपा सरकार और आज की भाजपा सरकार का फर्क बताता है।

जमुई और नवादा की विशाल जनसभा में पीएम मोदी का संबोधन

झूठों और भ्रष्टाचारियों का है इंडी-गठबंधन

जमुई/नवादा, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के जमुई और नवादा में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए इंडी गठबंधन, कांग्रेस और राजद पर जमकर हमला बोला। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन के पास न विजन है, न विश्वसनीयता है। दिल्ली में जो लोग एक साथ खड़े होते हैं, अलग-अलग राज्यों वही एक-दूसरे को गालियां देते हैं। बिहार में तो आपस में ही सिर फुटव्वल मची है। यह मजबूरी में साथ आए लोग हैं और इनकी मजबूरी का एक ही नाम है सत्ता का स्वार्थ। इसलिए इनलोगों को सत्ता से दूर रखना जरूरी है। कांग्रेस और राजद को एक भी वोट पाने का हक नहीं है। पीएम मोदी ने कहा, इंडी गठबंधन झूठों और भ्रष्टाचारियों का गठबंधन हो गया है।

नरेंद्र मोदी की गारंटी से घबरा गया है विपक्षी गठबंधन

***

इनमें राम के प्रति सम्मान नहीं, अंबेडकर की फिक्र नहीं

पीएम मोदी ने कहा, इंडी गठबंधन इस चुनाव के मैदान में नजर नहीं आ रहा है। मैंने जरा पूछताछ कि तो पता चला कि इंडी गठबंधन के वरिष्ठ नेता के गृह में पिछले 15 दिनों से तूफान चल रहा है। वो नेता हठ पकड़ कर बैठे हैं कि जब तक इंडी गठबंधन उन्हें प्रधानमंत्री का उम्मीवार घोषित नहीं करेगा तब तक वह चुनाव प्रचार में नहीं जाएंगे। अब यह हाल है उनका। वह लोग बता नहीं पा रहे हैं कि उनका नेता कौन है? वो लोग अंदर ही अंदर लड़ रहे हैं। इंडी गठबंधन वाले कहते हैं, अभी नहीं चुनाव के बाद प्रधानमंत्री का उम्मीदवार घोषित करेंगे।

टीएमसी भ्रष्टाचारियों को आतंक का लाइसेंस देती है

जलपाईगुड़ी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जलपाईगुड़ी में भी एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि आज जब भाजपा ने जम्मू कश्मीर से धारा-370 की दीवार को हटा दिया, तो कांग्रेस को दर्द हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उस बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा को कश्मीर जाकर धारा 370 की बात करनी चाहिए।

राजस्थान के बीकानेर में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

प्रधानमंत्री मोदी के फोन से रुका रूस-यूक्रेन युद्ध

पीएम की पहल पर कतर से रिहा हुए पूर्व नौसैनिक

देश-विदेश हर जगह काम करती है मोदी की गारंटी

बीकानेर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के बीकानेर में जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्र की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यों की जमकर तारीफ की और विपक्षियों की जमकर धज्जियां उड़ाईं। दूसरी तरफ विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि लाओस में फंसे 17 भारतीय नागरिकों को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद वापस लाना संभव हो रहा है। जयशंकर ने कहा, देश-विदेश हर जगह मोदी की गारंटी काम करती है।

जनसभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, जब रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हुआ था। उस समय भारत के बहुत से बच्चे यूक्रेन में पढ़ाई कर रहा थे, जिसके बाद बच्चों के माता पिता ने पीएम मोदी से उन्हें यूक्रेन से वापस लाने की गुहार लगाई। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना देर किए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ ही अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को फोन लगाया। जिसके बाद साढ़े चार घंटे के लिए युद्ध को रोक दिया गया था और भारत के लोग वापस आ गए। राजनाथ सिंह ने कतर की घटना का भी जिक्र किया।

लाओस में फंसे 17 भारतीय लौटेंगे घर

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। लाओस में बंधुआ बना कर गैरकानूनी और खतरनाक काम में लगाए गए 17 गए भारतीय कामगारों का स्वदेश लौटना सुनिश्चित हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्तक्षेप के बाद लाओस सरकार ने इसे संभव बनाया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यह जानकारी दी और लाओस के अफसरों का शुक्रिया अदा किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, मोदी की गारंटी देश-विदेश हर जगह चलती है। विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को आकर्षक नौकरी के लालच में मानव तस्करों का शिकार बनने के प्रति आगाह किया था।

पीके ने बताया : मोदी क्यों जीत रहे, विपक्ष क्यों चूक रहा

विपक्ष ने खुद मोदी को जीतने का अवसर दिया है

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी पार्टियां मैदान में पूरी ताकत के साथ उतर चुकी हैं। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी ने एनडीए के लिए 400 प्लस सीटों का टारगेट सेट कर रखा है, तो दूसरी तरफ विपक्षी गठबंधन भी एकजुट विपक्ष का नारा देकर खुद को मजबूत करने की कोशिश में लगा है। लेकिन जानकार मानते हैं कि आगामी चुनाव में भाजपा को बढ़त हासिल है, वह काफी आगे दिखाई दे रही है।राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा, अगर आप लगातार कैच छोड़ते रहेंगे और सामने खड़ा बैट्समैन बढ़िया खेल रहा है तो वह शतक तो बना ही देगा। प्रशांत किशोर कहते हैं कि विपक्ष ने एक नहीं, कई सियासी कैच छोड़ दिए हैं, उसने खुद पीएम मोदी को हर बार उठने और आगे बढ़ने का मौका दिया है, उनके कमबैक का रास्ता बनाया है। प्रशांत किशोर ने उदाहरण देते हुए बताया कि 2015 और 2016 में एक ऐसा समय आया था जब भाजपा कई राज्यों में चुनाव हार गई थी, असम को छोड़ दिया जाए तो वो ज्यादा अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। लेकिन विपक्ष ने उस मोमेंटम का फायदा नहीं उठाया और भाजपा ने फिर वापसी की। इसी तरह 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस जीती, लेकिन फिर सत्ता में फिर मोदी सरकार आ गई। कोरोना के दौरान बंगाल चुनाव में भाजपा हार गई,लेकिन फिर विपक्ष हल्का पड़ गया और पीएम मोदी ने वापसी कर ली।

अब प्रशांत किशोर मानते हैं कि अगर विपक्ष इसी तरह से लगातार सियासी कैचे छोड़ता रहेगा, तो उनका जीतना काफी मुश्किल है। प्रशांत किशोर एनडीए को 400 और भाजपा को 370 के आंकड़े तक पहुंचता नहीं देख रहे हैं।

अब स्टालिन भावी पीएम की तरह देने लगे आश्वासन

सत्ता में आए तो पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देंगे

पुडुचेरी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। विपक्षी गठबंधन में प्रधानमंत्री का चेहरा तय नहीं हो पा रहा है तो तमाम नेता भावी पीएम का स्वप्न संजोने में लगे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भी इनमें से एक हैं। स्टालिन तो भावी पीएम की तरह ऐसे आश्वासन भी देने लगे हैं जो भविष्य का पीएम भी नहीं देने से हिचकता है।

स्टालिन ने कहा कि वह अगर सत्ता में आए तो पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दे देंगे। सीएम स्टालिन ने कहा कि पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी केंद्र के हाथों की कठपुतली हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद वी वैथिलिंगम के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वे पुडुचेरी को पूर्ण

राज्य बनाने को लेकर दृढ़ हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि न केवल तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए, बल्कि पुडुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारों की भी रक्षा की जानी चाहिए।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने कहा कि पुडुचेरी को केंद्र में भाजपा के 10 साल के शासन के दौरान कोई फायदा नहीं हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। मोदी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और कमजोर वर्गों की दशा सुधारने के लिए कोई उपाय नहीं किया है बल्कि धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कराईकल के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कठिनाइयों और गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा और मछुआरों के कष्टों को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ने क्या उपाय किए। प्रधानमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी बनाने के अपने वादे को पूरा करने के लिए कुछ भी नहीं किया।

स्टालिन ने पुडुचेरी में कानून एवं व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में नौ वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और हत्या की हालिया घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने भारतीय नौसेना कमान का दौरा किया

समुद्री रक्षा सहयोग बढ़ाने पर दोनों देश दृढ़

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना (आरएएन) के प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय नौसेना के पश्चिमी कमान (डब्ल्यूएनसी) का दौरा किया। इस दौरान दोनों पक्षों ने समुद्री रक्षा सहयोग को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) 2014 से लागू है।

भारतीय नौसेना ने कहा कि पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को लाल सागर और अदन की खाड़ी में सुरक्षा स्थिति के बारे में जानकारी दी गई। ऑस्ट्रेलियाई नौसेना प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीफ ऑफ आरएएन, एओ वाइस एडमिरल मार्क हैमंड ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने वाइस एडमिरल संजय जे सिंह, फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, पश्चिमी नौसेना कमान के साथ बातचीत की। दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी सहयगो पर भी चर्चा हुई।ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधिमंडल ने मुंबई स्थित भारतीय नौसेना के पश्चिमी कमान मुख्यालय का दौरा कर नौसेना डॉकयार्ड में डेस्ट्रायॅर व पनडुब्बी का निरीक्षण किया।

हर मिनट गायब हो रहे 10 फुटबॉल मैदान के बराबर जंगल

एक साल में नष्ट हुआ भारत का 21,672 हेक्टेयर जंगल

20 साल में भारत ने खोए 23.3 लाख हेक्टेयर जंगल

भारत में वन-संरक्षण का सरकारी दावा सिर्फ कागजी

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया हर मिनट औसतन 10 फुटबाल मैदान के आकार के बराबर उष्णकटिबंधीय जंगलों को खो रही है। वर्ष 2023 के दौरान दुनियाभर में 37 लाख हेक्टेयर में फैले जंगल नष्ट हो गए। यह आकार में करीब-करीब भूटान के बराबर हैं। यह जानकारी मैरीलैंड विश्वविद्यालय और वर्ल्ड रिसोर्स इंस्टीट्यूट के ग्लोबल फॉरेस्ट वॉच की रिपोर्ट में सामने आई है। इसके मुताबिक, भारत में 2023 के दौरान 21,672 हेक्टेयर जंगलों का विनाश हुआ। भारत में वन संरक्षण का सरकारी दावा केवल कागजी साबित हुआ है। वन संरक्षण का सरकारी दावा वास्तविकता में जमीन पर कहीं नहीं दिख रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 के दौरान भारत में 21,672 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले प्राथमिक जंगलों की हानि हुई है। 2022 में यह नुकसान 21,839 हेक्टेयर दर्ज किया गया था। 2001 से 2023 के दौरान भारत ने 23.3 लाख हेक्टेयर में फैले जंगल खो दिए हैं। यह 2000 के बाद से वृक्ष आवरण में आई छह फीसदी की गिरावट के बराबर है। 2013 से 2023 के बीच भारत में वृक्ष आवरण को हुआ 95 फीसदी नुकसान प्राकृतिक जंगलों के भीतर हुआ है। इसमें अवैध कटाई और जंगल में लग रही आग की प्रमुख भूमिका रही है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 38^0

न्यूनतम : 24^0

शिवकुमार ने भाजपा विधान परिषद सदस्य केपी नंजुंदी से की मुलाकात

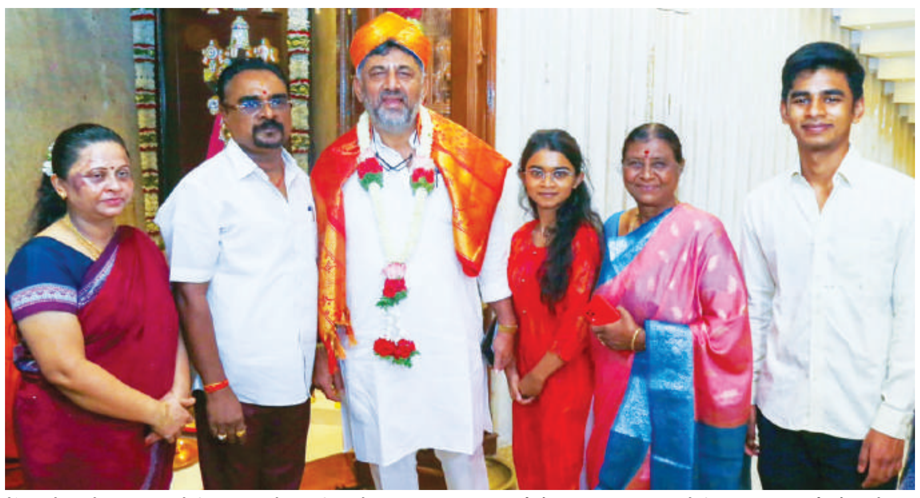

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने रविवार को भाजपा विधान परिषद सदस्य केपी नंजुंदी के साथ नाश्ते की बैठक में भाग लेकर उत्सुकता जगा दी। लोकसभा चुनाव के लिए अलग-अलग राजनीतिक रणनीति अपना रहे डीके शिवकुमार पार्टी की संगठनात्मक ताकत को मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। केपी नंजुंदी, जो कि विश्वकर्मा समुदाय के एक प्रभावशाली नेता भी हैं, ने पहले कांग्रेस पार्टी में लंबे समय तक काम किया था। हालाँकि विधान परिषद के सदस्य की सीट और विधान सभा में बोलने का अवसर सहित कई माँगें रखी गईं, लेकिन उन्हें कांग्रेस में मान्यता नहीं मिली। इसलिए वह भाजपा में चले गये। वहीं, येदियुरप्पा ने केपी नंजुंदी को विधान परिषद का सदस्य बनाया। उनका कार्यकाल अगले जून तक पूरा हो जाएगा। इस बीच, नंजुंदी ने कांग्रेस अध्यक्ष के साथ नाश्ते पर बैठक की, जिससे उत्सुकता बढ़ गई है।

हालांकि कहा गया कि यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी, लेकिन इस मुलाकात के पीछे कई राजनीतिक रणनीतियां थीं। नंजुंदी को कांग्रेस पार्टी में वापस लाने की कोशिश की गई है। केपी नंजुंदी, जो कि विश्वकर्मा समुदाय के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं, कांग्रेस में लौट आए हैं लेकिन विश्लेषण हैं कि उन्हें कई क्षेत्रों में राजनीतिक रूप से लाभ होगा।

सिद्धरामैया झूठे वादे करके लोगों को कंटीली राह पर ले जा रहे: विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर कन्नड़ जिले के लोकसभा प्रत्याशी और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कहे अनुसार चल रहे हैं और राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया झूठे वादे करके लोगों को कंटीली राह पर ले जा रहे हैं।

भाजपा लोकसभा चुनाव 2024 मीडिया सेंटर में एक मीडिया बातचीत में उन्होंने कहा जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कहा है, वैसा ही हुआ है। उन्होंने कहा कि जी20, उज्वला, एलपीजी, जनऔषधि, सुकन्या समृद्धि, मुद्रा योजना जैसी कई अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाएं इसका प्रमाण हैं। मोदी ने 2014 में भारत के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। उनके दस वर्षों के शासन काल में प्राप्त उपलब्धियां जन-जन तक पहुंची हैं। भाजपा सरकार ने महात्मा गांधी की अंत्योदय अन्न योजना के सपने को साकार किया है। लेकिन कांग्रेस गांधी का अपमान करने जैसे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार से लोगों का मोहभंग हो गया है। राज्य के 28 में से 28 निर्वाचन क्षेत्र भाजपा के लिए सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र हैं। 400 से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में जीत हासिल कर मोदी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे। इस अवसर पर भाजपा के कई नेता उपस्थित थे।

विधायकों के लिए सांस्कृतिक-खेलकूद कार्यक्रम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने मौजूदा लोकसभा चुनाव के प्रचार में व्यस्त विधायकों के लिए एक सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम आयोजित करने का प्रस्ताव दिया है। विधानसभा अध्यक्ष ने 16वीं विधानसभा के विधायकों के बीच विभिन्न सांस्कृतिक खेल गतिविधियों के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। विधायकों को कला, साहित्य, सांस्कृतिक गतिविधियों और खेल में उनकी रुचि के बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया गया है। विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी ने कहा कि विधायकों को जल्द ही कला, साहित्य, सांस्कृतिक और खेल गतिविधियों में अपनी रुचि की जानकारी विधान शाखा को सौंपनी होगी। कला अनुभाग में नाटक, यक्षगान, अभुभाषण, मिमिक्री, अभिनय, गतिविधियाँ शामिल हैं। खेल अनुभाग में, कबड्डी, तैराकी, कुश्ती, फुटबॉल, क्रिकेट, कैरम, शतरंज, बास्केटबॉल, थ्रोबॉल, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, कूद, गोला फेंक गतिविधियाँ हैं। जिन लोगों की विशेष रुचि हो उनसे जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी 14 अप्रैल को राज्य में करेंगे चुनाव प्रचार

रोड शो में भी होंगे शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बार राज्य की 28 में से 28 लोकसभा सीटों पर जीत का रिकॉर्ड बनाने के साथ 14 अप्रैल को राज्य में प्रचार का शंखनाद करेंगे। इस महीने की 26 तारीख को राज्य की 14 लोकसभा सीटों के लिए वोट डाले जाएंगे, खासकर उन सीटों पर जहां अकेले वोट ज्यादा हैं, मोदी बीजेपी उम्मीदवारों की तरफ से कुछ जगहों पर बड़ी जनसभा और रोड शो करेंगे। लोकसभा चुनाव की तारीख की घोषणा के दिन शिवमोग्गा में प्रचार करने वाले मोदी पहली बार प्रचार में उतरने जा रहे हैं और चुनावी समर की शुरुआत करेंगे। आगामी रविवार को कर्नाटक पहुंचने वाले मोदी तीन लोकसभा क्षेत्रों को लक्ष्य कर प्रचार करेंगे। सबसे पहले मोदी चिक्कबल्लापुर में एक बड़ी जनसभा करेंगे और एनडीए उम्मीदवार डॉ. के. सुधाकर के लिए वोट मांगेंगे। बीजेपी सूत्रों ने बताया कि मोदी चिक्कबल्लापुर, बेंगलूरु ग्रामीण और बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्रों में प्रचार करेंगे। चिक्कबल्लापुर के बाद दोपहर 3 बजे वे बेंगलूरु ग्रामीण जिले के देवनहल्ली में आयोजित एक सम्मेलन शामिल होने की योजना बना रहे हैं। यह गणना की गई है कि यदि देवनहल्ली में अभियान चलाया जाता है, तो यह बेंगलूरु ग्रामीण भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी.एन. मंजूनाथ के लिए एक वरदान होगा। यदि देवनहल्ली में यह संभव नहीं है, तो यह ज्ञात है कि भाजपा एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं के साथ चन्नपट्टनम केंद्र के रामनगर में एक सम्मेलन आयोजित करने का इरादा रखती है। बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का गृह निर्वाचन क्षेत्र है, जहां प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सीएन मंजूनाथ भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। चूंकि डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में मैदान में हैं, इसलिए बीजेपी ने उन्हें कड़ी टक्कर देने के लिए डॉ. मंजूनाथ को मैदान में उतारा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहले ही एक बार चन्नपट्टनम में रोड शो कर अभियान की शुरुआत कर चुके हैं। अब बीजेपी खेमा रामनगर चन्नपट्टनम के केंद्र में एक बड़ा सम्मेलन आयोजित करने की सोच रहा है। उसी दिन शाम को नरेंद्र मोदी बेंगलूरु उत्तर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बटारायनपुर और हेब्बाल में एक बड़ा रोड शो करेंगे। मोदी यहां भाजपा उम्मीदवार शोभा करंदलाजे के लिए प्रचार करेंगे और मतदाताओं को उम्मीदवारों को जिताने के लिए मनाएंगे। रविवार को छुट्टी होने के कारण बीजेपी ने दो लोकसभा क्षेत्रों में करीब 10 किलोमीटर लंबा रोड शो करने का फैसला किया है, क्योंकि बेंगलूरु में ज्यादा भीड़-भाड़ नहीं होगी। आवश्यक तैयारियां पहले ही कर ली गई हैं और खाका तैयार कर लिया गया है।

धर्मार्थ ट्रस्ट के नाम पर धोखाधड़ी करने के आरोप में चार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मार्थ ट्रस्टों को करोड़ों रुपये दान देने के बहाने धोखाधड़ी करने के आरोप में यहां हलसुरु पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार आरोपियों में तमिलनाडु के कांचीपुरम पल्ली कर्ण निवासी सुनीता, जयकुमार, उत्तरहल्ली के जतिन अग्रवाल और गुजरात के राजेंद्र हेगड़े शामिल हैं। जालसाजों द्वारा नकली दस्तावेज बनाए गए थे जिनमें कई शीर्ष विनिर्माण और तकनीकी कंपनियों के नाम सहित नामी कंपनियों के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार करते थे। बाद में, आरोपी खुद को कंपनी के कार्यकारी प्रबंधक और प्रतिनिधि बताकर धर्मार्थ ट्रस्टों के प्रतिनिधियों से मिलते थे। वे आयकर अधिनियम की विभिन्न धाराओं का हवाला देकर और यह धारणा बनाकर कि वे वैध प्रचारक थे, ट्रस्टों को धोखा देते थे। उन्होंने अपने पीड़ितों को यह विश्वास दिलाया कि कंपनियों को इस 10-15 लाख रुपये के कारण आयकर का भुगतान करने से छूट मिलेगी, यह कहकर कि सीएसआर फंड प्रदान करने और दस्तावेज प्राप्त करने के लिए क्षण शुल्क और प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करना होगा।

उसके बाद, ट्रस्ट यह बहाना बनाकर पैसे अस्वीकार कर देता था कि उन्होंने उचित दस्तावेजों और नियमों का पालन नहीं किया है। इसी तरह 14 मार्च को आरोपी ने शंकरानंद आश्रम ट्रस्ट के पदाधिकारियों से संपर्क किया।

धोखेबाजों को पैसे देने के बाद उनके दावों को सुनने पर, ट्रस्ट के अकाउंटेंट को संदेह हुआ और उन्होंने पैसे वापस मांगे। यह उनके उजागर होने का ट्रिगर बिंदु था और हलसुरु पुलिस द्वारा गहन जांच के बाद उनकी गिरफ्तारी हुई।

शिवमोग्गा डीसी ने अपने कार्यालय के आसपास निषेधाज्ञा लागू की

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के उपायुक्त गुरुदत्त हेगड़े ने लोकसभा चुनाव केमद्देनजर 12 अप्रैल से 22 अप्रैल के बीच शिवमोग्गा में उपायुक्त कार्यालय के आसपास 100 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा आदेश जारी किए हैं। दंड प्रक्रिया संहिता1973 की धारा 144 के अनुसार जारी निषेधाज्ञा 12 अप्रैल को सुबह 6 बजे से 22 अप्रैलको शाम 6 बजे तक लागू रहेगी। शिवमोग्गा लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी होगी। नामांकन पत्र 19 अप्रैल तक जमा किए जा सकते हैं। नामांकन पत्रों की जांच 20 अप्रैल कोहोगी और नामांकन पत्र वापस लेने की आखिरी तारीख 22 अप्रैल है।इस दौरान प्रत्याशियों व उनके समर्थकों को अधिकतम तीन वाहनों के साथ ही डीसी कार्यालय परिसर में प्रवेश की अनुमति है। प्रत्याशी सहित केवल पांच लोगों को हीडीसी कार्यालय में प्रवेश की अनुमति है। किसी को भी परिसर में घातक हथियार ले जाने या जुलूस निकालने की अनुमति नहीं है।

नरेंद्र मोदी को दोबारा पीएम बनाने के लिए

देवी को चढ़ावा चढ़ाने के लिए खून निकालने की कोशिश में गलती से कटा उंगली

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार में सोनारवाड़ा के एक युवक अरुण वर्नेकर ने देवी काली मां को चढ़ाने के लिए रक्त इकट्ठा करने की कोशिश करते समय गलती से अपनी उंगली काट ली। यह घटना उस वक्त हुई जब वह नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार प्रधान मंत्री बनाने के लिए प्रार्थना कर रहे थे। जब उन्होंने छुरी से उसके आधार को काटने की कोशिश की, तो उनके बाएं हाथ की तर्जनी का अगला हिस्सा कट गया। उन्होंने बताया कि मैं कुछ खून इकट्ठा करना चाहता था, लेकिन बल जितना मैंने सोचा था उससे अधिक मजबूत था और मैंने अपनी उंगली का एक हिस्सा काट दिया। अब, मैं इसे देवी का प्रसाद मानूंगा। चोट लगने के बाद भी उनके हाथ की उंगली लटकी हुई थी। वह खून इकट्ठा करने में कामयाब रहे और इसका इस्तेमाल यह लिखने के लिए किया कि काली मां मोदी बाबा का रक्षा करो। जब परिवार के सदस्य पीड़ित को अस्पताल ले गए, तो डॉक्टरों ने कहा कि इसे ठीक करना असंभव है और उन्हें इसे पूरी तरह से अलग करने की सलाह दी। युवा जौहरी और भाजपा समर्थक पीएम के जबरदस्त प्रशंसक हैं। उन्होंने अपने घर में मोदी के लिए एक छोटा सा मंदिर बनाया है और मंदिर में पीएम की एक प्रतिमा लगाई है। नीचे एक पट्टिका है जिस पर लिखा है, जबकि मोदी भारत माता के पुजारी हैं, मैं मोदी बाबा का पुजारी हूं। वर्नेकर ने 2014 में मोदी के नेतृत्व में भाजपा के पहले चुनाव में जनता को खून से एक पत्र लिखा था।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर स्वास्थ्य जांच शिविर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा संचालित आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम में विभिन्न डॉक्टरों के साथ परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. विद्यासागर रामप्पा, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. वरुण, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ मंजुला गौड़ा, त्वचा विशेषज्ञ डॉ. सुनील कुमार एवं दंत चिकित्सक डॉ. अंजना ने अपनी सेवाएं प्रदान की। शिविर की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। स्वास्थ्य जांच शिविर के अंतर्गत निःशुल्क रैंडम ब्लड शुगर एवं रक्तचाप जांच की गई। इस शिविर में कुल 26 सदस्य लाभान्वित हुए। तेयुप अध्यक्ष ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए एटीडीसी द्वारा प्रदत्त विभिन्न सेवाओं एवं डॉक्टरों की उपलब्धता से अवगत करवाया। स्थानीय सदस्यों ने परिषद परिवार के प्रति मंगलकामना संप्रेषित करते हुए सेन्टर द्वारा प्रदत्त सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। परिषद परिवार द्वारा डॉक्टरों का एटीडीसी पट से सम्मान किया गया। शिविर के प्रायोजक के रूप में चन्द्रादेवी, देवेन्द्र गुलगुलिया परिवार का सहयोग प्राप्त हुआ। इस शिविर को सुव्यवस्थित आयोजन करने में एटीडीसी स्टाफ स्मिता, दीपश्री, श्यामला, स्नेहा एवं दीपा का सम्पूर्ण सहयोग रहा। तेयुप से अध्यक्ष कमलेश गन्ना, कमलेश चौरड़िया एवं राजेश देरासरिया ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

हैजा का संक्रमण दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य में हैजा का संक्रमण दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। बेंगलूरु, नगर जिला और रामनगर में महामारी की दर बढ़ती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि जहां बीबीएमपी क्षेत्र में 3 लोगों को हैजा से पीड़ित पाया गया, वहीं नगर जिले में छह और रामनगर में एक व्यक्ति हैजा से संक्रमित हुए। बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज में कुल 49 मेडिकल छात्रों को हैजा होने का संदेह था और तीन को हैजा होने की पुष्टि हुई। इलाज करा रहे छात्रों का स्वास्थ्य स्थिर है। मेडिकल छात्रों में हैजा की पुष्टि होने के बाद बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल का किचन बंद कर दिया गया है। मेडिकल छात्रों को विक्टोरिया अस्पताल की रसोई से नाश्ता और दोपहर का भोजन दिया जा रहा है। रविवार सुबह छात्रों को ब्रेड और केला वितरित किया गया। मेडिकल कॉलेज छात्रावास में हैजा फैलने के कारण वार्डन अखिलंदेश्वरी को सेवा से निलंबित कर दिया गया है। जब हैजा की बात पता चली तो कुछ मेडिकल छात्रों ने हॉस्टल छोड़ दिया। विक्टोरिया अस्पताल से छुट्टी पा चुके कुछ छात्रों सहित 100 से अधिक छात्रों ने छात्रावास खाली कर दिया है और अपने गृहनगर चले गए हैं। वहां रहने वाले छात्रों ने वहां का पानी पीने की बजाय बोतलबंद पानी का सहारा लिया है।

धूम-धाम से मनाया गणगौर उत्सव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मागड़ी रोड अग्रहारा दासरहल्ली स्थित रामदेव प्रार्थना मंदिर में शनिवार को दाधीच महिला मंडल के तत्वावधान में गणगौर महोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिसमें गणगौर पूजा, गीत, ढोल नृत्य, एकल नृत्य एवं ग्रूप नृत्य का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में कुल 90 महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश पूजन से हुआ। गणगौर बने पूजा, माधुरी एवं बच्चे प्यारे लग रहे थे।

सभी उपस्थित महिला एवं बच्चों ने कार्यक्रम में बहुत ही आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मंडल की अध्यक्षता प्रमिला शर्मा द्वारा किया गया। समाज की वरिष्ठ सरोजा ओझा, कर्नाटक महिला प्रकोष्ठ की सुषमा आसोपा, पूर्व अध्यक्ष रेखा सुंठवाल, सरस्वती बिसावा, गणगौर अध्यक्ष पुष्पा तिवारी ने सभी मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम में सभी को पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में दाधीच समाज की अनेक महिलाएं उपस्थित थी।

कोलार लोकसभा क्षेत्र का विद्रोह अब तक नहीं हुआ कम

मंत्री केएच मुनियप्पा इस क्षेत्र के चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने से हैं दूर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कोलार लोकसभा क्षेत्र का विद्रोह अब तक कम नहीं हुआ है, क्योंकि मंत्री केएच मुनियप्पा इस क्षेत्र के चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने से दूर हैं, जो कांग्रेसियों के लिए सिरदर्द बन गया है। यहां रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए केएच मुनियप्पा ने स्पष्ट किया कि उन्हें कोलार लोकसभा क्षेत्र के प्रचार कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था।

मुनियप्पा ने स्पष्ट कर दिया है कि उन्हें चिक्कबल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र की जिम्मेदारी दी गई है और वह वहां काम करेंगे। जिले की राजनीति में पूर्व मंत्री रमेश कुमार और वर्तमान मंत्री केएच मुनियप्पा के बीच बगावत की चर्चा पूरे राज्य में है। मुनियप्पा ने जोर देकर कहा कि उनके दामाद चिक्कपेद्दन्ना को लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया जाना चाहिए। एक समय हाईकमान इस पर सहमत हो गया था। लेकिन कांग्रेस के मंत्री और विधायक इस पर सहमत नहीं हुए और इस्तीफे की पेशकश कर दी। मंत्री डॉ. एमसी सुधाकर, विधायक पट्टानूर मंजूनाथ, केवाई नांजेगौड़ा, विधान परिषद सदस्य नजीर अहमद, अनिल कुमार, एस.एन. नारायणस्वामी ने धमकी दी थी। कोलार विधानसभा क्षेत्र में अनुसूचित जाति समुदाय की आबादी 3.80 लाख है। मुनियप्पा ने उस समुदाय को अनुमति देने की वकालत करते हुए ऐसा कहा था। अंत में, राज्य के नेताओं ने विचार किया और वैकल्पिक उम्मीदवार के रूप में दूसरे समुदाय से केवी गौतम को मैदान में उतारा, क्योंकि किसी को भी नाराज नहीं होना चाहिए।

कोलार टिकट बंटवारे पर असमंजस की स्थिति के बाद शनिवार को मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कोलार जिले के कुरुदुमले के गणेश मंदिर में पूजा की और कांग्रेस की प्रजाध्वनि-2 यात्रा की शुरुआत की। रमेशकुमार गुट के सभी नेता भी मौजूद थे। मंत्री मुनियप्पा और उनकी बेटी और विधायक रूपा शशिधर इस कार्यक्रम से नदारद रहे। पूर्व मंत्री रमेश कुमार ने कहा, टिकट की घोषणा होते ही विवाद खत्म हो गयी। हम सभी को इसे स्वीकार कर काम करना चाहिए। मुनियप्पा ने यह कहकर उन्हें टोक दिया कि उन्हें कांग्रेस पार्टी को जिताना चाहिए। इसी बीच पत्रकारों से बात करते हुए केएच मुनियप्पा ने अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा शनिवार को प्रजाध्वनि-2 यात्रा के शुभारंभ समारोह में किसी ने मुझे आमंत्रित नहीं किया। न तो मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और न ही उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने फोन किया है। इसलिए मैं कार्यक्रम में नहीं गया। मुनियप्पा अनुसूचित जाति वामपंथी समुदाय के प्रभावशाली नेता हैं। उनकी नाराजगी का असर वामपंथी समुदाय पर पड़ेगा, जिसके पास राज्य के 18 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में मतदाताओं का बहुमत है। कांग्रेस को चिंता है कि चुनाव नतीजों में भी अंतर आएगा। कोलार में ऐसी व्याख्याएं सुनी जा रही हैं कि कांग्रेस जिले तक सीमित नेताओं को अपमानित कर प्रदेश स्तर के प्रभावशाली नेताओं का अपमान कर अपने पारंपरिक वोट बैंक को साध रही है।

कर्नाटक ने समय सीमा से काफी पहले सूखा घोषित कर दिया

देर में सूखा घोषित करने का अमित शाह का दावा झूठा: कृष्णा बायरे गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

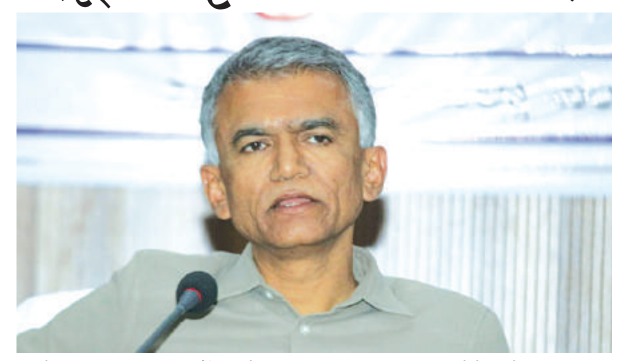

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयान पर विवाद करते हुए कि कर्नाटक सरकार ने सूखा राहत के लिए अपना प्रस्ताव तीन महीने देर से प्रस्तुत किया, जिससे राज्य को राहत प्रदान करने में देरी हुई, राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि यह समय पर किया गया था। उन्होंने शनिवार शाम को नागरिक समाज समूह जागृत कर्नाटक द्वारा क्या कर्नाटक के साथ केंद्र सरकार द्वारा अन्याय किया गया है? विषय पर एक सार्वजनिक बहस में दस्तावेजों के साथ शाह के दावे का खंडन किया, जहां गौड़ा को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मुकाबला करना था। हालाँकि सीतारमण इस कार्यक्रम में नहीं पहुंची। हमने 31 अक्टूबर की समय सीमा से 48 दिन पहले 13 सितंबर, 2023 को सूखे की घोषणा की। हमने 22 सितंबर, 2023 को सूखा राहत की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। केंद्रीय टीम ने 4 से 9 अक्टूबर, 2023 के बीच राज्य का दौरा किया। टीम ने 20 अक्टूबर, 2023 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। राष्ट्रीय कार्यकारी समिति ने 13 नवंबर, 2023 को एक बैठक की और 20 नवंबर को एससी-एनईसी ने गृह मंत्रालय को अपनी सिफारिशें दीं। जबकि शाह अब दावा करते हैं कि हमने तीन महीने देर से सूखा घोषित किया, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में राज्य सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल 20 दिसंबर, 2023 को उनसे मिला, जब उन्होंने हमें आश्वासन दिया कि वह 23 दिसंबर को बैठक करेंगे और स्थिति को स्पष्ट करेंगे। इस संबंध में हमने प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की है। मंत्री, जो जीएसटी परिषद में राज्य के प्रतिनिधि है, ने कर हस्तांतरण में राज्य की हिस्सेदारी पर सीतारमण की अनुपस्थिति में उन्हें आड़े हाथों लिया और उसी के संबंध में अन्याय का आरोप लगाया। सीतारमण ने पहले दिन में 'मेरा टैक्स, मेरा अधिकार' अभियान को ''राष्ट्रीय हित के खिलाफ'' करार दिया था।

चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोप में ईश्वरप्पा के खिलाफ मामला दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के बागी उम्मीदवार के एस ईश्वरप्पा को चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए प्राथमिकी का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चुनाव अधिकारी से आवश्यक मंजूरी लिए बिना राजनीतिक कार्यक्रम आयोजित करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की गई है।

ईश्वरप्पा, जिन्होंने एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का विकल्प चुना है, ने थेर्थाहल्ली के नॉनबूर गांव में अंबुतीर्थ मंदिर में धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

इसके बाद, उन्होंने कथित तौर पर मंदिर के पुजारी के पास के आवास के प्रांगण में 50 से 60 व्यक्तियों के साथ एक बैठक की। सभा के दौरान, एक अस्थायी मंच बनाया गया था, और लगभग 50 कुर्सियाँ और एक हैंडहेल्ड माइक्रोफोन का उपयोग किया गया था। बताया गया है कि ईश्वरप्पा ने राजनीतिक मंशा से सभा को संबोधित किया।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक प्रेस बयान में चुनाव आयोग ने कहा कि ईश्वरप्पा का कार्यक्रम चुनाव आचार संहिता का स्पष्ट उल्लंघन है। नतीजतन, स्थानीय अदालत के आदेश के अनुसार उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।

चुनाव प्रचार दिन-ब-दिन लेता जा रहा आकार

चिलचिलाती धूप के बीच भी चुनाव प्रचार जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव प्रचार दिन-ब-दिन आकार लेता जा रहा है। चिलचिलाती धूप के बीच भी चुनाव प्रचार जारी है। राजनीतिक दलों के नेता और आलाकमान अपने उम्मीदवारों की जीत के लिए प्रचार करने के लिए राज्य में उतर आए हैं। शनिवार को कांग्रेस ने मुलबागली के कुरुदुमले मंदिर से औपचारिक तौर पर अभियान की शुरुआत कर बिगुल फूंक दिया। प्रधानमंत्री मोदी 14 तारीख को राज्य में पहुंचेंगे और जोर-शोर से प्रचार करेंगे। पार्टी कार्यकर्ता, प्रशंसक और उम्मीदवारों के समर्थक पहले से ही गांव-गांव, गली-मोहल्लों में प्रचार कर रहे हैं और घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं। सुबह के शुरुआती घंटों में, उम्मीदवारों और उनके समर्थकों को पार्कों,

होटलों, बस स्टेशनों जैसे विभिन्न भीड़-भाड़ वाले इलाकों में जाकर प्रचार करते देखा गया। पहले चरण की 14 सीटों पर प्रचार तेज हो गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बेंगलूरु दक्षिण और उत्तर लोकसभा क्षेत्रों में जोर-शोर से प्रचार किया। दासरहल्ली, बटारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक में भाग लिया और क्षेत्र के उम्मीदवार राजीव गौड़ा को अधिक से अधिक मतों से जिताने की अपील की। उन्होंने मल्लेश्वरम में रोड शो कर प्रचार किया। सीएम सिद्धरामैया ने महालक्ष्मी लेआउट में कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लेकर बीजेपी पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र की उम्मीदवार सौम्या रेड्डी की ओर से पद्मनाभ नगर और बोम्मनहल्ली में चुनाव प्रचार बैठकें कीं। भाजपा और जेडीएस बेंगलूरु मध्य और दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में व्यापक अभियान चलाकर मतदाताओं को मनाने में लगे हुए हैं। लगभग सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रचार जोरों पर चल रहा है और विधानसभा क्षेत्रों में बैठकें और समारोह आयोजित किये जा रहे हैं। प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर, उम्मीदवार और उनके समर्थक ग्राम नेताओं के साथ परामर्श करके, समुदाय के नेताओं के साथ चर्चा करके, गाँव के मंदिरों को अनुदान देने का वादा करके प्रचार कर रहे हैं। सुबह घर-घर जाकर प्रचार, शाम को रोड शो रैली, जुलूस, कार्यकर्ता बैठकें कर जोर-शोर से प्रचार किया जा रहा है। भविष्य की योजनाओं के पोस्टर बांटकर उनके द्वारा लोकसभा क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों का प्रचार किया जा रहा है। नए उम्मीदवार मतदाताओं से नए-नए वादे कर रहे हैं।

निजी बस पलटने से चार की मौत

चित्रदुर्ग/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु से गोकर्ण जा रही एक निजी बस रविवार तड़के होलालकेरे शहर के पास पलट गई, जिससे चार लोगों की मौत हो गई।

यह घटना होलालकेरे टाउन के बाहरी इलाके में स्थित अंजनेय मंदिर के पास हुई। इस हादसे में करीब 30 लोग घायल हो गए और इनमें से आठ की हालत गंभीर है। घायलों को होलालकेरे तालुक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है, जबकि शवों को शवगृह में भेज दिया गया है। गुस्साए निवासियों ने क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं के लिए अवैज्ञानिक सड़क निर्माण को जिम्मेदार ठहराया। होलालकेरे पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

भाजपा कार्यकर्ता रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट में नहीं था शामिल: यतनाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक और भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने इन आरोपों से इनकार किया कि भाजपा पदाधिकारी साई प्रसाद बेंगलूरु में रामेश्वरम कैफे विस्फोट में शामिल थे। वह राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा भाजपा नेता को हिरासत में लेने के बारे में मंत्री दिनेश गुंडू राव के एक सोशल मीडिया पोस्ट का जवाब दे रहे थे। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मंत्री भाजपा पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। राव कह रहे हैं कि धमाके में बीजेपी नेता का हाथ था। यह सच नहीं है। यतनाल ने कहा कि विचाराधीन व्यक्ति एक मोबाइल उपकरण डीलर था। चूंकि आरोपी ने उससे एक सिम कार्ड खरीदा था, इसलिए एनआईए उससे बात कर रही है। मंत्री गलत हैं। यतनाल ने मंत्री की पत्नी तब्बू राव का जिक्र करते हुए कहा देश विरोधी बयान देना मंत्री की आदत बन गयी है। क्या करें, उनका घर आधा पाकिस्तान है। कन्नड़ में अपने पोस्ट में, राव ने कहा था कि भाजपा को यह आरोप लगाने का कोई अधिकार नहीं है कि कांग्रेस ऐसी राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों का समर्थन कर रही है, अब जब उसके अपने पदाधिकारी को एनआईए ने उठा लिया है। मंत्री और राव ने यतनाल की आलोचना की है। राव ने यतनाल के खिलाफ मामला दर्ज करने की भी धमकी दी। इससे पहले भाजपा ने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडुराव की आलोचना की थी, जिन्होंने ट्विटर पर उस खबर का जिक्र करते हुए पोस्ट किया था कि तीर्थहल्ली के एक व्यक्ति को राष्ट्रीय जांच दल ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में गिरफ्तार किया है। पार्टी ने कहा कि गुंडुराव मानसिक रूप से बीमार हैं। कांग्रेस आईटी सेल फर्जी खबरों को सच बताने की कोशिश कर रही है। आप स्वास्थ्य मंत्री हैं या झूठ बोलने वाले मंत्री? यह दुखद है कि मंत्री पदों पर ऐसे बेवकूफ बैठे हैं जिन्हें गवाह के मुकदमे और आरोपी के मुकदमे के बारे में पता नहीं है। पार्टी ने प्रदेश की जनता से तुरंत माफी मांगने और गरिमा बनाए रखने का अनुरोध किया। रामेश्वरम कैफे ब्लास्ट मामले में तीर्थहल्ली बीजेपी नेता साईप्रसाद को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने हिरासत में ले लिया है।

दिल्लीवासी आकर काम नहीं करेंगे: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि राज्य में कांग्रेस की सत्तारूढ़ सरकार सत्ता में है। जब तक हम आपकी समस्याओं का समाधान नहीं खोज लेंगे, दिल्लीवासी आकर काम नहीं करेंगे। उन्होंने मतदाताओं से पार्टी उम्मीदवारों को वोट देने का आग्रह किया।

उन्होंने बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में, अपने भाई डीके सुरेश की ओर से शहर के कई अपार्टमेंटों में निवासियों की बैठक की और वोटों के लिए प्रचार किया। यशवंतपुर में आरएनएस शांतिनिवास अपार्टमेंट और गोल्डन ग्रैंड अपार्टमेंट में प्रचार करते हुए डीके शिवकुमार ने कहा कि कुछ अपार्टमेंट बिल्डरों ने मालिकों को नहीं सौंपे हैं और रखरखाव का काम पूरा नहीं हुआ है। यह बात उनके संज्ञान में आ गयी है। गोल्डन अपार्टमेंट में डेढ़ हजार वोट हैं। इतने सारे लोग डीके सुरेश का समर्थन करते हैं और जीताते हैं तो फिर हमारे पास आओ। आपका काम करना हमारा कर्तव्य होगा। इसके अलावा उन्होंने कहा अगर हम बीजेपी और मोदी को वोट देंगे तो दिल्लीवालों से काम मांग लीजिए। बेंगलूरु में सूखे के कारण 7 हजार बोरवेल सूख गए हैं। मैं अकेला हूं जो अनेकल के दक्षिणी हिस्से में खेतों में पानी पंप करने की समस्या जानता हूं। हालांकि, हम लगातार पानी की आपूर्ति कर रहे हैं क्योंकि हम लोगों को सुविधा देना चाहते हैं। सांसद डीके सुरेश जनता के बीच हैं और ईमानदारी से काम कर रहे हैं। अगर वे जीतते हैं तो हम अपनी बात नहीं भूलेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपकी तरफ से काम करूंगा। अपार्टमेंट की समस्याओं का समाधान करना स्थानीय विधायकों का कर्तव्य है। लेकिन उन्होंने इसे ठीक से प्रबंधित नहीं किया है। आप हमारी पार्टी को वोट दें। उन्होंने आश्वासन दिया कि हम आपकी सभी समस्याओं का समाधान करेंगे।

मंदिर मेले में 120 फुट लंबा रथ दुर्घटनाग्रस्त हुआ

किसी के घायल होने की खबर नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अनेकल में हुस्कुर मद्दुरम्मा मंदिर में 120 फुट का रथ गिरने से एक बड़ी त्रासदी टल गई, जिससे बिजली का खंभा और रथ खींचने वाले भक्तों की भीड़ बाल-बाल बच गई। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

घटना के वीडियो में दिखाया गया है कि रथ अपनी छोटी चौड़ाई और ऊंची संरचना के कारण अपना संतुलन खो रहा है। जबकि रथ दुर्घटनाग्रस्त होने वाला होता है, भक्त मौके से भागने में सफल हो जाते हैं। ऊंची संरचना गिरते ही क्षेत्र में धूल छा गई, जिससे रथ खींचने वाले बैलों में हलचल मच गई। अराजक दृश्य के बीच लोग सुरक्षित स्थान की ओर भागते दिखे।

हर साल, रथ को सजाया जाता है और हुस्कुर मद्दुरम्मा मंदिर मेले के हिस्से के रूप में एक जुलूस निकाला जाता है। अनेकल के आसपास के गांव भव्य तरीके से आयोजित होने वाले मेले में भाग लेते हैं।

मधुस्वामी से मिले कांग्रेस प्रत्याशी मुद्दाहनुमेगौड़ा

तुमकुरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तुमकुरु लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार एस.पी.मुद्दाहनुमेगौड़ा ने रविवार को पूर्व भाजपा मंत्री जे.सी.मधुस्वामी से मुलाकात की और बातचीत की। जे.सी. मधुस्वामी बीजेपी के प्रमुख नेता हैं। इससे पहले भाजपा सरकार के दौरान इन्हे विपक्ष के हमलों के लिए ढाल के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। पिछले विधानसभा चुनाव में हार के बाद बीजेपी के राज्य के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस

येदियुरप्पा ने उन्हें लोकसभा चुनाव में उतारने का निर्देश दिया था। रुचि न होते हुए भी दो-तीन दबावों के कारण मधुस्वामी लोकसभा चुनाव लड़ने को तैयार हो गये। लेकिन भाजपा के पूर्व मंत्री वी. सोमन्ना आलाकमान को प्रभावित कर तुमकुरु लोकसभा सीट से टिकट पाने में सफल रहे हैं। इससे खफा जेसी मधुस्वामी एक समय बीजेपी छोड़ने वाले थे। येदियुरप्पा मधुस्वामी के घर गए और उन्हें सांत्वना दी। इस बीच, ऐसी अफवाहें थीं कि मंत्री सोमन्ना ने बयान दिया था कि मधुस्वामी को चुनाव प्रचार में नहीं आने से कोई आपत्ति नहीं है। इससे तंग आकर मधुस्वामी ने कहा कि वह बीजेपी में ही रहेंगे। लेकिन कहा जा रहा है कि वह प्रचार में शामिल नहीं होंगे। मधुस्वामी, जो तुमकुरु चुनाव मैदान में नहीं दिखे, उन्होंने पड़ोसी जिले चित्रदुर्ग में भाजपा उम्मीदवार गोविंद करजोल के नामांकन दाखिल करने में भाग लिया। एसपी मुद्दाहनुमेगौड़ा के दौरे ने कई संदेह पैदा कर दिए हैं। चुनाव से कुछ दिन पहले दोबारा कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए एस.पी. मुद्दाहनुमेगौड़ा लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार हैं। एसपी मुद्दाहनुमेगौड़ा ने रविवार को चिक्कनायकनहल्ली तालुक के जे.सी.पुरा में मधुस्वामी के घर का दौरा किया। इस मौके पर देखा गया कि मधुस्वामी ने कांग्रेस प्रत्याशी का गर्मजोशी से स्वागत किया।

ममता सरकार की मंशा हुई उजागर

बंगाल पुलिस ने एनआईए अफसरों के खिलाफ ही दर्ज किया केस

कोलकाता, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में पूर्वी मिदनापुर में एनआईए टीम पर हमले को लेकर राज्य में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का माहौल शुरू हो गया है। इस बीच गिरफ्तार टीएमसी नेता मोनोब्रता जाना की पत्नी की शिकायत पर एनआईए टीम और सीआरपीएफ अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दरअसल, टीएमसी नेता की पत्नी ने आरोप लगाया कि एनआईए अधिकारियों ने उनके घर में घुसकर मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने उनके सम्मान को

ठेस पहुंचाई है। भूपतिनगर थाने में आईपीसी की धारा 325,34, 354, 354(बी), 427, 448, 509 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एनआईए टीम साल 2022 में हुए बम धमाके की जांच करने गई थी। इस दौरान एनआईए टीम दो आरोपियों को गिरफ्तार कर अपने साथ कोलकाता ला रही थी, उसी दौरान एनआईए टीम पर हमला हुआ। ग्रामीणों ने एनआईए टीम के काफिले को घेर लिया और पथराव कर दिया। इस हमले में कई अधिकारी घायल हुए हैं। एनआईए टीम पर हमले को लेकर मामला दर्ज किया गया है। इस मामले को लेकर भाजपा टीएमसी सरकार पर हमलावर है। भाजपा का आरोप है कि ममता बनर्जी के शासनकाल में राज्य में कानून व्यवस्था का बुरा हाल है और पुलिस की मिलीभगत से ये सब हो रहा है। इस घटना पर ममता बनर्जी ने प्रतिक्रिया देते हुए पूछा, एनआईए ने आधी रात में छापेमारी क्यों की? क्या उन्होंने पुलिस से इसकी इजाजत ली? स्थानीय लोगों ने वही किया, जो किसी अजनबी के उनकी जगह पर आने पर उन्हें करना चाहिए था। ममता ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे (एनआईए) चुनाव से ठीक पहले लोगों को गिरफ्तार क्यों कर रहे हैं?

केरल राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र : देवेंद्र फडणवीस

तिरुवनंतपुरम, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में लोकसभा चुनाव के प्रचार के बीच महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने केरल को राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बताया है। फडणवीस ने कहा कि केरल को सबसे आगे रहना चाहिए था और देश की तकनीकी और आर्थिक क्रांति का नेतृत्व करना चाहिए था। लेकिन कुशासन के कारण राज्य पीछे की तरफ जा रहा है। फडणवीस ने विपक्षी पार्टियों पर आरोप लगाते हुए कहा, केरल राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बन गया है। यहां की स्थानीय सरकारें केवल वोट बैंक के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों को बचा रही हैं। मुझे लगता है कि अब केरल को आगे की तरफ लाने का समय आ गया है।

हाल में हुए कन्नूर बम विस्फोट के बारे में पूछे जाने पर फडणवीस ने कहा, यहां राजनीति का अपराधीकरण हमेशा से रहा है। अब चुनाव आयोग सक्रिय है तो ऐसे सभी प्रयासों का पर्दाफाश होगा। विवादों में घिरी फिल्म द केरल स्टोरी पर सवाल किए जाने पर फडणवीस ने कहा, जब फिल्म को सेंसर बोर्ड द्वारा सार्वजनिक रूप से देखने की मंजूरी मिल गई है तो किसी भी मंच पर उसके प्रसारण पर कोई रोक नहीं होगी।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार की विभिन्न परियोजनाओं की सराहना की। उन्होंने बताया कि भाजपा सरकार की परियोजनाओं के कारण इन 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। करीबन 20 करोड़ लोगों को पक्के घर मिले और 50 करोड़ लोगों को नल से पानी मिला है। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार की सक्रियता के कारण बुनियादी ढांचे का बहुत विकास हुआ है। इसका अंदाजा राजमार्गों, वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत और हवाईअड्डों को देखकर लगाया जा सकता है।

फडणवीस ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक ऐसा चुनाव है, जहां सत्तारूढ़ सरकार को सत्ता विरोधी नहीं बल्कि सत्ता समर्थक लहर का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने केरल की जनता से केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर को वोट देकर जिताने की अपील की है। चंद्रशेखर तिरुवनंतपुरम सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

गजब : झारखंड में चूहे पी गए गांजा और खा गए भांग

पुलिस ने अदालत को दी मामले की जानकारी

धनबाद, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद जिले के एक थाने में जब्त कर रखे गये 10 किलोग्राम भांग और नौ किलोग्राम गांजा को नष्ट करने का आरोप चूहों पर लगा है। संबंधित मामले से जुड़े एक वकील ने रविवार को बताया कि पुलिस ने मामले की जानकारी जिले की एक अदालत को दी। अदालत द्वारा राजगंज थाने के प्रभारी अधिकारी को छह साल पहले जब्त किए गए भांग और गांजा को पेश करने का निर्देश दिए जाने के बाद पुलिस ने शनिवार को

प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश राम शर्मा को एक रिपोर्ट सौंपी।

अधिकारी ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि चूहों ने थाने के मालखाने में रखे मादक पदार्थों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया था। राजगंज पुलिस ने 14 दिसंबर 2018 को 10 किलो भांग और नौ किलो गांजा जब्त करने के साथ शंभू प्रसाद अग्रवाल और उसके बेटे को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने मामले के जांच अधिकारी जयप्रकाश प्रसाद को जब्त भांग और गांजा को छह अप्रैल को अदालत में पेश करने का आदेश दिया था।

सेबी से क्लीन चिट के बाद कांग्रेस से अदाणी की आलोचना बंद करने को कहा था : गौरव वल्लभ

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस से भाजपा में शामिल होने के बाद गौरव वल्लभ ने देश की सबसे पुरानी पार्टी (कांग्रेस) के खिलाफ अपने आरोपों को दोहराया। उन्होंने रविवार को कांग्रेस पर उद्योगपति गौतम अदाणी और देश के संपत्ति निर्माताओं के साथ विवाद का आरोप लगाया है। गौरव वल्लभ ने रविवार को एक साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने कांग्रेस हाई कमान से उद्योगपति गौतम अदाणी की आलोचना बंद करने की अपील की थी। उन्होंने आगे बताया कि अमेरिका के हिंडनबर्ग द्वारा किए दावों में अदाणी को क्लीन चिट दे दी गई है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास दिन रात केवल अंबानी और अदाणी का ही मुद्दा रहता है। मैंने एकबार प्रेस कॉन्फ्रेंस में

अदाणी के खिलाफ संदर्भ दिए थे, लेकिन सेबी की तरफ से अदाणी को क्लीन चिट दिए जाने के बाद से ही मैंने उनके बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं की। मैंने कांग्रेस नेताओं को भी सलाह दी कि सेबी द्वारा क्लीन चिट देने के बाद वे अदाणी की आलोचना करना बंद कर दें। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सांसद राहुल गांधी को कई बार अंबानी और अदाणी की आलोचना करते हुए देखा गया है। उन्होंने देश के सबसे प्रसिद्ध उद्योगपति पर केंद्र और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुचित लाभ प्राप्त करने का भी आरोप लगाया है।

गौरव वल्लभ ने आगे बताया कि 22 जनवरी को आयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को अस्वीकार करने के बाद उन्होंने टीवी साक्षात्कार में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व नहीं करने का फैसला किया था। मीडिया से बात करते हुए गौरव वल्लभ ने कहा, जब से मैंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया, तब से लगातार ही मैं यह कह रहा हूं कि मैंने अपने पूर्व वरिष्ठ नेताओं से बार-बार कहा कि सनातन धर्म के विरोध में हम चुप नहीं रह सकते हैं। जिस दिन कांग्रेस ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकरा दिया, उस दिन से मैंने टेलीविजन शो और बहस में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व नहीं करने का फैसला किया था। वल्लभ ने कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम का बिना नाम लिए उनपर निशाना साधा। भाजपा नेता ने कहा कांग्रेस का घोषणापत्र 30 वर्षों से एक ही व्यक्ति (चिदंबरम) द्वारा तैयार किया जा रहा है। अगर उनकी (चिदंबरम) के विचारों और सुझावों में दम होता तो कांग्रेस 42 और 52 सीटों के बीच नहीं गिरती। गौरव वल्लभ ने आगे कहा कि कांग्रेस जमीनीस्तर के कार्यकर्ताओं के मुद्दों को नहीं समझती है। बता दें कि गौरव वल्लभ 2019 लोकसभा चुनाव में उदयपुर निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़े थे, लेकिन भाजपा उम्मीदवार से 32,000 वोटों के अंतर से हार गए थे।

माचिस न देने पर नाबालिग ने चाकू मारकर ले ली युवक की जान

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर इलाके में महज माचिस देने से इनकार करने पर नाबालिग ने एक युवक की चाकू से वारकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी। मृतक की शिनाख्त अंशुल भाटी (21) के रूप में हुई है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर दोनों नाबालिग आरोपियों को दबोच लिया है। मुख्य नाबालिग आरोपी की उम्र महज पंद्रह साल है।

छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि अंशुल अपने तीन अन्य दोस्त वरुण, देव और ऋतिक के साथ एक ऑटो में बैठकर बातचीत कर रहे थे। इस बीच नाबालिग आरोपी अपने दोस्त के साथ वहां पहुंचा। उसने माचिस मांगा तो अंशुल ने मना कर दिया। अंशुल का अंदाज नाबालिग को शायद समझ नहीं आया। उसने चाकू निकालकर अंशुल पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी चला गया। चंद मिनटों बाद आरोपी दोबारा मौके पर पहुंचा और अंशुल को और चाकू मारने लगा तो दोस्तों ने उससे मिन्नतें कर वापस भेजा। अंशुल को अरुणा आसफ अली अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

पुलिस ने वरुण के बयान पर हत्या का मामला दर्ज देर रात को ही छापेमारी की। बाद में इंस्पेक्टर पंकज तोमर व अन्यों की टीम ने नाबालिगों को सिग्नेचर ब्रिज के पास से दबोच लिया। आरोपी की निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया। पुलिस दोनों नाबालिगों से बातचीत कर मामले की छानबीन कर रही है।

एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर साधा निशाना, कहा

बाल ठाकरे की विचारधारा से किया जा रहा था समझौता, इसलिए की बगावत

नागपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को एक बार शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख पर निशाना साधा।

नागपुर के रामटेक में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते शिंदे ने कहा कि उन्होंने इसलिए बगावत की थी क्योंकि उद्धव ठाकरे ने शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विचार छोड़ दिया था। शिंदे ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहते थे लेकिन बाल ठाकरे की विचारधारा से समझौता होते देख उन्हें बगावत करनी पड़ी। शिंदे जून 2022 में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी से अलग हो गए थे

और उन्होंने भाजपा के समर्थन से सरकार बनाई। मुख्यमंत्री ने शिव-सेना (यूबीटी) प्रमुख पर तंज कसते हुए कहा, बाला साहेब ठाकरे हमें (पार्टी पदाधिकारियों को) मित्र समझते थे, लेकिन घर का सहयोगी भी समझते थे। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी तब बढ़ती है जब नेता घर पर बैठने के बजाय जमीनी कार्यकर्ताओं तक पहुंचते हैं।

उन्होंने नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन को वोट देने की अपील की। शिंदे ने कहा, विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का विकास का कोई एजेंडा या इरादा नहीं है। उन्होंने कहा, सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल दलों के बीच सीट बंटवारे पर फैसला दो-तीन दिनों में पूरा हो जाएगा। महायुति विदर्भ में सभी सीट पर जीत दर्ज करेगी।

शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे के बयान पर पलटवार करते हुए शिंदे ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सहयोगियों को चार से पांच सीट दीं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उनके बेटे को कल्याण से फिर से नामांकित किया जाए। शिंदे ने कहा कि इस तरह की आलोचना के साथ आने वालों को एमवीए के झगड़े को देखना चाहिए।

मारपीट मामले के बाद गुजरात विश्वविद्यालय का बड़ा फैसला

सात विदेशी छात्रों को हॉस्टल खाली करने के निर्देश

अहमदाबाद, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात विश्वविद्यालय के छात्रावास में रहने वाले कुछ विदेशी छात्रों पर हाल ही में नमाज अदा करने को लेकर हमला किया गया था। इस घटना के कुछ सप्ताह बाद अफगानिस्तान के छह छात्रों और पूर्वी अफ्रीका के एक छात्र को छात्रावास के कमरों को खाली करने के लिए कहा गया है। 16 मार्च के हमले के कुछ दिनों बाद एक अफगान और गैम्बियन प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय का दौरा किया था और सुरक्षा उपायों पर कुलपति के साथ बैठक की थी।

विश्वविद्यालय की कुलपति नीरजा गुप्ता ने कहा कि अफगानिस्तान के छह छात्रों और पूर्वी अफ्रीका के एक छात्र को निर्धारित अवधि से अधिक समय रहते हो गया। इसलिए इन लोगों छात्रावास के कमरे खाली करने के लिए कहा गया। इन लोगों ने अपनी पढ़ाई पूरी कर ली थी। हालांकि कुछ प्रशासनिक कार्य में देरी होने के कारण यह लोग पूर्व छात्रों के रूप में छात्रावास में रह रहे थे। गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय ने सुनिश्चित किया है कि उन्हें अब छात्रावास में रहने की आवश्यकता नहीं है। साथ ही इन लोगों के अपने-अपने देशों में लौटने की व्यवस्था की है।

कुलपति ने कहा, 'हमने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर ली है और वे अब सुरक्षित रूप से अपने देश लौट सकते हैं। हम अपने छात्रावास में किसी भी पूर्व छात्र को नहीं रखना चाहते हैं।

हरियाणा के किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट मामले के तार नेपाल-कंबोडिया से जुड़े

चंडीगढ़, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट केस में बड़ा खुलासा हुआ है। राजस्थान एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को इस केस के तार नेपाल-कंबोडिया से जुड़े होने के सबूत मिले हैं।

सूत्रों का कहना है कि एसीबी को वहां के लोगों के डॉक्यूमेंट मिले हैं। वहीं किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का मास्टरमाइंड मोहम्मद मुर्तुजा अंसारी अभी भी फरार है। एसीबी को शक है कि वह हरियाणा में ही कहीं छिपा है। अभी तक की जांच से पता चला कि अंसारी इस पूरे खेल में झारखंड के रांची में जुड़ा था। जहां उसने किडनी प्रत्यारोपण के

अवैध व्यापार में जाने से पहले दिल्ली के एक निजी अस्पताल में इंटरप्रेटर के रूप में अपना करियर शुरू किया था। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद इस रैकेट का खुलासा हुआ है।

पकड़े गए लोगों में फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल और ईएच-सीसी अस्पताल के अंग प्रत्यार-ोपण समन्वयकों के साथ-साथ जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के एक अधिकारी भी शामिल थे। इन सभी पर अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए रिश्वत लेने का संदेह था। उनकी गिरफ्तारी के बाद, गुरुग्राम पुलिस, सीएम फ्लाइंग स्क्वाड और स्वास्थ्य विभाग के एक संयुक्त अभियान ने सेक्टर 39 में एक गेस्ट हाउस पर छापा मारा। उन्होंने पांच बांग्लादेशी नागरिकों की खोज की, जो किडनी के दाता और प्राप्तकर्ता थे, जिन्हें कथित तौर पर रैकेट के मास्टरमाइंड ने मदद की थी।

इस केस की जांच कर रहे एक एक सीनियर इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर ने बताया कि प्रारंभिक जांच से संकेत मिलता है कि रैकेट का सरगना अवैध रूप से गरीब और कर्ज में डूबे लोगों को बांग्लादेश से गुरुग्राम ले जाता था, और जयपुर में किडनी प्रत्यारोपण की व्यवस्था करता था। अंसारी की राजस्थान के 10 और मुंबई के दो अस्पतालों के साथ कथित साठगांठ उसकी गिरफ्तारी के बाद ही स्पष्ट होगी।

गुरुग्राम पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 164 के तहत अपने बयान दर्ज करने के लिए दानदाताओं और प्राप्तकर्ताओं को अदालत के सामने पेश किया। हालांकि, ट्रांसलेटर की कमी के कारण, केवल दो बयान दर्ज किए गए क्योंकि दोनों व्यक्ति हिंदी में बातचीत कर रहे थे ।इस बीच, बाबिल पैलेस गेस्ट हाउस में पुलिस की एक टीम तैनात की गई है, जो बांग्लादेशी नागरिकों के मोबाइल फोन से आए संदेशों, कॉल और ईमेल की जांच कर रही है।

रोहतांग सहित ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी अप्रैल महीने में पड़ रही जनवरी जैसी ठंड

मनाली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। मनाली व लाहौल में एक बार फिर मौसम ने करवट ले ली है। अप्रैल महीने भी जनवरी जैसी ठंड पड़ रही है। हिमाचल के तमाम पहाड़ी क्षेत्र बर्फ से लकदक हो गए हैं। रोहतांग सहित शिंकुला, बारालाचा, कुंजम दर्रे सहित ऊंची चोटियों में ताजा हिमपात हुआ है। जबकि मैदानी इलाकों में हल्की बारिश हुई है, जिससे प्रदेश में एक बार फिर से शीतलहर का प्रकोप बढ़ गया है।

रविवार सुबह हल्की धूप निकली लेकिन 11 बजे के बाद घाटी में बादलों ने डेरा डाल दिया। पर्यटन नगरी मनाली में भी हल्की बारिश हुई। दोपहर बाद रोहतांग सहित हामटा, इंद्रकीला, हनुमान टिब्बा, मकरवेद व शिकरवेद, चंद्रखणी, दशोहर व भृगु लेक

सहित समस्त उंची चोटियों में बर्फ के फाहे गिरे।

लाहौल की ओर लेडी ऑफ केलंग, दारचा की पहाड़ियां, चन्द्रताल, चन्द्रभागा पीक, छोटा व बड़ा शीग्रि ग्लेशियर में हिमपात हुआ। अप्रैल महीने में भी बर्फबारी का दौर जारी है। हालांकि शिंकुला दर्रे में हिमपात हो रहा है लेकिन जंस्कर घाटी की ओर वाहनों की आवाजाही फिलहाल सुचारु है।

बढ़ती गर्मी से परेशान मैदान इलाकों के लोग अब पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। राजधानी शिमला में भी काफी संख्या में सैलानी पहुंचे। खासकर सप्ताहांत पर शिमला में सैलानियों की काफी ज्यादा भीड़ उमड़ी। ऐसे में शिमला के पर्यटन कारोबारियों को काफी ज्यादा राहत मिली है। शनिवार और रविवार को शिमला में सैलानियों की खूब चहल पहल रही।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

वायु सेना ने दिखाया पराक्रम

एक्सप्रेस-वे पर हवाई पट्टी पर उतरे सुखोई-230 और मालवाहक जहाज एएन-32

कानपुर , 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वायुसेना ने गगन शक्ति अभ्यास के तहत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर रविवार को बांगरमऊ के कबीपुर गांव के सामने हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान उतारे। सेना के साहस और शौर्य ने लोगों को रोमांचित किया। 3.5 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी पर चार घंटे चले अभ्यास में छह सुखोई, दो मिराज और एक एएन-32 शामिल रहे। इनमें से दो सुखोई और एक एएन-32 बांगरमऊ की धरती पर उतरे।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर पर वायु सेना ने मिशन गगन शक्ति के तहत रविवार को अपना दो दिवसीय अभ्यास पूरा किया। हवा से बातें करने वाले और विमान उन्नाव की धरती पर उतरे पर उतरे तो उनकी गर्जना जैसी तेज आवाज और सभी को रोमांच से सराबोर कर दिया। दोपहर को शुरू हुए अभ्यास में सबसे पहले दोपहर 12 बजे सारंग हेलीकॉप्टर से वायु सेना के कमांडिंग एंड चीफ पहुंचे। इसके साथ ही अभ्यास का शुरुआत हुई।

दोपहर 1: 45 बजे दो सुखोई विमान हवाई पट्टी के ऊपर से चक्कर लगाते हुए निकल गए। 1:53 बजे आगे पीछे दो सुखोई विमान आए। पहला सुखोई 1:53 बजे हवाई पट्टी पर उतरा औ और 1.54 बजे बारी बारी हवाई पट्टी पर उतरे। हवाई पट्टी की सतह को छूने के बाद कुछ दूर दौड़े सुखोई के पायलट ने जैसे ही पैराशूट खोल कर पैरा ब्रेक लगाकर 24 सेकेंड में हवाई पट्टी के दूसरे छोर पर रुक गया। इसके बाद 1:54 बजे उतरे सुखोई ने भी ऐसा ही किया।

दोपहर दो बजे दो सुखोई हवाई पट्टी की सतह को छूते हुए (टच डाउन) करते हुए निकले। इसके 2:7 बजे दो मिराज हवाई पट्टी के ऊपर से आसमान में 90 डिग्री पर घूमकर हवा में करतब दिखाते हुए लखनऊ एयरबेस की तरफ चले गए। 2:14 बजे दो और सुखोई पट्टी के ऊपर से निकले। हवाई पट्टी पर खड़े दोनों सुखोई विमानों ने एक के बाद एक 3:24 और 3:26 बजे हवाई पट्टी पर दौड़ना शुरू किया और उड़ान भरी और 25 सेकेंड में ही सतह को छोड़ आसमान में पहुंच गए।

शाम 3:44 बजे एक सारंग हेलीकॉप्टर फिर हवाई पट्टी पर बने वायु सेना के अस्थायी कंट्रोल रूम के सामने उतरा और सेना के अधिकारियों को लेकर लौट गया। 3.50 बजे माल वाहक जहाज एएन-32 हवा में एक चक्कर लगाने के बाद हवाई पट्टी पर उतरा। विशाल को एक्सप्रेसवे पर खड़ा देख लोग हैरत भरी नजरों से निहारते रहे। कुछ सैन्य सामान लादने के बाद यह जहाज 4:30 बजे रनवे पर दौड़ा और 18 सेकेंड में ही सतह से उठकर उड़ान भरते हुए निकल गया।

वायुसेना के अभ्यास के दौरान 2:57 बजे अचानक एक काले रंग का कुत्ता हवाई पट्टी पर आ गया। वायु सेना की पेट्रोलिंग टीम ने जीप से पीछा किया लेकिन वह हवाई पट्टी पर ही भागता रहा।

बाद में सुरक्षा में लगे जवानों और पुलिस कर्मियों ने उसकी घेराबंद कर हवाई पट्टी से बाहर करने में सफल हुए। गनीमत रही की जिस समय कुत्ता हवाई पट्टी पर पहुंचा कोई जहाज लैंडिंग या उड़ान नहीं भर रहा था। घटना तब हुई जब सुखोई विमान हवाई पट्टी से टेक ऑफ कर चुके थे और एएन-32 उस समय आया नहीं था।

कंपनी निदेशक को लगाया आठ करोड़ रुपए का चूना

▪ दंपत्ति समेत चार पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट

बरेली , 07 अप्रैल (एजेंसियां)। नोएडा की एक कंपनी के मालिकों ने बरेली निवासी कंपनी के निदेशक को आठ करोड़ रुपये का चूना लगा दिया। निदेशक ने थाने से लेकर अधिकारियों के यहां शिकायत दी लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अब कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

सिविल लाइंस निवासी चंदन कुमार पासवान ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनकी कंपनी वेलकिन जोन इंडिया कपड़ा व्यवसाय करती है। नोएडा की कंपनी इनोचेन डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड का मालिक शाहबाज खां कुछ लोगों के साथ दो साल पहले चंदन की कंपनी के पूर्व निदेशक नितिन जायसवाल के बरेली आवास पर आया था। यहां चंदन से मुलाकात के बाद कुछ शर्त के साथ व्यापार करने की सहमति बनी थी।

शाहवाज और उसकी पत्नी आयशा ने चंदन की कंपनी के साथ 22 माह तक व्यापार किया। इस दौरान चंदन ने अपनी व दूसरी कंपनियों से भी आरोपियों की कंपनी में व्यापार के लिए करीब 5.50 करोड़ रुपये निवेश कराए।

उन्होंने जब शाहबाज खां से इस रकम के साथ ही करीब ढाई करोड़ ब्याज का हिसाब मांगा गया तो उसने फर्जी दस्तावेज थमा दिए। जब कंपनी ने मूल दस्तावेज मांगे तो वह टालमटोल करने लगा और फरार हो गया। काफी प्रयास के बाद शाहबाज बात करने को तैयार हो गया। दो लोगों के साथ आठ मार्च को बरेली स्थित कार्यालय आया। रुपये मांगने पर वह भडक़ गया और जान से मारने की धमकी देने लगा। कोर्ट के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अखिलेश की माफियाओं से रिश्तेदारी इसलिए वह मुख्तार के घर गए : मौर्या

मऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। वह जहां भी जाएंगे और जहां भी नहीं जाएंगे... वहां कमल ही खिलेगा या गठबंधन जीतेगा। अखिलेश यादव के बारे में पहले ही बता चुका हूं कि सपा यानी 'सफा' है उत्तर प्रदेश से। सपा यानी समाप्तवाद पार्टी है।

यह बात रविवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने मीडिया से रूबरू होते हुए सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के घर पर पहुंचने की बात पर कटाक्ष करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि भारत देश कांग्रेसमुक्त हो गया है। अरूणाचल प्रदेश के भाजपा के दस विधायक निर्विरोध चुने गए हैं। कांग्रेस को खोजने से भी कोई प्रत्याशी नहीं मिला।

अखिलेश यादव पर आगे प्रहार करते हुए केशव प्रसाद ने कहा कि उनकी माफियाओं से रिश्तेदारी है। वह रिश्तेदारी निभाएं। हमारी माफियाओं से दुश्मनी है, हम दुश्मनी निभाएंगे। हम माफिया, अपराधी, जमीन, मकान, दुकान पर कब्जा करने वाले, अपरहण करने वालों पर कानून के हिसाब से कार्रवाई करते हैं।

अखिलेश यादव द्वारा घोसी प्रत्याशी अरविंद राजभर को लेकर किए गए ट्वीट पर कहा कि जब समाजवाद पार्टी इस प्रकार के सवाल उठाती हैं, जो कि सवाल ही नहीं हैं। अगर कोई प्रत्याशी अपने कार्यकर्ताओं का अभिवादन करता है, उनका मान-सम्मान करता है, उसमें भी सपा रास्ता तलाश करती है।

कहा कि मैं भी प्रत्याशी था, मैं भी बहुत सारे लोगों के चरण छूता था, आशिर्वाद मांगता था। अखिलेश यादव को क्या मैं कहूं, लेकिन उनकी अक्ल इस समय काम नहीं कर रही हैं। इससे पहले उपमुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव देश को सौ साल आगे ले जाने वाला है। 2014 में मोदी जी की आंधी थी तो मैं यह कह सकता हूं कि 2024 में मोदी जी की सुनामी है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की कुल 80 सीटें भाजपा और गठबंधन जीत रहा है।

महिला सम्मेलन में स्मृति ईरानी ने बीएसपी-कांग्रेस पर साधा निशाना

वायनाड में आतंकी संगठनों के समर्थन से चुनाव लड़ रहे राहुल

मेरठ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री स्मृति ईरानी ने लोकसभा चुनाव से पहले मेरठ हापुड़ लोकसभा सीट के मतदाताओं को साधने के लिए महिला सम्मेलन का आयोजन किया। यहां उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड में आतंकी संगठनों के समर्थन से चुनाव लड़ रहे हैं।

एसजीपीआई नाम का आतंकी संगठन का सहारा कांग्रेस ले रही है। डीएमके का भी कांग्रेस समर्थन ले रही है, जिन्होंने बाबा साहब का संविधान जलाया। बंगाल में कांग्रेस उसका समर्थन लेती है रामनवमी के जुलूस को बंद कराकर, राम का नाम लेने वालों को बेरहमी से पीटते हैं।

गढ़ रोड स्थित राधा गोविंद मंडप में लोकसभा वालंटियर एवं महिला सम्मेलन में स्मृति ईरानी ने सपा बसपा पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि कोरोना त्रासदी के समय सपा व बसपा के लोग छुपे बैठे थे जबकि भाजपा का कार्यकर्ता सड़कों पर था और जरूरतमंदों को मास्क सैनिटाइजर और भोजन वितरित कर रहा था।

मोदी ने सभी के लिए निशुल्क राशन की व्यवस्था की। मोदी न होते तो देश में न वैक्सीन बनती और न विदेश तक इसे भेजा जाता। कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे कहते हैं कि अनुच्छेद 370 हटाने से भारतीयों को क्या मिला उन्होंने कहा की अनुच्छेद हटाने से कश्मीर से कन्याकुमारी तक एक ही संविधान हुआ और मान सम्मान मिला।

स्मृति ईरानी ने कहा कि अरुण भाग्यशाली है जो उन्हें यहां मेरठ में मजबूती मिली बोली कि मैं जहां से हूं वहां पिछले 50 वर्ष से कांग्रेस सत्ता में थी 60 सीडी बूथों पर तो बस्ते तक नहीं लगते थे। हम हारे लेकिन भाग्य नहीं। यही वजह है कि अब कांग्रेस और सपा उम्मीदवार की घोषणा करने तक से हिचकिचा रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के सभी 80 लोकसभा सीट जीतने जा रही है। कांग्रेस गाजा पट्टी, हमास के समर्थन में मोर्चा निकाल सकते हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को लेकर कोई बात नहीं की जाती, जिससे साफ है कि कांग्रेस आतंकवादियों के समर्थन में खड़ी है।

रविवार को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने सूरजकुंड स्थित मनोहर नाथ मंदिर के सामने स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि देने का आह्वान कार्यकर्ताओं से किया है। ऐसे में हर बूथ पर 370 वोट उन्हें श्रद्धांजलि के रूप डाले जाएंगे।

पार्टी के मेरठ-हापुड़ लोकसभा के प्रत्याशी अरुण गोविल के विरोध और बाहरी के सवाल पर उन्होंने कहा कि इटली वालों को स्वीकार कर लिया जाता है, जो मेरठ में पैदा हुए, पर्दे पर चमके, उन्हें कैसे बाहरी ठहराया जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीट जीतेगी।

विकसित राष्ट्र बनने की तरफ बढ़ रहा देश : ब्रजेश पाठक

▪ *यूपी की 80 सीटें जीतकर रचेंगे इतिहास*

मोदीनगर (गाजियाबाद), 07 अप्रैल (एजेंसियां)। गाजियाबाद में हापुड़ मार्ग स्थित एक मंडप में आयोजित मोदीनगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश में बड़े बदलाव हुए हैं, देश अब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा है। विश्व में भारत का नाम अब सम्मान के साथ लिया जाता है। उन्होंने दावा किया कि इस बार लोकसभा चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतकर एनडीए इतिहास रचेगा।

रविवार शाम उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक निर्धारित समय से लगभग डेढ़ घंटे की देरी से कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने 10 साल पहले के कांग्रेस गठबंधन की सरकार पर प्रहार करते हुए कहा कि राष्ट्रमंडल खेल घोटाले में खेल मंत्री, टूजी स्पेक्ट्रम घोटाले में संचार मंत्री जेल गए। इससे भारत भ्रष्टाचार करने वाले देशों की सूची में अव्वल आता था। मोदी की सरकार बनने के बाद देश विकास के क्षेत्र में नित नई इबारत लिख रहा है। राम मंदिर निर्माण और धारा 370 का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा जो कहती है वो करती है। साथ ही यह भी कहा कि मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में बड़े फैसले होंगे। 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश माफिया मुक्त कर दिया है। अब अपराधी जेल जाने से भी कतरा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बागपत लोकसभा क्षेत्र से एनडीए के प्रत्याशी मैदान में हैं, उन्हें रिकॉर्ड मतों से जीताकर लोकसभा भेजिए। विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा बूथ अध्यक्षों के बल पर ही दिया है। इस दौरान जिलाध्यक्ष सतपाल प्रधान, नगर पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता त्यागी, भोजपुर ब्लॉक प्रमुख सुचेता सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, पूर्व चेयरमैन रामआसरे शर्मा, डॉ. देवेंद्र शिवाच, सतेंद्र त्यागी, नीरज त्यागी, स्वदेश जैन, महेश तायल, साधना, सुधा और पिंकी मौजूद रहे।

भाजपा के बूथ अध्यक्ष सम्मेलन में कुछ रालोद नेता भी पहुंचे, घंटों कार्यक्रम में रहे। मगर कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ता ही छाए रहे। घंटों बैठने के बाद जैसे ही उपमुख्यमंत्री का संबोधन शुरू हुआ तो रालोद नेता वहां से चुप-चाप निकल लिए। यह प्रकरण चर्चा का विषय बना रहा।

भाजपा नेता की फोटो स्टेट की दुकान में पेट्रोल डाल लगाई आग

बरेली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। बरेली के सुभाषनगर थाना क्षेत्र में भाजपा किसान मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष सुरजीत सिंह चौहान के फोटो स्टूडियो में अज्ञात ऑटो चालक ने पेट्रोल डालकर आग लगा दी। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। मामले में अज्ञात आरोपी पर रिपोर्ट कराई गई है।

बदायूं रोड विश्वनाथपुरम निवासी सुरजीत सिंह शनिवार रात दुकान बंद करके पार्टी कार्यालय चले गए थे। रात 3:21 बजे उनकी दुकान के बाहर एक ऑटो आकर रुका। चालक ने शटर पर बोतल से पेट्रोल डाला और कपड़े में आग लगाकर शटर की ओर फेंक दिया। लपटें उठने लगीं तो आर-ोपी ऑटो लेकर फरार हो गया। रविवार तड़के चार बजे दुकान में आग की सूचना मिली तो सुरजीत दुकान पर पहुंचे। दमकल टीम के पहुंचने से पहले उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पा लिया।

चौहान ने बताया की दुकान में एक प्रिंटर, शादी की चार एल्बम, पांच पेन ड्राइव, एक हार्डडिस्क व कैमरा जल गया। उन्होंने सुभाषनगर थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज वायरल हो रहा है। ऑटो की नंबर प्लेट पर कपड़ा बंधा होने से उसकी पहचान नहीं हो पा रही है। पुलिस दुश्मनी के एंगल पर भी जांच कर रही है, हालांकि सुरजीत ने किसी से विवाद होने से इन्कार किया है।

सूचना पर पहुंची मढ़ीनाथ चौकी पुलिस ने कह दिया यह हमारा नहीं, करगैना पुलिस चौकी का क्षेत्र है। करगैना चौकी पुलिस आई तो कहा कि यह क्षेत्र मढ़ीनाथ चौकी के अंतर्गत आता है। दोनों चौकियों की पुलिस काफी देर तक मामले को एक-दूसरे पर टालती रहीं तो सुरजीत सिंह ने सुभाषनगर थाने पहुंचकर इंस्पेक्टर को मामले की सूचना दी।

धर्मांतरण करा रहे शिक्षक समेत तीन को पकड़ा

फर्रूखाबाद, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। फर्रुखाबाद जिले में मेरापुर थाना क्षेत्र के कुरार गांव में आरएसएस के धर्म जागरण प्रमुख ने एक घर में धर्मांतरण करा रहे शिक्षक समेत तीन लोगों को पकड़ा। घर में धर्म परिवर्तन के लिए लाई गईं गरीब परिवारों की 12 महिलाएं और सात पुरुष भी मिले। मौके से दो बाइबिल व तीन खाली चेक बरामद हुए। पुलिस ने तीनों लोगों को हिरासत में ले लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

आरएसएस जिला धर्म जागरण प्रमुख दिनेश सिंह तोमर व सह धार्मिक प्रमुख सर्वेश शुक्ला अन्य सहयोगियों के साथ रविवार सुबह करीब 11 बजे कुरार गांव पहुंचे। यहां मकान में महिलाएं उनके साथ बच्चे, पुरुष के अलावा तीन बाहरी लोग मिले। यह तीनों लोग महिलाओं, पुरुषों और बच्चों को बाइबिल का पाठ करा रहे थे। इस दौरान ढोलक पर संकीर्तन हो रहा था।

टीम के मौके पर पहुंचते ही गांव के लोग इधर-उधर हो गए। पकड़े गए लोगों में कौशांबी निवासी मेरापुर इंटर कॉलेज का शिक्षक भी शामिल है।

दिनेश सिंह तोमर ने तहरीर में बताया कि मकान में धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था। आरोपी एक साल में कई गरीब हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन करवा चुके हैं।

सपा के गढ़ इत्रनगरी में हर सीट पर खिला है कमल

कामयाबी दोहराने की चुनौती

कन्नौज, 07 अप्रैल (एजेंसियां)। 44 साल पहले वर्ष 1980 में गठन के बाद इत्रनगरी में होने जा रहे लोकसभा में पहली बार ऐसा होगा कि यहां की सभी सीट पर भाजपा का परचम लहरा रहा है। वजह साफ है अपने अस्तित्व में आने के बाद यह पहली बार है कन्नौज की हर सीट पर भाजपा का कमल खिला हुआ है। गठन के 11 साल बाद 1991 में सदर विधानसभा सीट जीत कर जिले में सियासी कामयाबी हासिल करने वाली भाजपा अब यहां की सभी सीटों पर काबिज है।

सपा का गढ़ कहे जाने वाले कन्नौज में यह पहली बार है कि लोकसभा के साथ ही विधानसभा की सभी सीटों पर कब्जे के बीच भाजपा कार्यकर्ता अपनी पार्टी का स्थापना दिवस मनाएंगे। सूबे की सत्ता पर काबिज भाजपा का कन्नौज में समय-समय पर कमल खिलता रहा है। यहां भाजपा को अपना कमल खिलाने में शुरू में काफी जतन करना पड़ा था। पहली कामयाबी राम मंदिर आंदोलन की लहर के दौरान 1991 में हुए विधानसभा चुनाव में मिली थी। तब पहली सदर सीट से भाजपा ने अपना खाता खोला था।

हालांकि, उस चुनाव में लोकसभा की सीट पर कामयाबी नहीं मिली थी। उसके बाद बारी-बारी से छिबरामऊ और तिर्वा में भी जीत मिलती गई। 2022 के विधानसभा चुनाव में सभी तीन सीट पर ऐतिहासिक जीत हासिल हुई। इसके पहले 2019 लोकसभा चुनाव में भी संसदीय सीट पर भाजपा का कब्जा हुआ था। इस तरह इस समय जिले की सभी सीट पर भाजपा का ही कब्जा है।

कन्नौज जिले की तीनों विधानसभा सीट के लिए हुए चुनाव में भाजपा सभी पर जीत हासिल कर चुकी है। तीन चुनाव में एक साथ तीन में से दो सीटों पर जीत मिली। 1993 में कन्नौज सदर और छिबरामऊ, 1996 में कन्नौज सदर और तिर्वा, 2017 में छिबरामऊ और तिर्वा सीट पर यह सफलता मिली थी। 2022 के चुनाव में पहली बार एक साथ तीनों सीट कन्नौज सदर, छिबरामऊ और तिर्वा में कामयाबी मिली। इससे पहले यह कारनामा 2012 के चुनाव में सपा ने किया था।

लोकसभा चुनाव में भाजपा कन्नौज संसदीय सीट पर दो बार जीत का परचम लहरा चुकी है। 1980 में पार्टी के गठन के बाद पहली बार 1996 में इस सीट से चंद्रभूषण सिंह उर्फ मुन्नू बाबू यहां से भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते थे। उस समय कन्नौज जिला नहीं बना था। भाजपा को दूसरी जीत पिछले 2019 के लोस चुनाव में मिली। सुब्रत पाठक दूसरे भाजपा सांसद निर्वाचित हुए।

1980 में वजूद में आने से पहले भाजपा को जनसंघ के नाम से जाना जाता था। देश की आजादी के बाद हुए किसी भी चुनाव में जनसंघ को यहां कामयाबी नहीं मिली। वर्ष 1967 में पहली बार इस सीट के लिए हुए चुनाव में एन सिंह जनसंघ से लड़े। तीसरे नंबर पर रहे। 1971 में रामप्रकाश त्रिपाठी जनसंघ से मैदान में आए और दूसरे नंबर पर रहे। 1977 में भारतीय लोकदल के टिकट पर लड़कर सांसद बने। 1980 में वह जनता पार्टी के टिकट पर लड़े, नहीं जीते।

गर्मियों में ठंडक पाना है तो ये फल खाइए

गर्मियों के मौसम में आपके शरीर को पानी की बहुत जरूरत होती है। पानी की कमी से कई तरह के रोग हो सकते हैं। गर्मियों में ज्यादा से ज्यादा पानी पीने के अलावा आपको मौसमी फलों को भी अपने डायट चार्ट में शामिल करना चाहिए। इन मौसमी फलों के सेवन से आप गर्मी में भी कूल कूल महसूस करेंगे। गर्मियों में मिलने वाले फल आम, तरबूज, खरबूज, बेल व मौसमी आपको अंदर से फिट रखते हैं। आमतौर पर गर्मी के मौसम में लोग ज्यादा खाना नहीं खा पाते हैं। ऐसे में आप फलों का सेवन आसानी से कर सकते हैं।

गर्मियों में तरबूज का सेवन बहुत फायदेमंद है लेकिन तरबूज खाने के साथ पानी न पिएं। दोपहर के वक्त तरबूज खाना और भी अच्छा होता है योंकि उस वक्त तक शरीर को पानी की जरूरत बढ़ जाती है। ऐसे में तरबूज शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है।

गर्मियों में लू लगने पर बेल का शरबत पीने से आराम मिलता है और शरीर की गर्मी भी दूर होती है। गर्मियां आते ही बेल व बेल शरबत हर जगह मिलना शुरु हो जाता है। बेल शरीर में पानी की कमी को पूरा करता है। इसके अलावा यह पेट की समस्याओं में भी आराम पहुंचाता है।

आम फलों का राजा माना जाता है। गर्मी का मौसम आते ही मन में आम का खयाल आने लगता है। आम न सिर्फ स्वादिष्ट होता है बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा माना जाता है। आम को दूध में मिलाकर मिल्क शेक भी पी सकते हैं जिससे शरीर को ऊर्जा मिलती है। लेकिन ज्यादा आम खाना नुकसानदेह भी हो सकता है।

गर्मियों में लीची खाने से आपके शरीर को विटामिन ए, सी एवं पानी भरपूर मात्रा में मिलता है। लीची में एंटीऑक्सीडेंट्स होता है जो आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इसके अलावा त्वचा के लिए भी लाभदायक होती है।

गर्मी के मौसम के लिए खरबूज सबसे अच्छे फलों में से एक माना जाता है। आप खाने के साथ भी खरबूज का मजा ले सकते हैं या थोड़ी देर बाद भी खा सकते हैं। लेकिन ध्यान रहें खरबूज के साथ पानी नहीं पीएं।

डी-हाइड्रेशन होने पर अंगूर से काफी मदद मिलती है। अंगूर फेफड़ों की सेहत के लिए बहुत अच्छे होते हैं। लो बीपी या लो शुगर वालों को इन्हें खाना चाहिए। खाने और अंगूर खाने के बीच कुछ फासला रखें।

सौंदर्य

ब्लैकहेड्स से ऐसे पाएं छुटकारा

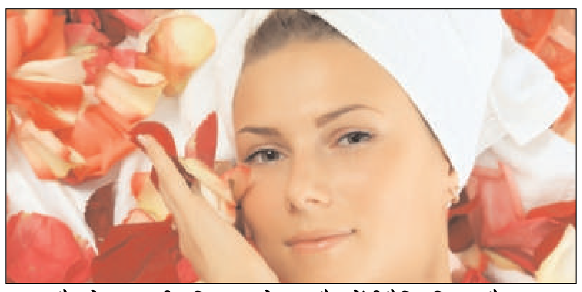

ब्लैकहेड्स की दिक्कत से गर्ल्स अक्सर परेशान रहती हैं। यह परेशानी आपके चेहरे की रंगत को कम करती है, साथ ही अगर वक्त रहते इन्हें क्लीन न करें तो ये पिंपल का कारण भी बन जाते हैं। जानें, छुटकारा पाने के आसान और तरीके।

बेकिंग सोडा-ऐक्ने की समस्या से मुक्ति दिलाने के साथ ही बेकिंग सोडा ब्लैकहेड्स हटाने में भी बेहद कारगर है। इसके लिए एक टेबलस्पून बेकिंग सोडा को 2 टेबलस्पून पानी में मिक्स कर लें। तैयार पेस्ट को 20 मिनट के लिए चेहरे पर, खासतौर पर ब्लैकहेड्स वाली जगहों पर लगा लें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। बेकिंग सोडा नैचुरल एक्सफोलिएटर और ऐंटीबैक्टिरियल है।

दालचीनी पाउडर - दालचीनी पाउडर लगाने से न केवल ब्लैकहेड्स को साफ किया जा सकता है बल्कि इन्हें चेहरे पर आने से भी रोका जा सकता है। एक टेबलस्पून दालचीनी पाउडर में इतना ही नींबू का रस मिलाएं। चाहें तो इसमें 1 चुटकी हल्दी भी मिला सकती हैं। तैयार पेस्ट को 10 से 15 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं और फिर ताजे पानी से धो लें। दालचीनी पोर्स को टाइट करती है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाती है। नींबू के जूस में ऐंटीबैक्टिरियल एलिमेंट्स होते हैं, जो ऐक्ने की समस्या को दूर करता है। इस पेस्ट को लगाकर बल्कि वाइटहेड्स और ऐक्ने से भी छुटकारा मिलता है।

फेशल हेयर से परेशान? नींबू है इनका समाधान

चेहरे पर उग आए नन्हे बाल आपके चेहरे की खूबसूरती को प्रभावित करते हैं। अगर आप इन फेशल हेयर से छुटकारा पाना चाहती हैं, तो जरूरी नहीं कि पार्लर की ही शरण में जाया जाए। आप अपनी किचन में भी इस समस्या का समाधान खोज सकती हैं...

चीनी और नींबू : ये दोनों ही चीजें आपकी रसोई में मिल जाएंगी। दो टेबलस्पून शुगर और नींबू के रस में 8 से 9 टेबलस्पून पानी मिला लें। इस पानी को उबालें। जब इसमें बुलबुले उठने लगें तो गैस बंद कर दें और मिक्सचर को ठंडा होने दें।

ठंडा होने पर इस मिश्रण को चेहरे के उन भागों पर लगाएं जहां बाल उग आए हैं। इसे लगाकर 20 से 25 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर सर्कुलर मोशन में हल्के हाथों से रगड़ते हुए इसे ठंडे पाने से धो लें।

नींबू और शहद : शहद भी घर की रसोई का अहम हिस्सा है। दो टेबलस्पून शुगर में लेमन जूस और एक टेबलस्पून शहद मिलाएं। इस मिक्सचर को 3 मिनट के लिए हल्की आंच पर पकाएं। जरूरत लगे तो इसमें थोड़ा-सा पानी मिक्स कर सकती हैं। अब गैस बंद कर दें।

मिक्सचर ठंडा होने पर जरूरी जगहों पर लगाएं। इसे लगाते वक्त इस बात का खास ध्यान रखें कि इसे बालों की ग्रोथ की दिशा में फैलाते हुए लगाएं। अब इस पेस्ट पर वेक्स स्ट्रिप या कॉटन का कपड़ा रखकर बालों की ग्रोथ की अपॉजिट डायरेक्शन में खींचते हुए हटा दें। (जैसे वैक्स करते हैं।) शहद आपकी त्वचा को नमी देता और इसका ग्लो बढ़ाता है। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो यह उपाय आपके लिए बेस्ट रहेगा।

वास्तु

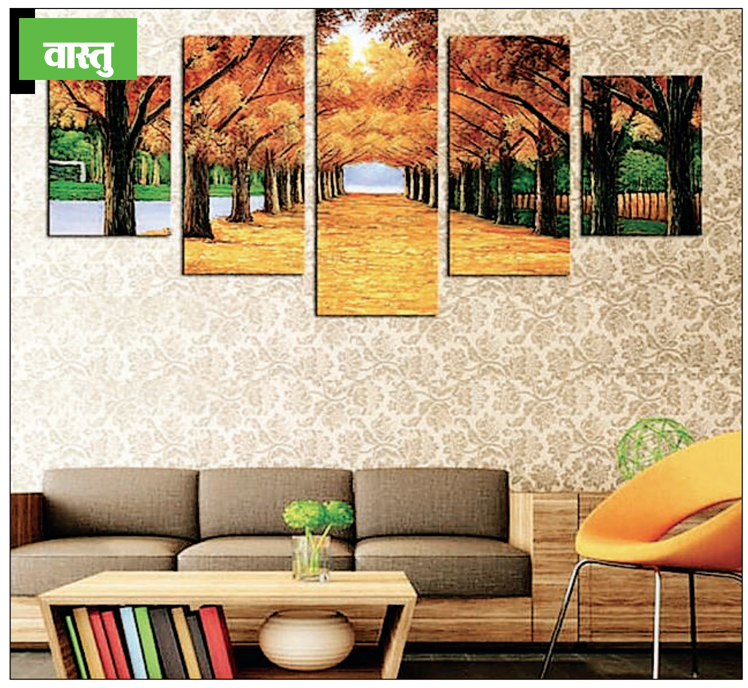

इन चीजों से न सजाएं अपना प्यारा सा घर

घर को सजाने के लिए हम लोग अक्सर उन चीजों को ही खरीदते हैं जो हमें देखने में अच्छी लगती हैं। तस्वीरें,मूर्तियां या फिर इसके अलावा और भी बहुत सी चीजें हैं जिनको हम डैकोरेशन के लिए इस्तेमाल करते हैं लेकिन हर सामान का अपना मतलब होता है। जिनको घर मे रखने से नैगेटिव एनर्जी आती है और परिवार में भी परेशानी आनी शुरू हो जाती है। इनको घर में न रखने में ही भलाई है।

ताज महल

सफेद संगमरमर के बने छोटे-छोटे ताजमहल देखने में बहुत खूबसूरत लगते हैं। कुछ लोग तो इनसे घर सजाते हैं लेकिन इनको घर में रखने से नाकारात्मक ऊर्जा आती है।

नटराज की मूर्ति

यह मूर्ति ज्यादातर डांसर रखते हैं लेकिन ऐसी मूर्ति को अपने घर पर रखने से बचना चाहिए।

पानी का फुव्वारा

आपने घर में पानी का फुव्वारा या इससे मिलती-जुलती कोई तस्वीर लगा रखी है तो इसे हटा दें। वास्तु के अनुसार इससे पैसे में कमी आती है।

जंगली जानवर

कुछ लोग घर में हाथी,घोड़े या फिर जंगली जानवरों की मूर्तियां रखते हैं। इससे परिवार के सदस्यों का मानसिकता पर बुरा असर पड़ता है।

सफेद दाग दूर करे

समाज में अभिशाप की तरह देखे जाने वाले सफेद दाग की समस्या को साधारण और आसान घरेलू उपायों से भी दूर किया जा सकता है। सफेद दाग एक तरह का त्वचा रोग है जो किसी एलर्जी या त्वचा की समस्या के कारण होता है। कई बार ये आनुवांशिक भी होता है। दुनिया के दो प्रतिशत लोग इस समस्या से ग्रस्त हैं और भारत में चार प्रतिशत तक लोग इस समस्या से पीड़ित हैं। इसे ठीक करने के लिए काफी धैर्य की जरूरत है। नीम का उपयोग

नीम की पत्तियां और फल कई प्रकार के रोगों के लिए फलदायक है। नीम के पत्ती को पीसकर उसका पेस्ट बनाये और उसे दाग वाले जगह में एक महीने तक रोज लगायें। साथ ही नीम के फल को रोज़ खायें और नीम के पत्तों का जूस पिएं। इससे खून साफ होगा और सफेद दाग के साथ त्वचा की सारे रोग खत्म हो जाएंगे।

शरीर शुद्ध रखें

कई बार लोग मल-मूत्र को रोक कर रखते हैं। जो कि बहुत गलत है। इससे शरीर के अंदर अपशिष्ट पदार्थों का जमावड़ा बन जाता है जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। इसलिए हमेशा शरीर के विषैले तत्व को बाहर निकालें और शरीर को शुद्ध रखें।

फायदेमंद बथुआ

ज्यादा से ज्यादा अपने खाने में बथुआ शामिल करें। रोज बथुआ उबाल कर उसके पानी से शरीर के सफेद दाग को धोयें। कच्चे बथुआ का रस दो कप निकाल कर, उसमें आधा कप तिल का तेल मिलाकर धीमी आंच पर पकायें। जब केवल तेल रह जाये तो उसे उतार ले। अब इसे रोज दाग में लगायें।

अखरोट खाएं

अखरोट सफेद दाग में काफी फायदेमंद है। अखरोट रोज खायें। यह सफेद पड़ चुकी त्वचा को काली करने में मदद करेगी।

अदरक

रोजाना अदरक का जूस पीएं और अदरक के एक टुकड़े को खाली पेट चबाएं। साथ ही अदरक को पीसकर सफेद त्वचा पर लगाएं।

इन घरेलू उपायों के साथ ही कई खाने की चीजों से परहेज भी करना चाहिए जिससे सफेद दाग की समस्या बढ़े ना। मिठाई, रबड़ी, दूध व दही का एक साथ सेवन न करें। साथ ही दूध की किसी चीज के साथ मछली ना खाएं।

सौंदर्य

त्वचा पर उम्र का असर बेअसर करता है कच्चा दूध

दूध सेहत के लिए फायदेमंद है, यह किसी से छिपा नहीं है। लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि दूध को पीने से सेहत को जितना फायदा होता है, दूध स्किन पर लगाने से भी उतना ही फायदा होता है। यह त्वचा पर उभर रहे उम्र के प्रभाव को कम करता है। साथ ही आपको लंबे समय तक जवां दिखाने में भी दूध मददगार है। हां, स्किन पर कच्चा दूध लगाना ज्यादा असरकारक होता है। जानिए, किन तरीकों से कच्चा दूध आप स्किन पर लगा सकते हैं।

टोनर

कच्चा दूध बेहद कारगर टोनर है। दो टेबलस्पून कच्चा दूध एक कटोरी में लेकर इसे कॉटन की मदद से चेहरे और गर्दन पर लगाएं। कुछ दिन ऐसा करने के बाद आप खुद फर्क महसूस करेंगी।

बेहतरीन प्रॉटेक्टर

दो टेबलस्पून स्पून दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाएं। तैयार मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 10 मिनट बाद धो दें। यह आपकी त्वचा को हानिकारक बैटीरिया से बचाता और त्वचा का डार्कनेस को कम करने में मददगार है। खासतौर पर, जब धूप या धूल भरी हवाओं से आएं, तब इसे जरूर लगाएं।

एक्ने की दिक्कत कम करता है

अगर आपको ऐने की समस्या है तो कच्चा दूध आपके लिए कारकर इलाज साबित हो सकता है। इसे टोनर या पेस्ट के रूप में त्वचा पर लगाएं।

फेसमास्क

जिस भी फेसमास्क में आप कच्चा दूध मिला लेती हैं, उसकी खबियां कई गुना बढ़ जाती हैं। मसलन,आप एग फेसपैक लगाती हैं तो अंडे की सफेदी में दूध मिलाएं। इसका फेसपैक बनाकर लगाएं। स्किन टाइट भी होगी और फेयर भी।

उम्र का असर बेअसर

कच्चा दूध प्रोटीन और कैल्शियम का बेहतरीन श्रोत है। शहद त्वचा को नमी देता है और कसावट लाता है। इन्हें मिलाकर लगाने से त्वचा जवां बनती हैं। रिंकल्स और त्वचा पर आए दाग-धेबों की समस्या में लाभ मिलता है।

खूबसूरती ही नहीं स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है चूड़ी पहनना

चूडियां पहनने का शौंक हर लड़की को होता है। हमारे देश में तो इनको सुहाग की निशानी माना जाता है। इसके अलावा यह फैशन का भी एक हिस्सा है। आजकल तो बाजार में अलग-अलग तरह की चूडियों की वैरायटी आसानी से मिल जाती हैं। लोग इनको अपने आउटफिट्स के साथ मैच करके पहनते हैं। चूडियां औरतों के हाथों की खूबसूरती को तो बढ़ाती हैं लेकिन शायद कुछ लोग यह नहीं जानते होंगे कि कलाई में चूडियां पहनने से सेहत भी अच्छी रहती है। यह औरतों को ऊर्जा प्रदान करने में भी मददगार है।

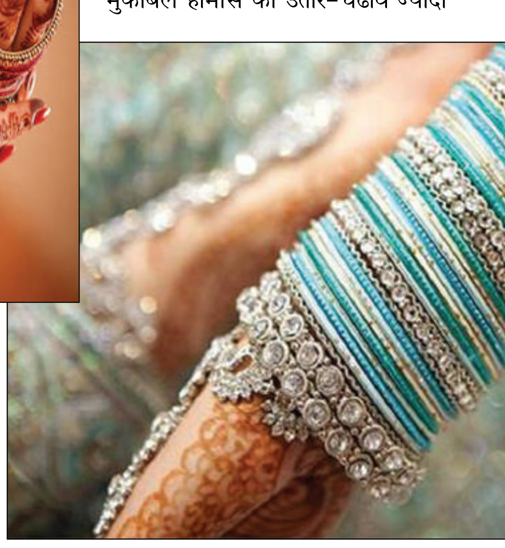

» औरतों के शरीर में पुरूषों के मुकाबले हार्मोस का उतार-चढाव ज्यादा होता है। चूड़ियां इन हार्मोस को बैलेंस रखती हैं।

» चूडियां पहनने से बॉडी में खून का दौरा बेहतर हो जाता है और थकावट भी नहीं होती।

» यह मानसिक संतुलन को काबू में रखने में भी मददगार है। इसी वजह से अकेली औरतें एक साथ कई कामों को संभाल लेती हैं।

» चूडियां पहनने से सेहत अच्छी रहता है,जिससे औरतों को जल्दी थकावट भी नहीं होती।

जिंदगी बचा सकते हैं ये मोटिवेशनल डिजाइनर टैटूज

एक आर्टिस्ट ने कुछ ऐसे टेंपररी टैटूज तैयार किए हैं जो मानसिक स्वास्थ्य से लड़ने और खुद को नुकसान पहुंचाने से रोकने में लोगों की मदद करेगा। लंदन में रहने वाले फ्रांसिस्का टिम्बर ने साल 2015 में मोटिवेशनल टैटूज बनाने की शुरुआत की।

इनमें से ज्यादातर टैटूज प्लास्टर्स के डिजाइन में हैं, जिसके साथ 'लव योरसेल्फ', 'ब्रीद' और 'आई एम इनफ' जैसे मोटिवेशनल मेसेज उकेरे गए हैं। सोशल मीडिया पर लोगों ने अपने पैर, कलाई और शरीर के दूसरे अंगों पर लगाए गए इन टैटूज के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं।

यह टेंपररी टैटू आपकी नेगेटिव इमेज को दूर करने में भी मददगार है। नॉर्मल टैटूज की बात करें तो इन्हें उकेरने वाली सूईयों को शरीर में गहरा चुभाया जाता है, जिससे मांसपेशियों तक को नुकसान होता है। साथ ही कई बीमारियों के होने का खतरा होता है। इस टेंपररी टैटू का मकसद आपको इस तरह के नुकसान से बचाना है।

2011 में की गई एक स्टडी में यह बात सामने आई कि ये टैटू आपकी भावनाओं को व्यक्त करने एक जरिया हो सकते हैं। यह एक सिम्बल है जिसके जरिए लोगों से कनेक्ट किया जा सकता है। इसका मकसद लोगों में आपके प्रति प्यार और सहयोग बढ़ाना है। जब भी आपका दोस्त या आपके परिवार का कोई सदस्य आपके इस टैटू को देखेगा, तब वह जान जाएगा कि आपको एक्स्ट्रा केयर और सपॉर्ट की जरूरत है।

रेसिपी

लैमन कर्ड ट्रिफल

सामग्री

» 5 अंडों का पीला भाग,
» 1/3 कप नींबू का रस
» 100 ग्राम मक्खन
» 1½ कप व्हीपिंग क्रीम
» 1/2 पीसी हुई चीनी
» 1 छोटा चम्मच वनीला एसेन्स
» 1 स्पंज केक
» 2 कप चैरी

विधि

1. एक बर्तन में अंडे का पीला हिस्सा, नींबू का रस डालें और अच्छे से फैंटे। 2. इसे धीमी आंच पर 10 मिनट के लिए पकाएं और हिलाते रहें जब तक इसका रंग गहरा पीला और मिक्सचर गाढ़ा न हो जाए। 3. गैस से उतारने के बाद धीरे-धीरे इसमें मक्खन मिलाते हुए हिलाएं। 4. ठंडा होने के बाद इसे दूसरे बर्तन में निकाल लें और फ्रिज में रख दें। 5. एक दूसरे कटोरे में व्हीपिंग क्रीम लें और उसमें पीसी चीनी और वनीला एसेन्स डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। 6. स्पंज केक के गोल-गोल छोटे टुकड़े काट लें। 7. सर्व करने के लिए एक शीशे के गिलास में केक का टुकड़ा रखें और उस पर एक चम्मच अंडे और नींबू से बना मिक्सचर, चैरी और सबसे ऊपर व्हीपिंग क्रीम डालें। इसी तरह दोबारा केक और मिक्सचर की लेयर बनाएं। इस ट्रिफल को ठंडा-ठंडा बच्चों को परोसें।

टेस्टी और रसीले आम का शरबत

सामग्री

» कितना बनेगा: 4-5 गिलास
» कितना समय लगेगा: 10 मिनट
» कितने दिन चलेगा: फ्रिज में रखने पर 15-20 दिन तक
» सामग्री:
» पके आम: 3-4
» नीबू: 1
» चीनी: 1/2 कप (100 ग्राम)

विधि

आम पना खट्टा-मीठा होता है लेकिन यह शरबत सिर्फ मीठा होता है। इसके लिए आम का पल्प निकाल लें। चीनी को किसी बर्तन में डालें। 1/2 कप से थोड़ा-सा ज्यादा पानी मिलाएं और उबलने रख दें। पहला उबाल आने के बाद 3-4 मिनट तेज गैस पर उबलने दें। इस तरह 1 तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी को ठंडा होने दें। फिर आम का पल्प और नीबू का रस इस चाशनी में मिलाएं और छान लें। किसी बोतल में भरकर फ्रिज में रखें। जब भी आपका मन करे, 1 हिस्सा कंसंट्रेटिड आम का शरबत और 6 गुना पानी मिलाएं और थोड़े-से आइस क्यूब्स मिलाएं और पिएं। आम का शर्बत तैयार है।

संपादकीय

सियासी आबंटन की सरहदें

हिमाचल में सत्ता संग्राम की सीढियों पर सामाजिक विवेचन की अद्भुत पहल भी देखी जा रही है। यहां मतदाता अपनी जातियों के आधार पर समूह और वर्ग पर केंद्रित सियासी काफिले बना रहे हैं। आश्चर्य यह कि हम विधानसभा क्षेत्रों में नए राजनीतिक आबंटन की सरहद पर खड़े हैं। शुरुआत कांगड़ा से हुई, तो कांग्रेस के सामने कई समूह बोलियां लगा रहे हैं। भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है। पहले भी कांगड़ा संसदीय क्षेत्र से चंद्र कुमार कांग्रेस की टिकट पर सांसद बन कर सामाजिक न्याय के प्रतीक रहे हैं। गद्दी समुदाय से किशन कपूर लोकसभा से हाल ही में निवृत्त हुए हैं। जातीय समीकरणों के आधार पर ही अगर टिकटें सुनिश्चित होतीं, तो प्रदेश को जीएस बाली जैसा नेता नहीं मिलता। यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि नेता को जाति, वर्ग या समुदाय बनाता है। नगरोटा बगवां की लगभग आधी आबादी ओबीएस वर्ग से संबंध रखती है, लेकिन जीतने वाले के लिए जातियां दोयम साबित हो रही हैं। समाज वहां अगर सही नेतृत्व ढूंढते हुए जाति भूल रहा है, तो उसे सलाम। आश्चर्य यह कि हिमाचल में नेतृत्व के लिए सत्ता पक्ष ने दो ही जातियां आज तक उपयोगी मानी। सरकारों का इतिहास बताता है कि हिमाचल में सबसे अधिक बार राजपूत मुख्यमंत्री ही बने, जबकि दो बार ब्राह्मण वर्ग के शांता कुमार इस पद पर रहे। नेता तो अन्य जातियों, वर्गों और समुदाय में भी शक्तिशाली व पारंगत हुए, लेकिन इस राज्य की कमान उन्हें अब तक नहीं मिली। ओबीसी तथा गद्दी समुदाय से कई दिग्गज नेता हुए, लेकिन उनके मंत्रालय भी प्रभावशाली साबित नहीं हुए। राजनीति का बदलता परिदृश्य हिमाचली समाज की पेशकश में नेताओं का फिर से मुआयना कर रहा है। सर्वमान्य होने से पहले जो नेता जातियों या वर्गों की वर्दी पहनकर उछलकूद कर रहे हैं, उन्हें पहचाना जाए या जिन्होंने सीढियां चढ़ते हुए यह साबित किया कि वे इस तरह की तफतीश से ऊपर हैं। गाहे-बगाहे हम चुनावों की परिपाटी में समाज के बीच अनावश्यक बंटवारे को देख लेते हैं। समाज को अब साधने और हांकने के लिए राजनीति नित नए बहाने ढूंढ रही है और इसकी विडंबना से हम ऐसे जनप्रतिनिधियों के पल्ले पड़ गए हैं, जो या तो परिवारवाद या जातिवाद की उपज हैं। खास तौर पर स्थानीय निकाय चुनावों के जरिए जिस तरह के पार्षद सामने आ रहे हैं, उन्हें देखकर यह विश्वास नहीं होता कि वे अपने विजन से प्रदेश को आगे बढ़ा पाएंगे। विडंबना यह है कि हिमाचल में न तो बिरादरियां इनसान बना रही हैं और न ही विभिन्न वर्ग नागरिक समाज को जवाबदेह बना रहे हैं। राजनीति की दौड़ में बैसाखियां चाहिएं। कोई जाति की पहनकर टिकट मांग रहा है, तो कोई वर्ग या समुदाय की वर्दी पहनकर पहचान पाना चाहता है। प्रदेश के लिए सुकून की बात यह कि अधिकांश चुनावों में जातियों तथा वर्ग के झंडे पीछे करके समाज ऐसे सोच को ठुकरा रहा है। बेहतर लोकतंत्र के लिए जातियों के एहसास या पैदाइशी वर्ग के स्वाभिमान से कहीं हटकर सोचना पड़ेगा, जो फिलहाल मुश्किल होती कवायद लग रहा है।

> भाजपा के मापतौल पहले ही अपने अंकगणित को पूरा कर चुके हैं, लेकिन कांग्रेस के घर में जातिवाद की खिड़कियां आपस में झगड़ रही हैं। विधानसभा के धर्मशाला सीट पर कई जातियां और वर्ग कांग्रेस के सोच पर मंडरा रहे हैं। पहली बैठक गद्दी समुदाय की तरफ से हुई, तो कांग्रेस बनाम भाजपा के बीच यह वर्ग अपने सियासी वजूद की वेदना के साथ सामने खड़ा हो गया। अब ओबीसी समाज ने कांग्रेस की दीवारों पर हक जताते हुए पोस्टर चस्पां करके कई नाम उकेरे हैं। सत्ता से सामाजिक दायरों तक मापतौल का एक पैमाना चुनाव हो सकता है, लेकिन क्या हिमाचल अब इस रूप में पहचाना जाएगा। बेशक किसी भी समुदाय, जाति या गोत्र में पैदा होकर कोई व्यक्ति विभिन्न क्षेत्रों में अव्वल हो सकता है, लेकिन सत्ता का बंटवारा अब बहस का विषय है। स्वयं राहुल गांधी ने कांग्रेस के आधार को पिछड़ों, दलितों, वंचितों और अल्पसंख्यकों की शुमारी में आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है, तो इस तर्क पर हिमाचल में पार्टी के टिकट आबंटन पर असर पड़ सकता है।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई

ममता सरकार को फिर अदालत की फटकार

योगेंद्र योगी

> पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी, इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फैंकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी, अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है।

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पड़ा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तर प्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी, इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फैंकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढियां चढ़ी, अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम ने तल्ख लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-

एसटी नेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो यह 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीडऩ की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं। सबसे पहले अपने आसपास की परछाइयों से छुटकारा पाएं। इसके बाद दूसरे लोगों की शिकायतों के बारे में बात करें। अगर हलफनामे में एक भी आरोप सच है तो वह भी शर्मनाक है। सरकार कहती है कि यहां महिलाएं सुरक्षित हैं। यदि हलफनामे में कोई आरोप साबित हो जाता है, तो ऐसे सभी दावे झूठे होंगे। हालांकि सुनवाई पूरी होने के बाद भी हाईकोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ कर्मियों पर हमले के मास्टरमाइंड और तृणमूल कांग्रेस के निलंबित नेता शाहजहां शेख ने कहा था कि वह राजनीतिक साजिश का शिकार है। उसके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। उसे जानबूझकर फंसाया जा रहा है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने पांच जनवरी को संदेशखाली में केंद्रीय एजेंसी कर्मियों पर हमला करने वालों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इन्कार किया था। शाहजहां ने अधिकारियों से कहा था कि वह इस हमले की दिल से निंदा करता है और चाहता है कि हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिले। ईडी ने शाहजहां से उसकी कंपनी सबीना एंटरप्राइजेज के जरिए काली कमाई को सफेद करने के मामले में पूछताछ की। जिस पर शाहजहां ने कहा कि सब झूठ है। अनुसूचित जाति-जनजाति के पैनल ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश की थी। इसके लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पैनल ने एक रिपोर्ट सौंपी थी। पैनल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है था कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। पैनल का यह भी कहना था कि आरोपियों पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कानून के तहत मुकदमा चलाया जाना चाहिए। देश में पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य है जहां राज्यपाल ने केंद्र सरकार को कई बार बिगड़े हालात की जानकारी दी है। विपक्षी दलों की शासित राज्यों में भी राज्यपालों और सत्तारूढ़ दल की सरकारों में अनबन होती रहती है, किन्तु संवैधानिक पद पर रहते हुए जितने खराब संबंध पश्चिम बंगाल में रहे हैं, उतने किसी भी राज्य में नहीं रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक चुनावी सभा में कहा कि जो लोग संदेशखाली की महिलाओं के उत्पीडऩ के जिम्मेदार हैं, उनको अब अपना बाकी जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हाल ही में पूरे देश ने देखा कि कैसे टीएमसी और राज्य सरकार ने संदेशखाली की महिलाओं का शोषण करने वाले लोगों को बचाया। लेकिन उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जिन लोगों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है, उन्हें अब अपना शेष जीवन सलाखों के पीछे बिताना होगा। चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी पूर्व में भी जहर उगलने में पीछे नहीं रही हैं।

दृष्टि कोण

पक्षी आपका इंतजार कर रहे हैं, दुनिया से भागना नहीं है इनके 'पास जाना'

अपनी जिंदगियों में हम इतने व्यस्त होते हैं कि पक्षियों को देखने का हमारे पास वक्त ही नहीं होता। रोजमर्रा के कार्यों में हम इतने खोए रहते हैं कि अपने आस-पास मौजूद पक्षियों की दिलचस्प दुनिया को नहीं देख पाते। अपने घरों की बालकनी में खड़े होकर, या सड़क पर यों ही घूमते हुए या कार पर जाते हुए, ऐसा हो ही नहीं सकता कि आपको कोई पक्षी दिखाई न दे। एक बार आप उन्हें देखना शुरू तो करें, धीरे-धीरे आप उन्हें पहचानने लगेंगे, उनमें फर्क करने लगेंगे। फिर एक दिन ऐसा आएगा, जब वे आपको पहचानने लगेंगे और तभी उनकी जादुई दुनिया आपके सामने खुद-ब-खुद अपने रहस्य खोलने लगेगी। पिछले साल सितंबर की बात है। मैं कैलिफोर्निया स्थित अपने घर के पास ही एक संरक्षित आर्द्र भूमि के अंतिम छोर तक गया और तरह-तरह के पक्षियों को देखने लगा। इससे पहले मैं गर्मियों में अपने कुत्ते को घुमाते हुए दूरबीन साथ में लेकर लंबी पैदल यात्रा करना पसंद करता था, लेकिन यह पहली बार था, जब मैं सिर्फ और सिर्फ पक्षियों को देखने निकला था। अमूमन माना जाता है कि पक्षियों को लगातार निहारते रहने वाला व्यक्ति एक पेशेवर या विशुद्ध पक्षी प्रेमी होता है। पर मैं ऐसा नहीं मानता। किसी क्षेत्र में रुचि रखने वाला व्यक्ति उसमें पारंगत हो, यह जरूरी तो नहीं। मेरा यह मतलब नहीं कि पेशेवर बनने के लिए कौशल जरूरी नहीं है। मैं तो यह कह रहा हूं कि कौशल न भी हो. पर गंभीर प्रयास और इरादे तो दिखने ही चाहिए। मसलन, नाच तो कोई भी सकता है, पर जरूरी नहीं कि हर नाचने वाला नर्तक हो। ठीक यही बात मुझ पर लागू होती है। पूरी जिंदगी पशुओं व पक्षियों में मेरी रुचि रही है, पर अपने भीतर पक्षियों को लेकर पेशेवर विशेषज्ञता मैं कभी विकसितु नहीं कर पाया। दो दशकों तक एक विज्ञान लेखक के रूप में मैंने पक्षियों के बारे में विस्तार से लिखा है, लेकिन मेरे लिए वह पल विशेष महत्व रखता है, जब मैंने सिर्फ पक्षियों लिए अपना समय और अपनी ऊर्जा समर्पित करने का फैसला किया। यह पहली बार था, जब पक्षियों को लेकर मैंने पेशेवर ढंग से सोचना शुरू किया। पेशेवर ढंग से मेरा आशय है कि पक्षियों को देखने में एक

तरह की विशेषज्ञता का मैंने अभ्यास करना शुरू किया। पिछले सात महीनों में मैंने पक्षियों की तकरीबन 452 प्रजातियां देखी हैं। पक्षियों को देखने का मेरा अनुभव इस प्रकार हो चुका है कि में आवाज सुनकर ही बहुत-सी पक्षी प्रजातियों की पहचान कर सकता हूं। मैं बड़े और छोटे पीले पैरों, घरेलू और बैंगनी फिंच, कूपर और तेज-चमड़ी वाले बाजों में स्पष्ट अंतर कर सकता हूं। दुर्लभ पक्षियों की तलाश में भी मैंने काफी समय गुजारा है। हालांकि पक्षियों के बारे में मुझे पहले से भी काफी जानकारी थी। पक्षियों के आवासों और उनके तौर-तरीकों के बारे में काफी कुछ समझता भी हूं। सोशल मीडिया पर पक्षी प्रेमियों के कई समूहों का भी हिस्सा हूं और उनसे बातें भी करता रहता हूं। पक्षी-प्रेमी होने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है पक्षियों का ज्ञान और इसके लिए पक्षियों को जानना महत्वपूर्ण है। पक्षियों को जानने के लिए उन्हें देखना शुरू करना जरूरी है। मेरे पक्षी-प्रेम ने मुझे कैलिफोर्निया में ऐसे स्थानों का पता लगाने के लिए प्रेरित किया, जहां पक्षी हो सकते हैं। मैं पक्षियों को देखने में इतना खो जाता हूं कि मुझे गर्मी, सर्दी, भूख और प्यास से कोई फर्क नहीं पड़ता। जब मैं पहली बार किसी नई प्रजाति को देखता हूं, तो मुझे एक अजीब शांति का अनुभव होता है, मानो मैंने कोई नशा किया हो। जब मैं सुबह अपने घर से बाहर निकलता हूं, तो आस- पड़ोस में पक्षियों के चहकने पर ध्यान देता हूं, जो हमेशा वहां रहते थे, लेकिन जिन पर पहले मैंने कभी ध्यान नहीं दिया। पक्षी प्रेमियों के लिए ऋतुओं को समझना अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऋतु परिवर्तन विशेष प्रजातियों के आगमन और प्रस्थान का एक महत्वपूर्ण संकेत है। मैं मौसम में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों और निवास स्थान के फर्क पर विशेष ध्यान देता हूं। पक्षियों से दोस्ती करनी हो, तो आप एक प्रयोग कर सकते हैं। आप जहां भी रहते हों, अपनी बालकनी या छत पर अनाज के कुछ दाने और पीने का थोड़ा पानी पक्षियों के लिए रखना शुरू कीजिए। हो सकता है कि शुरुआती कुछ दिन एक भी पक्षी न आए, लेकिन आप क्रम न तोड़िए। एक दिन आप देखेंगे कि कुछ पक्षियों ने आना शुरू किया, फिर कुछ और दिन बाद पक्षियों की संख्या बढ़ने लगेगी, और कुछ पक्षी तो लौट-लौट कर आने लगेंगे। उन पक्षियों के पास न जाइए, पर उनके व्यवहार को दूर से देखने-समझने की कोशिश करते रहिए। जब मैंने पक्षियों को देखना शुरू किया, तो मुझे लगा था कि अधिकांश पक्षी प्रजातियों को शायद ही देख पाऊं। मेरा मानना था कि रॉबिन और वेस्टर्न ब्लूबर्ड जैसे पक्षियों को देखना आसान होगा, वहीं ब्लैक स्कीमर या पेरेग्रीन फाल्कन या लॉगरहेड श्राइक, सुनहरी चीलों, बड़े सींग बाले उल्लुओं जैसे दुर्लभ पक्षियों को देखना मुश्किल होगा, पर पक्षियों के प्रति मेरी जिज्ञासा ने इसे सरल बना दिया। रेत की पहाड़ी पर नाचते हुए क्रेनों को देखकर और प्रशांत महासागर में उनकी गोताखोरी देखते हुए उत्सुकता भरा मेरा प्रश्न कि 'मैं उसे कभी नहीं देख पाऊंगा' अब 'मैं उसे कहां पा सकता हूं?'

कुछ अलग

इलैक्टोरल बॉण्ड

चुनावी बॉण्ड असंवैधानिक करार कर उनसे राजनीतिक दलों को चुनाव फण्डिंग न किए जाने के सुप्रीमकोर्ट के आदेश के बाद यह संज्ञान में रहना चाहिए कि कम से कम मान्य चुनावी प्रक्रियाओं के संदर्भ में चुनावी बॉण्ड से मिला धन शुचिता वाला धन न होकर काले धन के समतुल्य ही था। दुखद यह रहा कि जब प्रजातांत्रिक चुनावों में काले धन का वर्चस्व हर बीतते चुनावों के साथ बढ़ता ही जा रहा था, चुनावी बॉण्ड की गुमनामी धनराशि भी उसी रूप में इसमें मददगार भी हो रही थी। जब ये एन चुनावों के पहले जारी होते थे, तब तो खासकर इनसे पाए करोड़ों रुपयों से राजनीतिक दलों को चुनाव लडऩे में आसानी होती थी। लगभग पांच साल देरी से आए इस निर्णय से पहले चुनावों में गैर-बराबरी जारी थी। इससे कई दलीय उम्मीदवारों की हार-जीत पर असर भी पड़ा होगा। जब चुनावी फण्डिंग की चुनावी बॉण्ड योजना आई थी, तो संसदीय परम्परा के विशेषज्ञ सुभाष कश्यप का विचार था कि राजनीतिक दल चुनावों में कालेधन का भारी उपयोग करते हैं। राजनीतिक दलों को इन बॉण्डों को देने वालों का नाम जाहिर करना बाध्यकारी नहीं है, अतः पारदर्शिता का अभाव तो रहेगा ही। जिनका गैर-कानूनी काम किया गया है वे भी तो नेताओं के कहने पर उनके दलों को बॉण्ड दे सकते हैं। फर्जी कम्पनियों के माध्यम से राजनीतिक बॉण्ड खरीदकर राजनीतिक आकाओं के दलों को उपकृत करने की संभावनाओं से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। ऐसा धन राजनीतिक इस्तेमाल के लिए शुचिता वाला धन कैसे हुआ? अक्टूबर 2023 में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी का बयान था कि इलैक्टोरल बॉण्ड के पहले जो कुछ पारदर्शिता थी वह भी खत्म हो गई। पहले राजनीतिक दलों को बीस हजार रुपए और उससे ज्यादा धन देने वालों की सूची चुनाव आयोग के पास होती थी। वह उनको सार्वजनिक भी करता था, परन्तु इलैक्टोरल बॉण्ड जारी होने के बाद यह अनिवार्यता और पारदर्शिता भी नहीं रही। समाचारों में ही था कि नवम्बर 2023 में जिन पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे, वहां जब्त राशि पिछले विधानसभा चुनावों के मुकाबले सात गुणा ज्यादा थी। यदि सालों के अंतराल के बाद 31 अक्टूबर 2023 से चुनावी बॉण्ड की वैधता पर पुनः शुरू हुई सुनवाई पूरी होने के बाद भी उच्चतम न्यायालय की पांच न्यायाधीशों की संवैधानिक पीठ ने अपना निर्णय 2 नवम्बर 2023 को सुरक्षित न रखा होता तो शायद नवम्बर 2023 के विधानसभा चुनावों के पहले चुनावी बॉण्ड जारी भी न होते। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 29 शाखाओं से 29वीं बार 6 नवम्बर से 20 नवम्बर 2023 के दौरान चुनावी बॉण्डों की बिक्री, खरीददारी हुई थी। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में जो दो नवम्बर के काफी बाद हुए थे, कुछ राजनीतिक दलों को चुनावी बॉण्ड का फायदा मिल ही गया। पहली बार चुनावी बॉण्ड मार्च 2018 में बिके थे। इसके बाद वे विभिन्न सालों में विभिन्न अवधियों में बिकते रहे। अप्रैल 2021 में भी गैर-सरकारी संस्था एडीआर (एसोसियेशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफाम्र्स) ने सुप्रीमकोर्ट में दायर याचिका में तब कुछ राज्यों में होने वाले विधानसभा के चुनावों के पूरे होने तक इलैक्टोरल बॉण्ड की बिक्रियों पर रोक लगाने की मांग की थी, किन्तु बेंच ने उसे खारिज कर दिया। केन्द्र ने एक अप्रैल 2021 से 10 अप्रैल 2021 तक बॉण्ड जारी भी किए थे। अदालत ने टिप्पणी भी की थी कि यह दलील मानना मुश्किल है कि मतदाताओं को राजनीतिक चंदों का स्त्रोत जानने का अधिकार नहीं है। बहरहाल कोर्ट के फैसले का स्वागत है। -

देश दुनिया से

आयुर्वेद नहीं है बिकाऊ

> आयुर्वेद की छवि मटियामेट करने में इस प्रकार के झूठे दावों का बड़ा हाथ है। बिना वैज्ञानिक पुष्टि किए इन्हीं दावों के कारण जीवन के परिरक्षण में महारत हासिल एक विज्ञान को इतने अधिक बुरे दिन देखने पड़े जितने कि अंग्रेजी शासन के दौरान इस विधा ने नहीं देखे थे। एक तथ्यात्मक बात है, इस संसार में अमरता का कोई ज्ञान उपलब्ध नहीं है। जो कोई इस संसार में आया है, उसका जाना भी तय है। इसलिए दीर्घायु के दावे करना और दीर्घायु का कोई जोड़ खोज निकालने का दंभ भरना, अपनी दुकान चला लेने की दृष्टि से यह एक अनोखा अनुप्रयोग भले हो सकता है, लेकिन यह वैज्ञानिक दृष्टि में जीवन किसी पोंजी स्कीम में लगा डालने जैसा है जिसके अंत में अपना ही नुकसान होना तय है।

स्वास्थ्य परिरक्षण एवं जीवनशैली से संबंधित विषयों पर इलाज के बड़े बड़े वादे इस देश में किए जाते रहे हैं। शर्तिया इलाज के नाम पर टंगे पोस्टर और फ्लेक्स जीवन सुधार देने के नाम पर झूठी आस बंधाते यहां-वहां टंगे दिख जाएंगे। आयुर्वेद की छवि मटियामेट करने में इस प्रकार के झूठे दावों का बड़ा हाथ है। बिना वैज्ञानिक पुष्टि किए इन्हीं दावों के कारण जीवन के परिरक्षण में महारत हासिल एक विज्ञान को इतने अधिक बुरे दिन देखने पड़े जितने कि अंग्रेजी शासन के दौरान इस विधा ने नहीं देखे थे। एक तथ्यात्मक बात है, इस संसार में अमरता का कोई ज्ञान उपलब्ध नहीं है। जो कोई इस संसार में आया है, उसका जाना भी तय है। इसलिए दीर्घायु के दावे करना और दीर्घायु का कोई जोड़ खोज निकालने का दंभ भरना, अपनी दुकान चला लेने की दृष्टि से यह एक अनोखा अनुप्रयोग भले हो सकता है, लेकिन यह वैज्ञानिक दृष्टि में जीवन किसी पोंजी स्कीम में लगा डालने जैसा है जिसके अंत में अपना ही नुकसान होना तय है। वादों से भरे भाषणों ने पहले ही हमारा बेहद नुकसान किया है। अब औने-पौने दावों में न आकर स्वास्थ्य को नुकसान होने से बचाना, यह जिम्मेदारी हमारी बनती है। स्वयं आयुर्वेद में किसी व्याधि की चिकित्सा के संदर्भ में किसी झूठे दावे का उल्लेख पढऩे में नहीं आता। अतः पुराने ग्रंथों से बाहर, कालांतर में लिखी गयी शर्तिया इलाज की पुस्तकें पढ़ कर ऐसे दावों के झांसे में आने से पहले हमें वैज्ञानिक बुद्धि का प्रयोग अवश्य करना होगा। चिकित्सा क्षेत्र में कार्यरत मुझे बीस वर्ष से अधिक का समय बीत गया। हजारों लोगों का उपचार किया। अनगिनत सलाहियत की। लेकिन आज तक मेरे हाथ कोई ऐसा नुस्खा नहीं लगा जिसे मैं रामबाण इलाज कहकर सारी दुनिया में प्रचारित-प्रसारित करके अपनी दुकान चला लूं। मेरे अनुभव ने मुझे केवल इतना मात्र सिखाया कि कोई दो भिन्न शरीर उपचार के प्रति एकसमान प्रतिक्रिया प्रदान नहीं करते। दो लोगों में व्याप्त एक ही रोग भी एक समान व्यवहार नहीं करता। आयुर्वेद में तो रोगी की प्रकृति के साथ रोग की प्रकृति और विकृति का भी मापतोल करने का निर्देश है। इतना ही नहीं बल्कि रोग निदान करते समय ऋतु और दिनमान को पढऩे का विचार भी आयुर्वेद में निर्देशित है। जब रोग तथा रोगी के सम्बन्ध में इतने निर्देश हैं तो विचार करके देखिए, उपचार प्रणाली के चुनाव में कितने निर्देशों का अनुपालन करना बताया गया होगा आयुर्वेद में! ऐसे में किसी को शर्तिया इलाज का झांसा देकर रोगी या उसके तीमारदारों को बरगलाना, आयुर्वेद कम से कम इतना निकृष्ट आचरण तो कतई नहीं सिखाता। तब ऐसे में प्रश्न उठता है कि वे कौन लोग हैं जो भोली-भाली जनता के मन में शर्तिया इलाज के दावों से भरे कथित रामबाणों का शरसंधान करके उनके जीवन को संकट में डालने का उद्योग रचते हैं? ऐसे कितने ही पीड़ित होंगे इस संसार में जिन्हें इन लोगों ने ठगा ही नहीं बल्कि सर्वस्व लूट कर उन्हें धीमी मृत्यु की ओर अग्रसर तो किया ही, साथ ही कलंक का टीका आयुर्वेद के माथे मढ़ दिया। देश में वायदा बाजार पर नकेल कसने के लिए नियम और कानूनों की कमी तो कोई नहीं लेकिन सामने वाले के रसूख और बाजार में उसकी उपादेयता के सामने सभी नियम-कानून बौने पड़ जाते हैं। तंबुओं के बाहर शर्तिया इलाज का आयुर्वेदिक दवाखाना के बोर्ड टंगे रहते हैं। तंबुओं के भीतर हिमालय के गर्भ से प्राप्त दुर्लभ जड़ी-बूटियों का बाजार सजा रहता है। अब तो ये दुकानें कॉर्पोरेट साईज में सेबी पर एनलिस्टिड फर्मों की हैसियत भी रखती हैं और जानलेवा बीमारियों के लिए शर्तिया इलाज वाली दवा-गोलियां धड़ल्ले से बाजार में बेचती हैं। ऐसी दवा खाकर जीवन को पोंजी स्कीमों में निवेश कर देने वालों की इस देश में कमी कोई नहीं। कुछ तो ऐसे भी हैं जो ऐसी दवाओं को राष्ट्रभक्ति के नाम पर पेट के हवाले कर देते हैं। ऐसा करने का उनके पास तर्क भी है: 'आयुर्वेद का कोई साइड इफेक्ट तो है नहीं!' मेरी नजर में आत्महत्या के लिए इससे बड़ा और कोई कुतर्क नहीं दिया जा सकता। जीवनशैली से संबंधित रोगों के लिए यदि कोई दवा ईजाद हो चुकी होती तो मैं यह दावे से कह सकता हूं कि ऐसे शोध का नवोन्मेष निश्चित ही आयुर्वेद के नाम पर लिखा होता। दुर्भाग्य केवल इस बात का है कि यदि रोग ही खराब जीवन-शैली के कारण उपजा है तो ऐसे रोग की रोकथाम निश्चित तौर पर दवा-गोलियों के माध्यम से तो नहीं ही की जा सकती। जीवनशैली में सुधार ही एकमात्र उपाय है। तथा इस सुधार का अर्थ एकाध रोज सांस अंदर-बाहर खींच लेना नहीं। चंद दिनों के सुधार से आप कुछ न हासिल कर पाएंगे। अनुपालन योग्य जीवनशैली को नियम बनाना होगा।

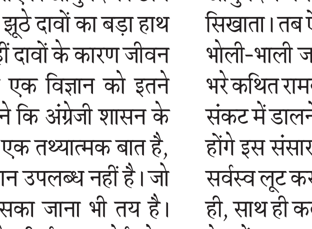

आप का नजरिया

बाबा 'एलोपैथी' विरोधी क्यों?

बाबा रामदेव कई मायनों में श्रद्धेय हैं। कमोबेश इस दौर के 'योग-पुरुष' हैं, जिन्होंने एक कड़ी साधना को इतना आसान बना दिया है कि औसत पार्क या सभा-स्थलों पर असंख्य लोग योगासन करते देखे जा सकते हैं। नतीजतन स्वास्थ्य में भी सुधार हो रहा है। ऐसे 'योग-साधक' को सर्वोच्च अदालत में माफीनामा देना पड़े और न्यायिक पीठ उसे स्वीकार करने के बजाय महज 'जुबानी जमा खर्च' करार दे, तो शीर्ष अदालत की इस कड़ी चेतावनी को समझना बेहद जरूरी है। बाबा की कंपनी 'पतंजलि आयुर्वेद' एक लंबे समय से भ्रामक प्रचार करती रही है कि उसके पास ग्लूकोमा, मधुमेह, रक्तचाप, अर्थराइटिस और अस्थमा सरीखी घातक बीमारियों के स्थायी इलाज हैं। दरअसल बाबा रामदेव ही पतंजलि के उत्पादों के सार्वजनिक चेहरा हैं। विज्ञापनों में वह दावे करते देखे जा सकते हैं कि उनकी औषधियां साक्ष्य आधारित, शोधपरक और लोगों पर परखी जा चुकी हैं। इन विज्ञापनों के व्यापक प्रभाव भी होते हैं, क्योंकि करोड़ों लोगों की बाबा में आस्था है। बाबा के दावों को सच मानते हुए असंख्य लोग पतंजलि की दवाएं खरीदते और इस्तेमाल करते हैं। नतीजतन आज बाबा की कंपनियों का टर्नओवर हजारों करोड़ रुपए है। पतंजलि दवाओं के प्रचार करने के साथ-साथ बाबा रामदेव आधुनिक चिकित्सा प्रणाली 'एलोपैथी' के खिलाफ विष-वमन भी करते रहे हैं। बाबा ऐसा क्यों करते हैं? पतंजलि के अलावा, झंडु, बैद्यनाथ, हमदर्द, डाबर आदि प्रख्यात कंपनियां भी आयुर्वेद औषधियों का व्यापक स्तर पर उत्पादन करती हैं। उन्होंने तो कभी भी 'एलोपैथी' के खिलाफ जहर नहीं उगला। सर्वोच्च अदालत ने इस भ्रामक और गलत प्रचार के लिए बाबा रामदेव को मना भी किया था, लेकिन बाबा और पतंजलि समूह के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण देश की शीर्ष अदालत के निर्देशों का ही उल्लंघन करते रहे हैं। बाबा के आयुर्वेद बनाम एलोपैथी की यह लड़ाई, 'इंडियन मेडिकल एसोसिएशन' के जरिए, बीते दो सालों से सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। अब बात बाबा के माफीनामे से भी आगे निकल चुकी है। मौजूदा दौर जीवन-शैली के रोगों का है, लिहाजा योग, आयुर्वेद, शरीर को विष-मुक्त करना और हर्बल थेरेपी आदि ज्यादा लोकप्रिय हैं। लोग उनके जरिए स्वास्थ्य-लाभ पा रहे हैं। देश की मोदी सरकार ने भी आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, योग और सिद्ध आदि चिकित्सा प्रणालियों का एक ही मंत्रालय-आयुष-में विलय कर दिया है। 'जन औषधि केंद्रों' के जरिए जेनरिक दवाएं भी लोगों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। बेशक स्वास्थ्य की देखभाल में इन प्राचीन चिकित्सा प्रणालियों की अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन बाबा जैसे पैरोकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली 'एलोपैथी' को गालियां देते हुए अथवा जहर बेचने वाले करार देकर अपने 'आयुर्वेद' को नहीं बेच सकते। जिस देश में नीमहकीमी और विज्ञान-विरोधी मानसिकता अनियंत्रित हो, उसमें नियामक प्रोटोकॉल से कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता। नियामक संस्थाएं पतंजलि की औषधियों की जांच करें। यह उनका संवैधानिक अधिकार भी है।

वधावन से जुड़ी फर्म पर ईडी की कार्रवाई 36 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।
प्रवर्तन निदेशालय के मुंबई जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत एक कुर्की आदेश जारी किया। इस मामले में अब मेसर्स वीणा डेवलपर्स की 36.66 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की गई है। यह फर्म एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन से जुड़ी है। बता दें कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है।

पिता पुत्र को मिली जमानत

इससे पहले शुक्रवार को एचडीआईएल के प्रमोटर सारंग वधावन और उनके पिता राकेश वधावन को बॉम्बे हाईकोर्ट ने जमानत दी थी। दोनों पर पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी का आरोप है। जस्टिस मोदक की पीठ ने ईडी और मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज मामले में एचडीआईएल के प्रमोटरों को जमानत दी है। कोर्ट ने दोनों को पांच-पांच लाख रुपये की जमानत राशि जमा करने का आदेश दिया था।

कब क्या हुआ

आपको बता दें कि राकेश वधावन और सारंग वधावन को पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव बैंक में धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया था। 9 अप्रैल 2021 को प्रवर्तन निदेशालय ने बैंक धोखाधड़ी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए वधावन बंधुओं की 77.65 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कर ली।

तीन अप्रैल 2022 को दिल्ली की अदालत ने वधावन बंधुओं की जमानत अर्जी खारिज की

26 अक्टूबर 2023 को कपिल वधावन और धीरज वधावन की 70 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की हीरे के आभूषण और फ्लैट समेत संपत्ति कुर्क की गई।

न्यूज ब्रीफ

आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाएगी वोडाफोन आइडिया

नई दिल्ली। आर्थिक रूप से बदहाल टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया अब फंड जुटाने की कोशिश में है। इसमें उसे कुछ सफलता भी मिली है। कंपनी ने बताया कि उसके बोर्ड ने प्रमोटर आदित्य बिड़ला ग्रुप से 2075 करोड़ रुपये जुटाने की मंजूरी दे दी है। साथ ही, उसे ऑथराइज्ड शेयर कैपिटल को 1 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने की इजाजत भी मिल गई है। अब शेयरधारकों की मंजूरी का इंतजार वोडाफोन आइडिया ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि वह मौजूदा प्रस्तावों पर 8 मई को एक श्वत्ररूमें शेयरधारकों की मंजूरी लेगी। इससे पहले कंपनी को 2 अप्रैल की ईजीएम में सिक्योरिटीज जारी करके 20,000 करोड़ रुपये तक जुटाने के लिए शेयरधारकों की इजाजत मिली थी। वोडाफोन आइडिया का इक्विटी और डेट (कर्ज) के जरिए 45,000 करोड़ रुपये जुटाने का प्लान है। कंपनी पर बैंक कर्ज फिलहाल 4,500 करोड़ रुपये के आसपास है। पूंजी का क्या करेगी वोडाफोन आइडिया वोडाफोन आइडिया टेलीकॉम मार्केट में फिलहाल रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से काफी पीछे है। ऐसे में वह इक्विटी और डेट से जुटाई रकम का इस्तेमाल अपनी सेवाओं को बेहतर करने में करेगी, ताकि वह जियो और एयरटेल का मुकाबला कर सके। वोडाफोन आइडिया का फोकस 4जी कवरेज बढ़ाने और 5जी नेटवर्क रोलआउट करने पर है। वह अपनी क्षमता को भी बढ़ाना चाहती है। वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार (5 अप्रैल) को वोडाफोन आइडिया का शेयर प्राइस 13.35 रुपये था। पिछले 6 महीने में शेयर ने निवेशकों को 22 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पिछले एक साल में इसमें 117 प्रतिशत का उछाल आया है। हालांकि, इस साल यानी 2024 में अब तक वोडाफोन आइडिया के शेयर में 21 फीसदी की गिरावट आई है। कंपनी के फंड जुटाने की पहल से सोमवार को इसके शेयरों में हलचल दिख सकती है।

ट्रेन में सफर के दौरान निर्धारित सीमा से ज्यादा लगेज मिला तो लगेगा जुर्माना, प्रतिबंधित सामान ले जाने पर हो सकती है कार्रवाई

नई दिल्ली। ट्रेन के डिब्बे में भी सामान ले जाने की एक सीमा है। इस सीमा का निर्धारण भार और आकार के आधार पर किया गया है। साथ ही हर श्रेणी में लगेज साथ ले जाने के लिए नियम भी अलग हैं। निर्धारत सीमा से ज्यादा सामान लेकर अगर कोई यात्री डिब्बे में चढ़ता है तो रेलवे उससे जुर्माना वूसलता है। अगर किसी के पास ज्यादा सामान है तो रेलवे उस सामान को ट्रेन के साथ ही लगने वाली लगेज वैन में रखने की भी सुविधा देता है। ट्रेन की टिकट बुक कराते समय ही लगेज भी बुक कराया जा सकता है। रेलवे स्टेशन पर स्थित पार्सल कार्यालय से टिकट बुक करने के बाद भी आप सामान लगेज वैन में रखने के लिए बुकिंग कर सकते हैं। ट्रेन की अलग-अलग श्रेणियों में यात्री 40 किलो से लेकर 70 किलो तक भारी सामान अपने साथ ट्रेन के डिब्बे में रख सकते हैं। स्लीपर क्लास में 40 किलोग्राम तक वजन अपने साथ ले जा सकते हैं। एसी टू टीयर में 50 किलो तक सामान ले जाने की छूट है। फर्स्ट क्लास एसी में 70 किलो तक सामान यात्री अपने साथ कोच में ले जा सकते हैं। इससे ज्यादा सामान पाए जाने पर जुर्माना वसूला जाता है। रेल में किसी भी तरह के ज्वलनशील और बदबूदार पदार्थों सहित कई तरह का सामान ले जाने पर प्रतिबंध है. आपत्तिजनक वस्तुएं, विस्फोटक, खतरनाक ज्वलनशील वस्तुएं, खाली गैस-सिलेंडर, मरी मुर्गियां, तेजाब आदि वस्तुएं प्रतिबंधित हैं। यदि कोई यात्री प्रतिबंधित वस्तुओं में किसी तरह की वस्तु यात्रा के दौरान साथ लेकर जा रहे हैं तो रेलवे एक्ट की धारा 164 के तहत उस यात्री पर कार्रवाई की जा सकती है।

विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने दिया इस्तीफा, श्रीनिवास पल्लिया बने नए कंपनी के नए सीईओ

नई दिल्ली। दिग्गज टेक कंपनी विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे ने अपना इस्तीफा दे दिया है। कंपनी की फाइलिंग में जानकारी मिली है कि 31 मई को थिएरी डेलापोर्टे को कंपनी से रिलीव कर दिया जाएगा। कंपनी ने थियरी के इस्तीफे के बाद तुरंत प्रभाव से श्रीनिवास पल्लिया को नया चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और मैनेजिंग डायरेक्टर के रूप में की नियुक्त कर दिया है। बता दें कि थिएरी ने का 5 साल का कार्यकाल जुलाई 2025 में खत्म होना था लेकिन उन्होंने पहले ही इस्तीफा दे दिया।

रिलायंस की मार्केट वैल्यू 38 हजार करोड़ से ज्यादा गिरी

एचडीएफसी की 76,880 करोड़ वैल्यू बढ़ी, पिछले हफ्ते शेयर मार्केट की टॉप-10 कंपनियों में 4 गेनर

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

शेयर बाजार में लिस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश की टॉप-10 में से 6 कंपनियों की कंबाइंड मार्केट-वैल्यू में पिछले हफ्ते 78,127.48 करोड़ की कमी आई है। इनमें देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 38,462.95 करोड़ गिरा है। कंपनी का मार्केट कैप अब 19.76 लाख करोड़ हो गया है। रिलायंस के अलावा, एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिसि, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप इस दौरान कम हुआ है। वहीं, एचडीएफसी बैंक पिछले हफ्ते मार्केट का टॉप गेनर रहा है। इसका मार्केट कैप 76,880.74 करोड़ बढ़ा है।

अब कंपनी का मार्केट कैप 11.77 लाख करोड़ रुपए है। इसके अलावा लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया की मार्केट वैल्यू 49,208.48 करोड़, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज की 34,733.64 करोड़ और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की 10,486.42 करोड़ बढ़ी है।

आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार में मामूली बढ़त रही

बीते हफ्ते आखिरी कारोबारी दिन (5 अप्रैल) को शेयर बाजार में मामूली बढ़त देखने को मिली थी। सेंसेक्स 20 अंक की बढ़त के साथ 74,248 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में कोई बढ़त या गिरावट नहीं रही। ये फ्लैट 22,513 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में गिरावट और 13 में तेजी देखने को मिली।

एक दिन पहले यानी 4 अप्रैल को शेयर बाजार ने ऑल टाइम हाई बनाया था। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 74,501 का और निफ्टी ने 22,619 का स्तर छुआ था। एचडीएफसी बैंक के शेयर में 3.15 प्रतिशत की तेजी रही थी।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है।

कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

अच्छी खबर: ईवी की ब्रिकी 41 प्रतिशत बढ़ी, 1.66 मिलियन ईवी की सेल दर्ज

मुंबई, 07 अप्रैल।
भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री इस साल 66 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राज्य की सब्सिडी और सहायक बुनियादी ढांचे के विकास के कारण ईवी की सेल में तेजी देखने को मिलेगी, इसी के साथ साल 2024 के आखिर तक ईवी कुल पीवी बाजार का लगभग 4 प्रतिशत हिस्सा होगा।

रिपोर्ट में अनुमान जाहिर किया गया हैं कि साल 2030 तक, ईवी भारत के निजी वाहन बाजार में लगभग एक तिहाई हिस्सेदारी बना लेगी। भारतीय ईवी सेक्टर ने वित्तीय वर्ष 2024 में ईवी के विभिन्न प्रकार के वाहनों में रिकॉर्ड बिक्री हुई। बिक्री में सालाना 41 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और 1.66 मिलियन ईवी की सेल दर्ज की गई। मार्च के महीने में 197,000 से अधिक इकाइयों की बिक्री के साथ एक नया रिकॉर्ड बना, ऐसा माना जा रहा है कि ये रिकॉर्ड सेल फेम सब्सिडी योजना से लाभ उठाने की भीड़ के कारण था, जो कि आंशिक रुप से समाप्त होने वाली है।

फेम को बदलने के लिए, मोदी सरकार ने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम 2024 शुरू की है, जिसमें इलेक्ट्रिक दो और तीन-पहिया वाहनों को अपनाने को प्रोत्साहित करने के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह योजना इस वर्ष अप्रैल से जुलाई के अंत तक वैध है। डेटा में कहा गया है कि अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक, भारत में 1,665,270 ईवी की खरीद देखी गई, हर दिन औसतन 4,562 ईवी की बिक्री हुई, जो पिछले वर्ष की 3,242 दैनिक बिक्री से एक महत्वपूर्ण उछाल है। भारतीय ईवी बाजार में टाटा मोटर्स टॉप पर हैं, जिनके पास 2023 में दो-तिहाई से अधिक बाजार हिस्सेदारी थी। इसके बाद महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) और बीवाईडी हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने अपनी प्रभावशाली ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्यूवी 400 के साथ पिछले साल लगभग 2,500 प्रतिशत की ईवी बिक्री वृद्धि दर्ज की। बीवाईडी ने अपने दो वाहनों ई6 एमपीवी और ऑटो 3 एसयूवी के साथ 2023 में 1500 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की। कारों के अलावा, साल-दर-साल 29 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सभी ईवी बिक्री में दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत रही, जबकि तिपहिया वाहनों में 57 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और बिक्री में 38 प्रतिशत की हिस्सेदारी रही।

98 प्रतिशत पायलटों ने नए अनुबंध पर किए हस्ताक्षर : कन्नन

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।
घरेलू विमानन कंपनी विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विनोद कन्नन ने कहा कि एयरलाइन को इस हफ्ते के अंत तक इस महीने के लिए परिचालन स्थिर होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि 98 फीसदी से ज्यादा पायलटों ने नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

एयरलाइन को पायलटों की कमी के कारण इस हफ्ते की शुरुआत में पूर्ण सेवा के संचालन में मुश्किलों का सामना करना पड़ा था और कई उड़ाने रद्द कर दी गईं थीं। कन्नन ने एक बयान में कहा कि पिछले तीन दिनों में स्थिति पहले से बेहतर हो गई है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि इस सप्ताह के अंत तक अप्रैल 2024 की शेष अवधि के लिए हमारा परिचालन स्थिर हो जाएगा।

पायलटों के लिए नए अनुबंध पर उन्होंने कहा कि कुछ पायलटों की चिंताएं हैं और अनुबंध को लेकर कुछ सवाल हैं। विस्तारा के सीईओ ने कहा कि एयरलाइन चिंताओं को हल करने के लिए उनके साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि 98 फीसदी से ज्यादा पायलटों ने नए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। विस्तारा के पास करीब 1,000 पायलट हैं।

सूत्रों ने पहले कहा था कि पायलटों के एक वर्ग ने नए अनुबंध के बारे में चिंता जताई है, जिसके चलते वेतन में संशोधन होगा। कन्नन ने कहा, हम अपने ग्राहकों को हुई असुविधा को स्वीकार करते हैं और इसके लिए उनसे माफी मांगते हैं। हम युद्ध स्तर पर इस मुद्दे को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने अपने बी787-9 ड्रीमलाइनर और ए321नियो विमान जैसे बड़े विमानों को चुनिंदा घरेलू मार्गों पर तैनात किया है। ताकि, जहां भी संभव हो, वहां अधिक ग्राहकों को समायोजित किया जा सके। इसके अलावा, हम रिफंड और मुआवजे की पेशकश करने के लिए पिछले हफ्ते में देरी और टिकट रद्द होने से प्रभावित सभी ग्राहकों तक पहुंच रहे हैं।

डिजिटलाइजेशन को लेकर यूएनजीए अध्यक्ष ने की भारत की तारीफ, कहा- तकनीक और निवेश देखकर हैरान हूं

न्यूयॉर्क, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।
भारत में तेजी से हो रहे डिजिटलाइजेशन का संयुक्त राष्ट्र सभा भी मुरीद हो गया है। भारत की तारीफ करते हुए संयुक्त राष्ट्र सभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा इससे भारत में वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही गरीबी को कम करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अन्य देशों को भी इससे देखना चाहिए। मेरा मानना है कि इसे वैश्विक समुदाय के साथ साझा किया जा सकता है।

भारत में डिजिटलाइजेशन का मुरीद हुआ संयुक्त राष्ट्र महासभा

भारत में डिजिटलाइजेशन का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि जब भी मैं भारत के बारे में सोचना हूं तो मुझे अतुल्य भारत याद आता है। जब मैं वहां था तब मैंने इसे देखा था। मैं उल्लेख कर सकता हूं कि भारत में डिजिटलाइजेशन का बेहतरीन इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि फ्रांसिस इस साल 22-26 जनवरी तक आधिकारिक यात्रा पर भारत में थे। इस दौरान उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की और जयपुर और मुंबई की यात्रा भी की थी। यात्रा के दौरान उन्होंने सरकारी अधिकारियों समेत लोगों से चर्चा की थी, जिसमें तकनीक और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे जैसा मुद्दा केंद्र में था। जिसके बाद से ही संयुक्त राष्ट्र के अध्यक्ष भारत के डिजिटलाइजेशन मॉडल के मुरीद हो गए। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि डिजिटलाइजेशन महत्वपूर्ण है, यह लागत को कम करता है और अर्थव्यवस्थाओं को ज्यादा कुशल बनाता है, चीजों को सस्ता बनाता है। उन्होंने डिजिटलाइजेशन का उदाहरण दिया जिससे भारतीय महिलाओं और किसानों को देशभर में और दूर-दराज के स्थानों में बातचीत करने, बैंकों से निपटने और अपने घरों, खेतों या क्षेत्रों को छोड़ने के बिना भुगतान करने में मदद मिली।

मैं भारत के डिजिटलाइजेशन को देख हैरान- डेनिस फ्रांसिस

डेनिस फ्रांसिस ने कहा कि यह सब भारत की अर्थव्यवस्था को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें भारत को स्पष्ट रूप से लाभ हुआ। फ्रांसिस ने यह भी बताया कि अपनी भारत यात्रा के दौरान वह देश की तकनीक और बुनियादी ढांचे के विकास में किए जा रहे निवेश से प्रभावित हुए।

एलेक्सा से बंदरों को भगाया, महिंद्रा ने जॉब ऑफर की

13 साल की बच्ची के लिए कहा- उसकी सोच एक्स्ट्राऑर्डिनरी, लीडरशिप के गुण

नई दिल्ली, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।
महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने 13 साल की बच्ची को नौकरी की पेशकश की है। इस बच्ची ने 'एलेक्सा' की मदद लेकर खुद को और अपनी भतीजी को बंदर के हमले से बचाया था। आनंद महिंद्रा ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट एक्स के जरिए बच्ची की क्विक थिंकिंग की सराहना करते हुए जॉब ऑफर की है।

महिंद्रा ने बच्ची की क्विक थिंकिंग की सराहना की

आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स पर लिखा, हमारे युग का पहला सवाल यही है कि क्या हम टेक्नोलॉजी के गुलाम हो जाते हैं या फिर उसका सही इस्तेमाल कर पाते हैं। इस बच्ची की कहानी एक सुकून देती है कि टेक्नोलॉजी हमेशा ह्यूमन टैलेंट को बढ़ावा देने वाली रहेगी। बच्ची की त्वरित सोच असाधारण थी। उसने दिखा दिया कि आज की अचानक बदलती हुई दुनिया में उसमें गजब की लीडरशिप क्षमता है। अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद यदि वह कॉरपोरेट वर्ल्ड में आना चाहती है तो मैं उम्मीद करता हूं कि में हम उसे हमारे साथ जुड़ने के लिए मना पाएंगे।

कमरे में घुस आए थे बंदर,

उत्तर प्रदेश के बस्ती में आवास विकास कॉलोनी में शिप्रा ओझा की छोटी बहन निकिता ने 15 महीने की भतीजी वमिका को बचाया था। निकिता और वामिका शुक्रवार को घर में सोफे पर खेल रही थीं। निकिता ने बताया, घर पर गेस्ट आए थे, जिनके जाने के बाद मेन गेट खुला छूट गया था। उसी समय बंदरों का झुंड अंदर घुस आया। मैंने बंदरों को भगाना चाहा, तो वो मेरी तरफ दौड़ पड़े। मैं वामिका की जान बचाने के लिए उसे लेकर चिल्लाते हुए भागी।

तभी मेरी नजर फ्रिज पर रखे एलेक्सा डिवाइस पर पड़ी। मैंने तुरंत कहा- एलेक्सा कुत्ते के भौंकने वाली आवाज निकालो। वॉइस कमांड पाते ही एलेक्सा कुत्ते की तरह तेज आवाज करने लगा। जिसे सुनकर बंदर डर गए और बालकनी से होते हुए छत की तरफ भाग गए। हम लोगों की जान बच गई।

एलेक्सा क्या है

एलेक्सा अमेजन का डिजिटल वॉइस असिस्टेंट है। एलेक्सा आपके सवालों के जवाब के अलावा स्मार्ट-होम कंट्रोल गैजेट्स को भी कंट्रोल करती है। जैसे दरवाजा बंद करने और कमरे की रोशनी कम करने जैसे काम हैं। इसके अलावा आप एलेक्सा को बोल कर अपना मन पसंद गाना, कविता या किसी जानवर की आवाज भी निकलवा सकते है।

फोल्डेबल ई-बाइक बनाने वाले स्टार्टअप में किया था निवेश

आनंद महिंद्रा नई सोच और इनोवेशन को काफी सपोर्ट करते हैं। उन्होंने बीते साल ने फोल्डेबल ई-बाइक बनाने वाले स्टार्टअप में निवेश किया। आनंद महिंद्रा ने बताया था कि उन्होंने ऑफिस परिसर में घूमने के लिए फोल्डेबल ई-बाइक हॉर्नबैक खरीदा है। साथ ही उन्होंने लिखा, फुल डिस्कोजर: मैंने स्टार्टअप में निवेश किया है।

टी20 विश्वकप से पहले फिटनेस हासिल करने सेना के साथ अभ्यास कर रही पाक टीम

प्रशंसकों ने पूछा विश्वकप खेलने जा रहे हैं या जंग लड़ने

लाहौर, 07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने टीम को फिट बनाने के लिए एक अजीबोगरीब कदम उठाया है। पीसीबी ने आगामी टी20 विश्वकप कप 2024 को देखते हुए अपनी टीम को फिटनेस हासिल करने के लिए सेना के साथ प्रशिक्षण लेने के लिए भेजा है। सेना के साथ खिलाड़ियों के अभ्यास का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें ये सभी खिलाड़ी अलग अलग टास्क को पूरा करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पाकिस्तान टीम का ट्रेनिंग कैंप काकूल में आर्मी स्कूल में दो सप्ताह के लिए लगा है। इसका कारण है कि पीसीबी टी20 विश्वकप से पहले अपने सभी खिलाड़ियों को फिट और उर्जावान रखना चाहती है जिससे खिलाड़ी आईसीसी के इस मेगा टूर्नामेंट में अपना सौ फीसदी दे सकें। पाकिस्तानी खिलाड़ी जिस तरह से अभ्यास कर रहे हैं। उससे ऐसा लग रहा है कि खिलाड़ियों को किसी जंग की तैयारी कराई जा रही है। वहीं लोग भी पाक खिलाड़ियों के इस खास प्रशिक्षण का मजाक उड़ाने में लगे हैं। पाक टीम के खिलाड़ियों का जो वीडियो वायरल हो रहा हैं उसमें वे स्नाइपर राइफल के साथ निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। कभी कमांडो की तरह वो रस्सी के साथ नीचे फिसलते हुए दिखाई दे रहे हैं तो कभी भारी भरकम पत्थर लेकर पहाड़ पर चढ़ रहे हैं। साथ ही साथ वह सैनिकों की तरह अपने कंधों पर साथियों को उठाकर दौड़ते हुए नजर आ रहे हैं। पाक खिलाड़ियों के इन वीडियों को देखकर एक व्यक्ति ने लिखा, ' ये विश्व कप खेलने जा रहे हैं या अमेरिका पर हमला करने।' दूसरे ने लिखा, ' प्रशिक्षण तो किसी और ही काम की लग रही है।' इससे पहले पाक क्रिकेट बोर्ड के नए चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इन क्रिकेटरों को आर्मी के साथ मार्च और अप्रैल में अभ्यास करने के निर्देश दिए थे। यह फिटनेस कैंप पाक खिलाड़ियों के लिए कितना फायदेमंद होता है ये, तो समय ही बताएगा पर इससे खिलाड़ियों के चोटिल होने की आशंका भी बढ़ गई है। पीसीबी के नए प्रमुख ने पीएसएल 2024 से पहले भी खिलाड़ियों को 10 दिन तक प्रशिक्षण देने को कहा था।

न्यूज ब्रीफ

कोलिन्स ने सकारी को हराया, कसात्किना के साथ होगी खिताबी टक्कर

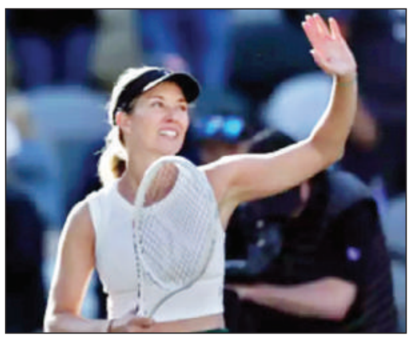

चार्ल्सटन । डेनिएल कोलिन्स का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और गैर वरीय अमेरिकी ने नंबर 3 सीड ग्रीक खिलाड़ी मारिया सकारी को 6-3, 6-3 से हराकर चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। 30 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने पिछले 11 मैच लगातार जीतकर सकारी के खिलाफ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने दूसरे मैच की शुरुआत से ही विजयी फॉर्म को बरकरार रखा और नंबर 3-वरीयता प्राप्त ग्रीक के खिलाफ शुरुआती ब्रेक की बढ़त हासिल की। हालाँकि सकारी पांचवें गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़कर बराबरी हासिल करने में सफल रही, लेकिन वह आक्रामकता और रक्षा का सही संतुलन नहीं बना पाई, और अमेरिकी खिलाड़ी से पिछड़ गई। दूसरा सेट भी पहले जैसा ही था, जिसमें घरेलू पसंदीदा कोलिन्स ने एक और शुरुआती बढ़त हासिल करने के लिए लगातार ताकत से गेंद पर प्रहार किया। सकारी ने सेट के बीच में ब्रेक पॉइंट की ओर बढ़त बनाई - लेकिन एक बार फिर, कोलिन्स को बड़ी सर्विस मिली जब यह सबसे ज्यादा मायने रखती थी। छठे गेम में मुश्किल जीत हासिल करने के बाद अमेरिकी खिलाड़ी ने कभी भी मैच में पीछे मुड़कर नहीं देखा। एक घंटे और 25 मिनट के बाद, कोलिन्स ने नंबर 4 वरीयता प्राप्त डारिया कसात्किना के साथ मुकाबला तय किया, जिसने दिन की शुरुआत में तीन सेटों के रोमांचक मुकाबले में जेसिका पेगुला पर जीत हासिल की।

शेल्टन और टियाफो ह्यूस्टन फाइनल में भिड़ेंगे

ह्यूस्टन । अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो ने अपने-अपने सेमीफाइनल में जीत हासिल कर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में आल-अमेरिकी फाइनल में जगह बनाई। नंबर 1 सीड शेल्टन ने नंबर 4 सीड टॉमस मार्टिन एटचेवरी पर 2 घंटे और 29 मिनट में 6-7(4-7), 6-4, 6-4 से तीन सेटों में जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ी अपनी बेहतरीन पहली सर्विस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वह शेल्टन ही थे जिन्होंने शनिवार की रात ब्रेक के मौकों का फायदा उठाया। सात एस लगाने और अपनी पहली सर्व में 84 फीसदी अंक जीतने के अलावा, वह एटचेवरी की सर्विस पर चार में से तीन ब्रेक पॉइंट को बदलने में सफल रहे। शनिवार की तीन सेट की जीत के साथ, शेल्टन इस साल बेस्ट-ऑफ़-3 प्रारूप में तीन-सेट मैचों में 7-2 से बेहतर हो गए हैं। शनिवार की जीत 21 वर्षीय अमेरिकी के लिए करियर में कुछ मील के पत्थर हैं - यह उनका दूसरा एटीपी टूर फाइनल है जिससे उनके करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 15 पर वापसी होगी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में टियाफो ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 7-6 (7-2) से हराया। यह जीत रिवर ओक्स में टियाफो की लगातार सातवीं जीत है, जहां अब उनका जीवनकाल रिकॉर्ड 10-4 (71 प्रतिशत) है। यह पहली बार है जब उन्होंने पिछले सितंबर 2023 यूएस ओपन के बाद से लगातार तीन मैच जीते हैं, जहां वह आर्थर ऐश स्टेडियम में फ्लड लाइट्स में चार सेट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन से हार गए थे।

मयंक को अभी टेस्ट में उतारना सही नहीं : वाटसन

कोलकाता । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन वाटसन के अनुसार युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने इंडियन

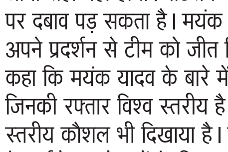

प्रीमियर लीग (आईपीएल) सत्र में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है पर अभी इस गेंदबाज को टेस्ट क्रिकेट में लाना सही नहीं होगा। वाटसन के अनुसार इससे मयंक पर दबाव पड़ सकता है। मयंक ने शुरुआती दो मैच में अपने प्रदर्शन से टीम को जीत दिलायी थी। वाटसन ने कहा कि मयंक यादव के बारे में काफी बातें हो रही है जिनकी रफ्तार विश्व स्तरीय है और उन्होंने विश्व स्तरीय कौशल भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों के खिलाफ प्रदर्शन करना और उन पर दबदबा बनाना बहुत अच्छा है पर अभी उसे टेस्ट में लाना जल्दबाजी होगी। वाटसन ने कहा कि निश्चित रूप से आप उसे टेस्ट क्रिकेट में शामिल करना चाहेंगे पर बतौर तेज गेंदबाज यह आपके शरीर पर कितना चुनौतीपूर्ण होगा, यह जानना और आपके शरीर को इसके अनुरूप ढालना तथा सपाट पिच पर एक टेस्ट मैच में एक दिन में इतनी रफ्तार से 15 से 20 ओवर डालने का दबाव झेलना होगा।

लखनऊ ने गुजरात को 33 रनों से हराया, लगाई जीत की हैट्रिक, यश ने झटके पांच विकेट

लखनऊ, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

आईपीएल 2024 के 21वें मुकाबले में लखनऊ सुपरजाएंट्स का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला गया। इस मुकाबले में लखनऊ ने गुजरात को 33 रनों से हराया और इस सीजन अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की, वहीं गुजरात को लगातार दूसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा।

लखनऊ सुपरजाएंट्स ने यश ठाकुर के पांच विकेट और क्रुणाल पांड्या के तीन विकेटों की मदद से गुजरात टाइटंस को 33 रनों से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। लखनऊ की गुजरात पर आईपीएल में यह पहली जीत है। लखनऊ के कप्तान केएल राहुल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और टीम ने मार्कस स्टोइनिस के 43 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 58 रन की पारी के दम पर 20 ओवर में पांच विकेट पर 163 रन बनाए थे। जवाब में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने गुजरात को अच्छी शुरुआत दिलाई थी और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 54 रन जोड़े थे, लेकिन शुभमन के आउट होने के बाद टीम की बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई और टीम 18.5 ओवर

में 130 रन पर ढेर हो गई। लखनऊ की टीम इस जीत के साथ अंक तालिका में छह अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गई है, जबकि गुजरात टाइटंस की टीम पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ चार अंक लेकर सातवें स्थान पर है।

गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज राहुल तेवतिया भी पवेलियन लौट गए हैं। तेवतिया 25 गेंदों पर 30 रन बनाकर नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। लखनऊ के लिए यश ठाकुर ने मैच का चौथा विकेट लिया। यश ठाकुर ने 19वें ओवर की 5वीं बॉल पर नूर अहमद को आउट करके अपनी टीम को 33 रन से जिता दिया है। इस लीग के इतिहास में लखनऊ ने गुजरात को पहली बार हराया है। यश ने मुकाबले में दो दफे एक ओवर में दो विकेट लिए। उन्होंने 19वें और 15वें ओवर में दो-दो विकेट चटकाए। यश ने कुल 5 विकेट हासिल किए। 16वें ओवर की आखिरी बॉल पर गुजरात ने आठवां विकेट गंवा दिया है। नवीन-उल-हक ने ओवर की आ-खिरी बॉल पर उमेश यादव को क्विंटन डी कॉक के हाथों कैच कराया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 102/8 रहा। 15वें ओवर में यश ठाकुर ने गुजरात को दो झटके दिए। उन्होंने राशिद खान (शून्य) को दीपक हुड्डा के हाथों कैच कराया। इसी ओवर में यश ने विजय शंकर (17 रन) को आउट किया। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 93/7 हो गया। 13वां ओवर लेकर आए क्रुणाल पंड्या ने गुजरात को 5वां झटका दिया। इस ओवर की पहली बॉल पर क्रुणाल ने दर्शन नालकंडे को यश ठाकुर के हाथों कैच कराया।दर्शन 12 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 26 रन बनाने में 5 विकेट गंवा दिए। गुजरात को पहला झटका 54 रन के स्कोर पर लगा था। जबकि 5वां विकेट 80 रन के स्कोर पर गिरा। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 82/5 रहा। गुजरात ने 61 रन के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिए हैं। टीम के टॉप-4 बैटर्स पवेलियन लौट चुके हैं। नौवां ओवर लेकर आए क्रुणाल पंड्या ने पहले साई सुदर्शन (31 रन) और बीआर शरथ (2 रन) को पवेलियन भेजा। इसी ओवर में तेज गेंदबाज मयंक यादव चोटिल हो गए हैं। वे साइड स्ट्रेन के कारण मैदान से बाहर चले गए। इस ओवर के बाद टीम का स्कोर 61/4 रहा। 8वें ओवर की दूसरी बॉल पर रवि बिश्नाई ने केन विलियमसन को कॉट एंड बोल्ड किया। उन्होंने अपनी दूसरी बॉल पर फॉलोथ्रू पर शानदार कैच पकड़ा। इस ओवर के बाद गुजरात का स्कोर 58/2 रहा। गिल का विकेट गिरने के बाद गुजरात ने केन विलियमसन को इम्पैक्ट प्लेयर बनाया। वे मोहित शर्मा की जगह मैदान पर उतरे। गुजरात ने पावरप्ले की आखिरी बॉल पर पहला विकेट गंवाया। यश ठाकुर ने छठे ओवर की आखिरी बॉल पर शुभमन गिल को बोल्ड कर दिया। यश ने 54 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप को ब्रेक किया। गिल 19 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले के बाद गुजरात का स्कोर 54/1 रहा। 5वां ओवर डालने आए एम सिद्धार्थ ने तीन नो-बॉल डाली, लेकिन बल्लेबाज फ्रीहिट से बाउंड्री नहीं निकाल सके।

आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा : टॉम मूडी

जयपुर, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

आईपीएल 2024 के अपने पांच मैचों में चार हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार से उनके विदेशी बल्लेबाजों की असफलता का पता चलता है, सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आरसीबी थिंक-टैंक से इस मोर्चे पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी विल जैक्स को प्लेइंग-11 में शामिल करने के बारे में विचार करने को कहा है।

आईपीएल 2024 में अब तक कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 109 रन बनाए हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने सिर्फ 32 रन बनाए हैं, जबकि नीलामी से पहले बड़े खिलाड़ी कैमरून ग्रीन ने 68 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर, जैक्स का पावरप्ले स्ट्राइक रेट 164.21 उन बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है, जिन्होंने टी20 में कम से कम 1,000 गेंदों का सामना किया है और बीच के ओवरों में उनका स्ट्राइक-रेट भी 146 है।

मूडी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के टी20 टाइम-आउट शो पर कहा, आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा। वे उन्हें कैसे फिट करते हैं, इस पर चर्चा होनी चाहिए। मैं उन्हें फाफ के स्थान पर आते हुए नहीं देख सकता। मेरे लिए, मैक्सवेल और ग्रीन दोनों दबाव में हैं।

इस साल फरवरी में जैक्स ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) मैच में चटगांव

चैलेंजर्स के खिलाफ कोमिला विक्टोरियंस को 239 रन बनाने में मदद करने के लिए 53 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। लेकिन बहुत देर होने से पहले अपने आईपीएल अभियान को पुनर्जीवित करने के लिए टीम की बढ़ती मांग के बीच, जैक्स आरसीबी प्लेइंग-11 में किसे प्रतिस्थापित करता है, यह एक बड़ा सवाल है।

आपकी टीम में संभावित संसाधन नहीं हो सकते हैं और आप ट्रिगर नहीं दबा सकते हैं, खासकर तब जब आप उस स्थिति में हों जिसमें आप अभी हैं। यदि आप अभी ऐसा नहीं करेंगे, तो कब करेंगे आपका सीजन पहले ही जा चुका है। मैं फाफ और विराट को ओपनिंग करने और विल जैक्स को नंबर 3 पर रखने का समर्थन करूंगा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु आईपीएल 2024 सीजन में मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी।

पहले पाकिस्तान से हुआ बेदखल, अब यूएई ने लगाया पांच साल का बैन, खतरे में पड़ा इस स्टार खिलाड़ी का क्रिकेट करियर

नई दिल्ली,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के उस्मान खान पर बोर्ड के प्रति दायित्वों का उल्लंघन करने के लिए पांच साल का प्रतिबंध लगा दिया है। उन्हें (इंटरनेशनल लीग टी20), अबू धाबी टी10 जैसे टूर्नामेंटों में भाग लेने से रोक दिया गया है। उस्मान खान को बोर्ड द्वारा स्वीकृत कोई अन्य टूर्नामेंट में हिस्सा लेने पर रोक लगा दी है। बोर्ड ने उस्मान पर यूएई टीम के लिए खेलने के अपने फैसले के बारे में अपने इरादों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया है। बोर्ड ने खुलासा किया कि उसने एक विस्तृत जांच की और निष्कर्ष निकाला कि उस्मान यूएई का प्रतिनिधित्व करने के लिए पात्रता मानदंड को पूरा करने में सफल नहीं हुए। अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने लगाया यह आरोप बोर्ड ने एक बयान में कहा, विस्तृत जांच के बाद, उस्मान को यूएई टीम के लिए खेलने के अपने फैसले के बारे में ईसीबी को गलत तरीके से प्रस्तुत करना पाया गया और उसने अन्य संभावनाओं की तलाश के लिए ईसीबी द्वारा प्रदान किए गए अवसरों और विकास का उपयोग किया और यह स्पष्ट था कि वह अब नहीं है। वह ईसीबी के लिए खेलना चाहता है और न ही पात्रता मानदंडों को पूरा करना चाहता है, जिसे पूरा करना उसका दायित्व है। पीएसएल में मचाया था धमाल बता दें कि उस्मान खान ने इस साल की शुरुआत में यूएई में एक स्थानीय खिलाड़ी के रूप में एक साल के लिए ईसीबी के साथ अनुबंध किया था। साथ ही वह ईसीबी द्वारा अयोजित अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 के दूसरे सीजन में हिस्सा लिया था। गौरतलब हो कि उस्मान ने हाल ही में मुल्तान सुल्तांस के लिए खेलते हुए पीएसएल में धमाल मचाया था।

टी20 विश्वकप में रोहित, विराट के पास नये रिकार्ड बनाने का अवसर

मुंबई,07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

टी20 विश्वकप में कई रिकार्ड अब भी कायम हैं। ऐसे में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और कप्तान रोहित शर्मा के पास इनको तोड़ने का अच्छा अवसर है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में संयुक्त रुप से होगा। ऐसे में विराट कोहली और रोहित शर्मा पर सभी की नजरें होंगी।

टी20 वर्ल्ड कप में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। कोहली ने 27 मैचों में सबसे ज्यादा 1141 रन बनाए हैं। इस लिस्ट में श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने 1016 दूसरे वहीं क्रिस गेल 965 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। इसमें रोहित ओर विराट के बीच मुकाबला है। रोहित ने 39 मैचों में 963 रन बनाए हैं। वह इस प्रकार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों में चौथे नंबर पर हैं।

टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक 10 बल्लेबाजों ने शतक लगाये हैं। वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम 2 शतक हैं। आगामी विश्व कप में कौन खिलाड़ी शतक जड़ता है या गेल को रिकॉर्ड कौन तोड़ता है, इसपर सबकी नजरें रहेंगी। विराट कोहली के नाम टी20

विश्व कप में सर्वाधिक बार 50 रन से ज्यादा का रिकॉर्ड है। कोहली ने 14 सबसे अधिक 14 अर्धशतक लगोय हैं जबकि रोहित शर्मा 9 अर्धशतक के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं। गेल 7 अर्धशतक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। विराट टी20 विश्व कप के एक सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने बांग्लादेश में आयोजित 2013-14 टी20 विश्व कप में 6 मैचों में 319 रन बनाए जो किसी एक सत्र का सर्वाधिक स्कोर है. दिलशान 317 रन के साथ दूसरे नंबर पर हैं। दिलशान ने 2009 टी20 विश्व कप में 7 मैचों में ये आंकड़ा हासिल किया था। बांग्लादेश के अनुभवी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में टॉप पर हैं। शाकिब ने 36 मैचों में 47 विकेट अपने नाम किए हैं। शाहिद अफरीदी 39 विकेट और लसिथ मलिंगा 38 विकेट के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले ही टेस्ट में फेल हुई भारतीय टीम, करारी शिकस्त का किया सामना

पर्थ, 07 अप्रैल (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम से उम्मीद थी कि वह ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम को कड़ी चुनौती देगी, लेकिन यहां पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मैच में ही टीम को 1-5 से करारी हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होने से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा।

भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में कुछ अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से टाम विकम (20वें, 38वें मिनट) ने दो गोल दागे, जबकि टिम ब्रांड (तीसरे), जोएल रिंटाला (37वें) और फ्लिन ओगिलवी (57वें) ने एक-एक गोल किया।

भारत के लिए एकमात्र गोल गुरजंत सिंह ने 47वें मिनट में किया।ऑस्ट्रेलिया की टीम ने खेल शुरू होते ही अपने इरादे जता दिए थे और उसने तीसरे मिनट में ही पहला गोल कर दिया। ब्रांड को लंबा पास मिला और उन्होंने भारत के अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश को छकाकर गोल दाग दिया। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद भी भारतीय रक्षा पंक्ति को दबाव में रखा। उसने आठवें मिनट में पहला पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन इस बार श्रीजेश ने अच्छा बचाव किया।

ऑस्ट्रेलिया को इसके एक मिनट बाद दूसरा पेनल्टी

कार्नर मिला, लेकिन इस बार भी श्रीजेश ने रिंटाला के शॉट को रोक दिया। भारतीय रक्षा पंक्ति की गलती के कारण ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर के पांचवें मिनट में अपनी बढ़त 2-0 कर दी और मध्यांतर तक इसे बरकरार रखा। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे हाफ में भी अपना आक्रामक रवैया जारी रखा।

तीसरे क्वार्टर के सातवें मिनट में रिंटाला ने काइ विलोट के रिवर्स हिट को डिफलेक्ट करके गोल किया। इसके तुरंत बाद विकम ने दाएं कार्नर से करारा शॉट लगाकर अपना दूसरा और ऑस्ट्रेलिया की ओर से चौथा गोल किया। चार गोल से पिछड़ने के बाद भारतीयों ने कुछ तत्परता दिखाई, लेकिन वह मौके बनाने में नाकाम रहे। तीसरे क्वार्टर में भारत दो बार गोल करने की स्थिति में पहुंचा था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर एंड्रयू चार्टर ने आसानी से उसके प्रयासों को विफल कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे क्वार्टर के शुरू में पेनल्टी कार्नर हासिल किया, लेकिन वह इसका लाभ नहीं उठा पाया। भारत में इसके तुरंत बाद जवाबी हमला किया और मोहम्मद रहील के पास पर गुरजंत गोल करने में सफल रहे। इसके बाद भारत ने कुछ अच्छे मूव बनाए लेकिन वह ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति में सेंध नहीं लगा सके। ऑस्ट्रेलिया ने खेल समाप्त होने से तीन मिनट पहले पेनल्टी कार्नर हासिल किया जिसे ओगिलवी ने गोल में बदला। इन दोनों टीम के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

पीएम ओर्बान के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, इस्तीफे की मांग, सरकार की नीतियों को लेकर विरोध प्रदर्शन

बुडापेस्ट, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

हंगरी के बुडापेस्ट शहर में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे, भीड़ का यह जमावड़ा प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान के प्रशासन के खिलाफ था। शनिवार को विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व सरकारी के पूर्व सहयोगी पीटर मग्यार ने किया। अप्रभावी राजनीतिक विरोध से निराश रूढ़िवादी और उदार हंगेरियाई लोगों को एक साथ लाने के उद्देश्य से पीटर मग्यार ने विशाल चौराहे पर मौजूद लोगों को संबोधित किया।

ओर्बान से इस्तीफे की मांग, हम डरे हुए नहीं के लगे नारे – अपने संबोधन में पीटर मग्यार ने कहा कि कदम दर कदम हम अपनी मातृभूमि वापस ले रहे हैं। एक नया देश, एक संप्रभु, आधुनिक और यूरोपीय हंगरी का निर्माण कर रहे हैं। इस दौरान भीड़ ने 'ओर्बान इस्तीफा दो और हम डरे हुए नहीं है' के जमकर नारे लगाएं। इस दौरान कई लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज हाथ में लिए हुए थे। फरवरी माह में मग्यार सरकार के करीबी बन गए और इस दौरान ओर्बान के प्रशासन के आंतरिक कामकाज के बारे में विवादास्पद टिप्पणी की। जिसके बाद से वो ओर्बान प्रशासन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं।

मग्यार की रिकॉर्डिंग में सामने आए थे अहम खुलासे – जनवरी 2023 की अपने पूर्व पत्नी वर्गा से की गई बातचीत की रिकॉर्डिंग को उन्होंने मार्च में पोस्ट की। जिसमें बताया कि कैसे ओर्बान के कैबिनेट प्रमुख एंटल रोगन के सहयोगियों ने न्याय मंत्रालय के पूर्व राज्य सचिव पाल वोल्नर से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में अभियोजन फाइलों के साथ छेड़छाड़ करने का कोशिश की। एक मीडिया रिपोर्ट में मुताबिक, वर्गा कहती है कि उन्होंने अभियोजकों को सुझाव दिया कि क्या हटाया जाना चाहिए।

ओर्बान के राजनीतिक चुनौती बनकर उभरे पीटर मग्यार–वर्गा के साथ मग्यार के तलाक और कई राज्य फर्मों में उनकी नौकरियां छूट जाने के कारण हंगरी की सरकार ने उन्हें एक अवसरवादी के तौर पर प्रचारित किया। हालांकि, जून में यूरोपीय विधायी चुनावों से पहले मग्यार की बढ़ती लोकप्रियता

ओर्बान के लिए एक राजनीतिक चुनौती बनती जा रही है। गौरतलब है कि फरवरी माह में एक दुष्कर्म कांड भी सामने आया था, जिसमें प्रधानमंत्री के दो मुख्य राजनीतिक समर्थकों, वर्गा और पूर्व राष्ट्रपति को पद से हटा दिया गया था।

न्यूज ब्रीफ

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की टिप्पणी से तिलमिलाया पाकिस्तान; संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में यह अनुमान

इस्लामाबाद। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बयान पर पाकिस्तान तिलमिला गया है। पाकिस्तान ने गीदड़ भभकी देते हुए शनिवार को कहा कि वह अपनी संप्रभुता की रक्षा करने के इरादे और क्षमता को लेकर दृढ़ है। सिंह ने एक दिन पहले कहा था कि अगर आतंकवादी देश में हमला कर पड़ोसी देश में भाग जाते हैं तो भारत पाकिस्तान में घुसने से नहीं हिचकेगा। यहां विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान ने हमेशा क्षेत्र में शांति के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है लेकिन शांति की उसकी इच्छा को गलत नहीं समझा जाना चाहिए। सिंह के बयान की आलोचना करते हुए बयान में कहा गया है कि चुनावी लाभ के लिए भारत की सत्तारूढ़ पार्टी गलत बयानबाजी कर रही है। ब्रिटिश अखबार द गार्जियन ने अपनी रिपोर्ट में लिखा था कि पाकिस्तान में भारत आतंकियों का खात्मा कर रहा है। इस बारे में जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से एक इंटरव्यू में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भारत घर में घुसकर मारेगा। मंत्रालय ने बयान में आगे कहा, पाकिस्तान के अंदर मनमाने ढंग से आतंकवादी कहे जाने वाले नागरिकों को मारने की तैयारी यह साफ–साफ दिखाता है कि भारत दोषी है और वह इसे मान रहा है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह भारत को उसके जघन्य और गैरकानूनी कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराए। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी की रिपोर्ट की मानें तो पाकिस्तान का कर अंतर सकल घरेलू उत्पाद का लगभग तीन प्रतिशत है। सकल घरेलू उत्पाद के 9 प्रतिशत के मौजूदा स्तर के मुकाबले 12 प्रतिशत से अधिक हो सकता है। वित्त वर्ष 2025 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 2.3 प्रतिशत तक जाने का अनुमान है। वहीं, मुद्रास्फीति गिरकर 12.2 प्रतिशत हो जाएगी।

नेपाल में राजनीतिक समूह और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प, छह लोग घायल

काठमांडू। काठमांडू के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस के लाठीचार्ज में दो पुलिसकर्मी और एनएलएम के चार कैडर घायल हो गए। सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान घटना स्थल से एनएलएम के 12 कैडरों को गिरफ्तार भी किया गया। नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित भद्रकाली में सिंहदरबार सचिवालय के सामने राजेंद्र महतो के नेतृत्व वाले रराष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि इस विवाद में दो पुलिसकर्मियों सहित कम से कम छह लोग घायल हो गए। काठमांडू के प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस के लाठीचार्ज में दो पुलिसकर्मी और एनएलएम के चार कैडर घायल हो गए। सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान घटना स्थल से एनएलएम के 12 कैडरों को गिरफ्तार भी किया गया। नेपाल पुलिस के प्रवक्ता नबराज अधिकारी ने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र में घुसने की कोशिश की तो पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा।

ब्रिटिश भारतीयों ने 70 के दशक में किया नस्लीय हमलों का सामना, वृत्तचित्र के प्रदर्शन से सामने आई सच्चाई

लंदन। ब्रिटेन के एक नए वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री) में 1970 से 1980 के दशक में ब्रिटिश भारतीयों को नस्ली हमलों का सामना करते दिखाया गया है। इसे लेकर लोगों में उस दौर की कटु सच्चाई सामने लाई गई है। इस फिल्म को लेकर लोग काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। वृत्तचित्र में आत्मरक्षा के लिए कारों में हॉकी स्टिक ले जाने और पेट्रोल बम जमा करने के वृत्तांतों का भी जिक्र किया गया है। इस वृत्तिचित्र को चैनल–4 पर तीन हिस्सों में प्रसारित किया गया, जिसे देखकर कई भारतवंशियों ने पूर्वजों के साथ हुए बर्ताव पर नाराजगी जाहिर की। वृत्तचित्र श्रृंखला को 'डिफियेंस: फाइटिंग द फार राइट' शीर्षक देकर प्रसारित किया गया। इसमें 1976 से 1981 के बीच बर्बर नस्ली हमलों और हत्याओं की सिलसिलेवार घटनाओं के खिलाफ दक्षिण एशियाई समुदाय के संघर्ष को दिखाया गया है। वृत्तचित्र में अर्काइव फुटेज व प्रत्यक्ष प्रमाणों के साथ यह बताने का प्रयास किया गया है कि ब्रिटिश–भारतीयों ने किस तरह नेशनल फ्रंट जैसे समूहों के नस्लवादी हमलों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इसका निर्देशन ब्रिटिश–पंजाबी राजेश थिंड ने किया है। वृत्तचित्र के निर्देशक राजेश थिंड पश्चिम लंदन में नस्ली हमलों और हत्याओं के दौर में बड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, लुधियाना में जन्मे मेरे पिता हमेशा अपनी कार की बूट में हॉकी स्टिक लेकर चलते थे और नस्ली व फासीवादी गुटों से संघर्ष करते थे।

चीन के खिलाफ एयूकेयूएस में जुड़ेगा जापान

अमेरिका–ब्रिटेन के साथ हाइपरसोनिक पर काम करेगा, चीन ने बताया खतरनाक संगठन

वाशिंगटन, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया की सदस्यता वाले संगठन एयूकेयूएस में जल्द ही जापान की एंट्री हो सकती है। चीन का मुकाबला करने के लिए तीनों देश जल्द ही बातचीत शुरू करेंगे, जिससे जापान के सदस्य बनने का रास्ता खुल सके। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के हवाले से इसकी जानकारी दी।

रिपोर्ट के मुताबिक, जापान को संगठन के पिलर 2 का हिस्सा बनाया जाएगा। संधि के तहत, सदस्य देश साथ मिलकर, क्वांटम कम्प्यूटिंग, हाइपरसोनिक,एआई और साइबर तकनीकों पर काम करेंगे। जापान एयूकेयूएस के पहले पिलर का हिस्सा नहीं होगा, जिसका फोकस इस वक्त ऑस्ट्रेलिया को न्यूक्लियर पावर वाली सबमरीन देना है।

अमेरिका बोला– चीन को रोकने में काम आएगा पनडुब्बी प्रोजेक्ट – अमेरिका के उप विदेश मंत्री कर्ट कैम्बेल ने बुधवार को कहा, 'एयूकेयूएस का पनडुब्बी प्रोजेक्ट ताइवान के खिलाफ चीन के किसी भी कदम को रोकने में मददगार रहेगा। हम अगले हफ्ते संगठन से जुड़ी अहम घोषणा कर सकते हैं।' रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को सदस्य देशों के रक्षा मंत्री जापान को संगठन में शामिल होने से जुड़ी घोषणा कर सकते हैं।

इसके अलावा, जापान में मौजूद अमेरिका के राजदूत राह्म इमैनुअल ने भी कुछ दिन पहले कहा था कि जापान पिलर 2 का पहला पार्टनर बनने जा रहा है। अब उनके बयान को जापान के एयूकेयूएस में शामिल होने से जोड़कर देखा जा रहा है।

अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया मिलकर बनाएंगे परमाणु पनडुब्बी– पिछले साल कैलिफोर्निया में हुई एयूकेयूएस की मीटिंग में 2030 तक ऑस्ट्रेलिया को न्यूक्लियर पावर वाली सबमरीन देने की डील की गई थी। प्रोजेक्ट के तहत ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया मिलकर 8 एसएसएन–एयूकेयूएस सबमरीन बनाएंगे, जिसमें अमेरिकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा। एयूकेयूएस की डील के मुताबिक, अमेरिका ऑस्ट्रेलिया को 3 स्र वर्जीनिया क्लास न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन देगा। वहीं, जरूरत पड़ने पर उसे 2 और सबमरीन भी सप्लाई की जाएंगी। वहीं चीन ने हमेशा से ही एयूकेयूएस को वैश्विक शांति के लिए खतरनाक बताया है। बता दें कि 1950 के बाद ये पहला मौका था जब अमेरिका अपनी न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी को किसी और देश के साथ साझा करने के लिए तैयार हुआ था।

क्या है एयूकेयूएस – सितंबर 2021 में बना एयूकेयूएस ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच नया रक्षा समूह है, जो इंडो–पैसेफिक क्षेत्र पर केंद्रित है। इस गठबंधन (एयूकेयूएस) से हिंद–प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को कंट्रोल किया जा सकेगा।

इस संगठन की वर्किंग को 2 पिलर में बांटा गया था। पहले पिलर का मकसद परमाणु पनडुब्बी की टेक्नोलॉजी साझा करना है। वहीं दूसरे पिलर का मकसद हाइपरसोनिक और एआई जैसी एडवांस्ड तकनीक पर मिलकर काम करना।

2021 में कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि एयूकेयूएस के जरिए भारत के लिए परमाणु सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे। लेकिन अमेरिका ने साफ कर दिया था कि वह एयूकेयूएस में भारत को शामिल नहीं करेगा।

क्वॉड से कितना अलग है एयूकेयूएस– क्वॉड देशों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और भारत शामिल हैं। ये चारों मिलकर बहुपक्षीय बातचीत करते हैं। इसमें हाई टेक्नोलॉजी या कोई बड़ी डील नहीं होती है। वहीं क्वॉड से अलग हटकर ऑस्ट्रेलिया के साथ एयूकेयूएस समझौता एक नए मिलिट्री अलायंस की शुरुआत है। इस तरह का मिलिट्री अलायंस करने में भारत में एक तरह की हिचकिचाहट है, क्योंकि वो अमेरिका के साथ–साथ रूस और ईरान से भी संबंध रखना चाहता है।

देश की खातिर किसी से भी बात करने को तैयार इमरान खान, कहा- पीटीआई के कई नेता संस्थानों के संपर्क में

इस्लामाबाद, 06 अप्रैल।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि उनकी पार्टी के कुछ नेता शक्तिशाली संस्थानों के संपर्क में हैं। साथ ही उन्होंने अपनी पार्टी पर कार्रवाई के बीच किसी के साथ भी बातचीत करने की इच्छा जताई है। खान ने शनिवार को अल–कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले की सुनवाई के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह देश की खातिर किसी के भी साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं।

देश एक कठिन समय से गुजर रहा

पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक ने कहा कि अगर वह पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा के साथ बातचीत कर सकते हैं, तो वह किसी से भी मिल सकते हैं क्योंकि देश एक कठिन समय से गुजर रहा है। बता दें, खान ने बाजवा पर अप्रैल 2022 में अपनी सरकार के पतन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप लगाया था।

पीटीआई के जनादेश को चुराया

खान ने कहा कि पीटीआई के कुछ नेता बातचीत के लिए अब भी शक्तिशाली संस्थान के संपर्क में हैं। हालांकि इस बारे में विस्तार से नहीं बताया। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीटीआई के जनादेश को चुरा लिया गया है और पार्टी को अपने हाथ में लेने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कम से कम चार मामलों में दोषी हैं इमरान खान

शक्तिशाली सेना के साथ मतभेद करने के बाद से खान की पार्टी को कार्रवाई का सामना करना पड़ रहा है। पिछले साल खान की गिरफ्तारी के बाद नौ मई को भड़की हिंसा के मद्देनजर पार्टी के नेताओं को गिरफ्तारियों का सामना करना पड़ा। अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव आने के बाद सत्ता से हटने के बाद से, क्रिकेटर से राजनेता बने खान को कम से कम चार मामलों में दोषी ठहराया गया है।

इसलिए खान ने कहा कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी को कथित तौर पर उन पर दबाव बनाने के लिए निशाना बनाया जा रहा है और जो लोग उन पर अंगुली उठा रहे हैं, वे पार्टी को 'खत्म' करने के प्रयास के तहत ऐसा कर रहे हैं। खान ने कहा कि उन्होंने सेना के साथ कभी टकराव नहीं किया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व सेना प्रमुख ने उनकी पीठ में छुरा घोंपा, लेकिन उन्होंने संयम बरता।

जीवाश्म ईंधन सब्सिडी के खिलाफ ग्रेटा थनबर्ग का प्रदर्शन, पुलिस ने लिया हिरासत में

द हेग, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

जीवाश्म ईंधन सब्सिडी के विरोध में नीदरलैंड में एक प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को दो बार हिरासत में लिया था। शनिवार को ग्रेटा थनबर्ग के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन के दौरान प्रमुख सड़कों को अवरुद्ध किया गया था, जिसके चलते पुलिस ने उन पर कार्रवाई की थी।

तकरीबन 400 लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

पुलिस द्वारा जारी बयान के मुताबिक, शनिवार को प्रदर्शन के दौरान 400 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया था, जिनमें 12 लोगों को उकसाने के आरोप में बंदी बनाया गया है। हालांकि पर्यावरण कार्यकर्ता को ग्रेटा थनबर्ग को बाद में रिहा कर दिया गया था। नीदरलैंड के हेग शहर की ओर जाने वाले प्रमुख सड़क को बाधित करने की कोशिश करने वाले लोगों में 21 वर्षीय स्वीडिश कार्यकर्ता को पहले ही स्थानीय पुलिस ने हिरासत में ले लिया था, हालांकि थोड़े समय बाद उन्हें भी रिहा कर दिया गया।

प्रदर्शन के दौरान दो बार हिरासत में लिया गया ग्रेटा थनबर्ग को

प्रदर्शन के दौरान पहली बार हिरासत में लिए जाने कुछ समय बाद थनबर्ग को छोड़ दिया था। बाद में फिर से वह अपने सहयोगियों के साथ प्रदर्शन में शामिल हो गए। इस दौरान रेलवे स्टेशन की ओर जाने वाली एक अन्य सड़क को बाधित किया गया। जिसके बाद पुलिस ने फिर से ग्रेटा थनबर्ग को हिरासत में ले लिया, उन्हे पुलिस बैन ले जाया गया।

जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को लेकर सड़क पर प्रदर्शन

गौरतलब है कि पर्यावरण समूह एक्सआर ने जून में जीवाश्म ईंधन सब्सिडी के संबंध में एक चर्चा से पहले डच सरकार पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस दौरान प्रदर्शनकारियों को पुलिस कर्मियों ने मोटरवे में प्रवेश करने से रोका, साथ ही चेतावनी दी थी कि अगर वो ऐसा करते है तो मजबूरन उन पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। जिसके जिम्मेदार वे खुद होंगे।

हिंदू मंदिर में मनाया गया 'ओमसिय्यत', अलग–अलग धर्मों के 200 से ज्यादा मंत्री प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में हुए शामिल

अबू धाबी, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में बना पहला बीएपीएस हिंदू मंदिर आए दिन सुर्खियों में रहता है। जहां एक महीने के अंदर लाखों संख्या में दर्शन करने के लिए श्रद्धालु पहुंचे। वहीं, अब यहां रमजान के पाक महीने को लेकर एक अंतरधार्मिक सांस्कृतिक संध्या की मेजबानी की गई। ओम्सिय्यत नामक इस कार्यक्रम में न सिर्फ मुस्लमान बल्कि अलग–अलग धर्मों के 200 से अधिक लोग शामिल हुए।

यह बड़ी हस्तियां शामिल – ओम्सिय्यत में बीएपीएस मंदिर में स्वामी ब्रह्मविहरिदास के साथ सहिष्णुता और सह–अस्तित्व मामलों के मंत्री शेख नाह्यान बिन मुबारक अल नाह्यान दिखाई दिए। इसके अलावा, विदेश व्यापार राज्य मंत्री डॉ थानी बिन अहमद अल जेयौदी, और सामुदायिक विकास विभाग के अध्यक्ष डॉ मुगीर खामिस अल खैली सहित कई प्रमुख हस्तियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस दिन हुआ था आयोजित– कार्यक्रम दो अप्रैल को आयोजित हुआ था। इसमें स्थानीय धार्मिक समुदायों के नेता भी उपस्थित हुए। अब्राहमिक फैमिली हाउस के रब्बी जेफ बर्जर, रब्बी लेवी दुचमैन, चर्च ऑफ साउथ इंडिया पैरिश के फादर लालजी और बाह आई समुदाय के नेता उपस्थित थे।

विविधता में एकता केवल एक सिद्धांत नहीं...– अब्राहमिक फैमिली हाउस के रब्बी जेफ बर्जर ने कहा, 'विविधता में एकता केवल एक सिद्धांत नहीं है बल्कि यह एक अभ्यास है। इसे आज रात यहां स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया गया है। यह कार्यक्रम समझ और सम्मान की दिशा में हमारी साझा यात्रा का प्रतीक है।'

मंदिर लोगों में आशा लाता है– जबकि शेख नाह्यान ने बीएपीएस हिंदू मंदिर के प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, 'जब दुनिया अलगाववाद, अविश्वास, असहिष्णुता और संघर्षों से खतरे में हैं, तब यह मंदिर लोगों में आशा लाता है। मैं इस अंतरधार्मिक कार्यक्रम के लिए बीएपीएस हिंदू मंदिर की सराहना करता हूं। सभी मानव जाति की भलाई के लिए सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रेखाओं में एक साथ काम करने का हिंदू मंदिर का मजबूत संकल्प वास्तव में सराहनीय है।' संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में बने पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर के प्रमुख स्वामी ब्रह्मविहरिदास ने सभी मेहमानों का आभार जताया। कार्यक्रम का समापन शाकाहारी 'सुहूर' के साथ हुआ, जिसमें मंदिर के स्वयंसेवकों द्वारा बनाए गए अरबी और भारतीय भोजन शामिल थे।

ऑस्ट्रेलिया, जापान और फिलीपीन का पनडुब्बी-रोधी युद्ध प्रशिक्षण, चीनी आक्रामकता के खिलाफ सैन्याभ्यास

मनीला, 07 अप्रैल (एजेंसियां)।

चीन की आक्रामकता को देखते हुए अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपीन ने दक्षिण चीन सागर में पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रशिक्षण फैसला किया है। इसके तहत रविवार को क्षेत्र में सभी देश अपना पहला साझा नौसैन्य अभ्यास आयोजित करने जा रहे हैं। यह अभ्यास चीन के क्षेत्रीय दावों पर जोर देने की आक्रामक कार्रवाईयों से पैदा चिंताओं के बीच हो रहा है।

ऐतिहासिक आधार पर चीन के व्यापक दावों को अमान्य कर दिया था

एक साझा बयान में कहा कि चारों संधि सहयोगी देश और सुरक्षा साझेदार हिंद–प्रशांत क्षेत्र की नींव है और नौवहन की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए यह अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने साझा बयान में चीन का नाम नहीं लिया लेकिन चारों देशों ने अपने रुख की पुष्टि की कि 2016 का अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसला, जिसने ऐतिहासिक आधार पर चीन के व्यापक दावों को अमान्य कर दिया था, अंतिम और कानूनी रूप से बाध्यकारी है। जबकि चीन ने मध्यस्थता में भाग लेने से इन्कार करते हुए इस फैसले को खारिज कर दिया है और लगातार इसकी अव्हेलना कर रहा है। एजेंसी

फिलीपीनी समुद्र में हमले

फिलीपीन ने शनिवार को कहा कि सैन्याभ्यास से ठीक पहले चीन के दो तटरक्षक जहाजों ने दक्षिण चीन सागर में मनीला के विशेष आर्थिक क्षेत्र के भीतर मछली पकड़ने वाली नौकाओं पर हमले किए।

फिलीपीनी प्रवक्ता जे तारिएला ने बताया कि इरोक्काइस रीफ में तटरक्षक जहाज ने अपनी पानी के तोपों को तैनात करने के साथ फिलिपिन के मछुआरों को पहले धमकाया और फिर उनकी नौकाओं पर पानी की तेज बौछारें छोड़कर हमले किए।

रराष्ट्रीय संप्रभुता का सम्मान जरूरी

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा, रराष्ट्रीय संप्रभुता के लिए सम्मान और सहमति जरूरी है। यह हमारे क्षेत्र की स्थिरता को रेखांकित करते हैं। बता दें, तनावपूर्ण समुद्री गतिरोध के बाद फिलीपीन 2013 में चीन से अपने विवादों को वैश्विक मध्यस्थता में ले आया, जिस पर चीन आपत्ति जताता रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रतिबद्धता आवश्यक

जापान ने मनीला में अपने दूतावास में कहा कि वह दक्षिण चीन सागर अभ्यास के लिए अपने विध्वंसक जेएस अकेबोनो को तैनात करेगा, जिसमें पनडुब्बी रोधी युद्ध प्रशिक्षण और अन्य सैन्य युद्धाभ्यास शामिल होंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने एक अलग बयान में कहा कि अभ्यास अंतरराष्ट्रीय कानून को सुनिश्चित करने के लिए हमारी साझा प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

चीनी जहाज मछुआरों को मछली पकड़ने से भी रोकते

फिलीपीन के जल क्षेत्र में चीन के जहाज लगातार आक्रामकता दिखाते रहे हैं। एक वर्ष में करीब पांच अहम मौकों पर चीन के जहाजों ने फिलीपीन क्षेत्र में उसके पोतों पर पानी की बौछारों से हमले किए हैं। चीनी जहाज यहां मछुआरों को मछली पकड़ने से भी रोकते रहे हैं। इसे लेकर दोनों देशों में काफी विवाद रहा है।

आज साल का पहला सूर्य ग्रहण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य ग्रहण को शुभ घटना नहीं माना जाता है। 2024 में दो सूर्य ग्रहण लगेंगे, जिनमें से पहला सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल 2024 को और दूसरा सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर 2024 को लगेगा। ऐसे में आइए, जानते हैं कि यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई देगा या नहीं। साथ ही इस दिन का सूतक काल क्या है और किन नियमों का पालन करना चाहिए।

सूर्य ग्रहण की अवधि

भारतीय समय के मुताबिक, सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल की रात 9.12 बजे शुरू होगा और 1.20 बजे खत्म होगा। इस सूर्य ग्रहण की अवधि 4 घंटे 25 मिनट होगी। हालांकि, यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए भारत में सूतक काल भी मान्य नहीं होगा। नकारात्मक परिणामों से बचने के लिए कुछ सावधानियां जरूर बरतें।

इन देशों में दिखाई देगा ग्रहण

सूर्य ग्रहण भारत समेत पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल आदि देशों में भी दिखाई नहीं देगा। लेकिन यह मुख्य रूप से कनाडा, मैक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका, प्रशांत अटलांटिक और आर्कटिक में दिखाई देगा।

ग्रहण के समय इन बातों का रखें ध्यान

सूर्य ग्रहण के दौरान घर से बाहर निकलना अच्छा शगुन नहीं माना जाता है।

खासकर ग्रहण के दौरान गर्भवती महिलाओं को घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए।

सूर्य ग्रहण को बिना किसी उपकरण के सीधे आंखों से नहीं देखना चाहिए।

ग्रहण के दौरान सुई-धागे से जुड़ा कोई भी काम नहीं करना चाहिए।

ग्रहण के दौरान मंदिर में रखी मूर्ति को छूना या पूजा करना भी अपशकुन माना जाता है। इसी वजह से ग्रहण के दौरान कई मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिए जाते हैं।

कालसर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए
सोमवती अमावस्या पर करें ये खास उपाय

सनातन धर्म में अमावस्या तिथि बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है।वहीं, जो अमावस्या सोमवार को पड़ती है, उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। अमावस्या का दिन पितरों की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है। अप्रैल माह में सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल 2024 सोमवार को पड़ रही है। मान्यता है कि इस दौरान पितरों का तर्पण करने से उन्हें बैकुंठ धाम में स्थान मिलता है। ज्योतिष शास्त्र में इस दिन को लेकर कई नियम और उपाय बताए गए हैं, जिन्हें हमें जरूर अपनाना चाहिए।

सोमवती अमावस्या तिथि और मुहूर्त

इस बार चैत्र मास की अमावस्या तिथि 8 अप्रैल 2024 दिन सोमवार को सुबह 3 बजकर 21 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन इसी दिन 8 अप्रैल 2024 को रात 11 बजकर 50 मिनट पर होगा। पंचांग के अनुसार, सोमवती अमावस्या 8 अप्रैल को ही मनाई जाएगी।

सोमवती अमावस्या पर करें ये उपाय

कारोबार से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए सोमवती अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीपक जलाएं। इसके बाद वहीं बैठकर भगवान विष्णु का ध्यान करें और उनके मंत्र ओम नमो भगवते नारायणाय का 108 बार जाप करें।

सोमवती अमावस्या के दिन चावलों को पकाकर उसमें चीनी मिलाएं। इसके बाद इसे गाय को खिला दें और गौ माता के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लें। इस उपाय को करने से आपको मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

जिन लोगों की कुंडली में काल सर्प दोष है, उन्हें सोमवती अमावस्या के दिन चांदी के नाग-नागिन की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इसके बाद इन्हें शिवलिंग पर अर्पित करना चाहिए।

पैसों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अमावस्या तिथि के दिन आटे की गोलियां बनाकर किसी तालाब या नदी में जहां मछलियां हो वहां डालें। इससे धन संबंधी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

घर में लगाएं इन पक्षियों की तस्वीर पलट जाएगी आपकी किस्मत

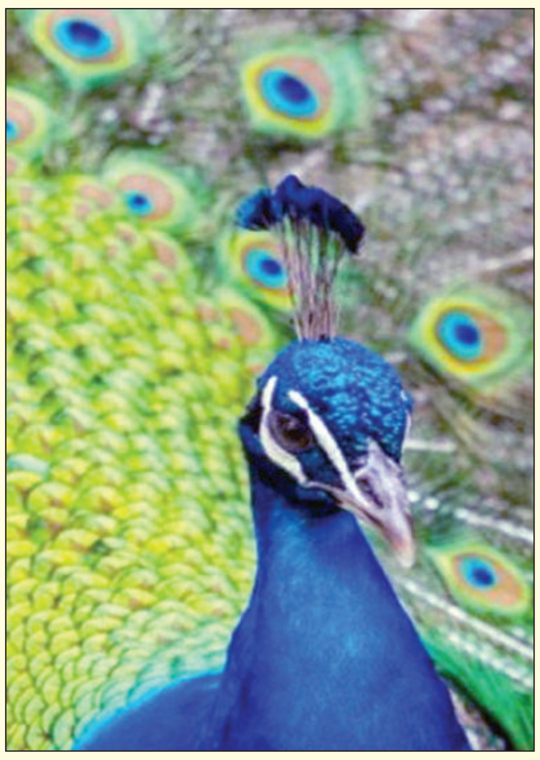

वास्तु शास्त्र में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं, जो आपकी किस्मत बदल सकती हैं। ऐसे में अगर आप ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में इन पक्षियों की तस्वीरें लगाएं, तो जीवन में सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। आज हम आपको बताएंगे कि वास्तु के अनुसार, घर में कौन-सी तस्वीर लगाना बेहद शुभ होता है।

हंस

हंस एक बहुत ही सुंदर पक्षी होता है, वास्तुशास्त्र में इसे उतना ही शुभ माना जाता है। ऐसे में अपने घर में हंस की तस्वीर लगाने से आपके भाग्य में वृद्धि होती है। वास्तु शास्त्र में हंस की तस्वीर दक्षिण-पूर्वी दिशा यानी आग्नेय कोण में लगानी चाहिए। यह सबसे अच्छा माना जाता है। इससे घर में सकारात्मकता बनी रहती है और आर्थिक तंगी भी दूर हो जाती है।

मोर

धार्मिक महत्व के अलावा वास्तु शास्त्र में भी मोर को विशेष महत्व दिया गया है। मोर की खूबसूरती बेहद आकर्षक होती है। ऐसे में अगर आप मोर की तस्वीर अपने घर में लगाते हैं, तो इससे सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। मोर को सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। इतना ही नहीं, घर में मोर की तस्वीर लगाने से वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। वास्तु के अनुसार घर की पूर्वी दीवार पर मोर की तस्वीर लगानी चाहिए।

नीलकंठ

यदि आप वास्तु के हिसाब से घर में नीलकंठ की तस्वीर लगाते हैं, तो आपको कई सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने लगते हैं।

वास्तु के अनुसार, नीलकंठ की तस्वीर लगाने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण सर्वोत्तम माना जाता है। इससे घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहती है और पैसों की कमी नहीं होती।

अप्रैल माह का दूसरा सप्ताह इन राशियों के लिए रहेगा शानदार, परेशानियों का होगा अंत, पढ़ें साप्ताहिक राशिफल

मेष राशि– इस सप्ताह मन के अनुसार काम नहीं कर पाएंगे। खर्चे बने रहेंगे। बुधवार से स्थिति में सुधार होगा। गुरुवार को भागदौड़ अधिक रहेगी। शुक्रवार का दिन सामान्य रहेगा। शनिवार व रविवार को मनचाहे कार्य बन सकते हैं।

वृषभ राशि – इस हफ्ते धार्मिक यात्रा का योग बनेगा। बुधवार को परिश्रम ज्यादा रहेगी। गुरुवार से धन की आवक में सुधार भी होगा। शुक्रवार सबसे बेहतरीन दिन व्यतीत होगा। जीवनसाथी से सहयोग की प्राप्ति होगी। शनिवार अनुकूल रहेगा। संपत्ति से जुड़ा विवाद सुलझ जाएगा।

मिथुन राशि– इस सप्ताह आय अच्छी बनी रहेगी। सहयोग भी मिलेगा। गुरुवार से खर्चें बढ़ सकते है। शुक्रवार और शनिवार व्यस्त रहेगा। रविवार को शुभता में वृद्धि होगी।

कर्क राशि– यह सप्ताह आनंददायक बना रहेगा। काम में गति बनी रहेगी। भाग्य अनुकूल रहेगा और परिजनों से सहयोग मिलेगा। गुरुवार को धन की आवक अच्छी रहेगी। शनिवार को इनकम के मामलों में सबसे अच्छा दिन रहेगा।

सिंह राशि– सोमवार को कार्य की अधिकता रहेगी और इनकम भी बनी रहेगी। बुधवार को अनावश्यक परेशानी समाप्त होगी। योजना सफल होगी। शुक्रवार को काम की अधिकता रहेगी और लाभ प्राप्त होगा। स्थितियां पक्ष में रहेगी। पर्यटन स्थान पर जाने का मौका मिलेगा।

कन्या राशि– हफ्ते की शुरुआत प्रसन्नता के साथ होगी। धन के साथ समृद्धि की प्राप्ति होगी। बुधवार को योजनाएं सफल हो सकती हैं। गुरुवार को थोड़ा परेशान करने वाला दिन रहेगा। शनिवार से स्थिति अनुकूल हो जाएगी।

तुला राशि – सोमवार और मंगलवार को गुप्त शत्रु हावी होने का प्रयास करेंगे। गुरुवार और शुक्रवार को टेंशन बढ़ सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। बेवजह के खर्चें हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि– इस हफ्ते ऊर्जा अधिक रहेगी। गुस्सा हावी हो सकता है। बुधवार को ज्यादा सक्रिय रहेंगे। कोई भी बड़ा फैसला इस सप्ताह ना लें। नुकसान हो सकता है। शुक्रवार को धन के मामले में सुधार रहेगा। किसी पुराने परिचित से रविवार को मुलाकात हो सकती है।

धनु राशि– सोमवार और मंगलवार को आर्थिक स्थिति को लेकर चिंता चताएगी। बुधवार का दिन खुशियां लेकर आएगा। दिन बेहतर व्यतीत होगा। गुरुवार को यात्रा का योग है। शनिवार को तनाव महसूस कर सकते हैं।

मकर राशि – इस हफ्ते पराक्रम उच्च रहेगा। पैसे की आवक बनी रहेगी। काम में सुधार होगा। बुधवार को आर्थिक लाभ का योग है। काम के चलते शहर से बाहर जाना पड़ सकता है। ऑफिस में प्रसन्नसा की प्राप्ति होगी।

कुंभ राशि – सोमवार और मंगलवार का दिन उत्तम रहेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। चारों तरफ से सहयोग की प्राप्ति होगी। गुरुवार को अनचाहा काम करना पड़ सकता है।

मीन राशि– सप्ताह के शुरुआत में परेशानी आ सकती है। गुरुवार को लाभ में बढ़ोतरी होगी। शुक्रवार व शनिवार को राहत महसूस होगी। रविवार का दिन सामान्य रहेगा।

10 मई को मनाई जाएगी अक्षय तृतीया
इन अनुष्ठानों को करने से होता है पापों का नाश

हिंदू धर्म में अक्षय तृतीया पर्व को बहुत शुभ माना जाता है। पौराणिक मान्यता है कि इसी दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था। एक धार्मिक मान्यता ये भी है कि अक्षय तृतीया तिथि पर ही त्रेता युग और सतयुग की शुरुआत हुई थी। यही कारण है कि कृत युगादि तृतीया भी कहा जाता है।

कब मनाई जाती है

हिंदू पंचांग के अनुसार, अक्षय तृतीया पर्व हर साल वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, इस तिथि को अक्षय तृतीया इसलिए कहा जाता है क्योंकि इन तिथि को किए गए पुण्य कर्मों का कभी नाश नहीं होता है। साथ ही मांगलिक कार्य करने के लिए किसी शुभ मुहूर्त की भी जरूरत नहीं होती है। पर दान-पुण्य, पूजा-पाठ, जप-तप और शुभ कर्म करने पर मिलने वाला फलों में कमी नहीं होती है।

अक्षय तृतीया पर पूजा का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल 10 मई, शुक्रवार को मनाई जाएगी। तृतीया तिथि की शुरुआत 10 मई को सुबह 4.17 बजे होगी और इस तिथि का समापन 11 मई 2024 को सुबह 02.50 बजे होगा। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, 10 मई को ही अक्षय तृतीया का पर्व मनाया जाना उचित होगा। इस दिन देवी लक्ष्मी और जगत के पालनहार भगवान विष्णु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 5.48 बजे से लेकर दोपहर 12.23 बजे तक रहेगा।

अक्षय तृतीया का महत्व

हिंदू धर्म शास्त्रों के मुताबिक, अक्षय तृतीया तिथि को स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त बताया गया है। इस दिन मांगलिक कार्य जैसे विवाह, गृह प्रवेश, सोने-चांदी के आभूषण खरीदने के साथ घर, भूखंड या वाहन आदि खरीदना शुभ होता है।

क्यों कहा जाता है बजरंगबली को भगवान हनुमान

हनुमान जयंती महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है, क्योंकि यह भगवान हनुमान के जन्मोत्सव का प्रतीक है। हनुमान जयंती चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि या पूर्णिमा के दिन मनाई जाती है। भगवान हनुमान के आशीर्वाद से जीवन की सभी परेशानियां दूर होती हैं। साथ ही सुख-शांति बनी रहती है। हनुमान जी के जन्म और जीवन के बारे में कई प्रचलित कहानियां हैं। आज हम आपको बताएंगे कि बजरंगबली का नाम हनुमान कैसे पड़ा।

ऐसे कहलाए भगवान हनुमान

पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब भगवान हनुमान छोटे थे तो एक दिन उन्हें भूख लग आई। उस वक्त उनके सामने कोई नहीं था। उन्होंने आकाश की ओर देखा और सूर्य देव नजर आए। हनुमान जी सूर्य देव को एक सुंदर फल समझकर आकाश की ओर उड़ गए और फल समझकर उसे अपने मुख में ले लिया, जिससे संपूर्ण जगत में अंधकार फैल गया। देवी-देवताओं के बार-बार प्रयास करने पर भी उन्होंने सूर्य देव को अपने मुख से नहीं निकाला। अंततः इंद्र देव उनके पास पहुंचे और गुस्से में आकर उन पर वज्र से हमला कर दिया। जिसके कारण उनकी ठुड्डी यानी हनु पर चोट लग गई और इससे उनका मुंह खुला, जिससे भगवान सूर्य बाहर आ गए। लेकिन इससे उनकी ठुड्डी टूट गई और तभी से वे 'हनुमान' कहलाए। हालांकि, बाद में जब वायु देव क्रोधित हो गए, तो देवताओं ने उनसे माफी मांगी और उन्हें कई दिव्य उपहार और आशीर्वाद दिए।

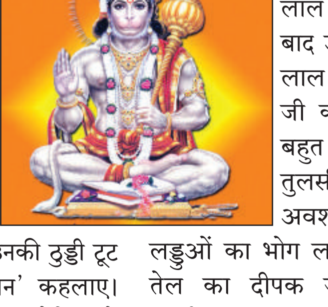

इस तरह करें हनुमान जी की पूजा

बजरंगबली की पूजा के लिए शाम का समय सर्वोत्तम माना जाता है। ऐसे में पवित्र स्नान करने के बाद हनुमान मंदिर जाएं और भगवान को लाल सिन्दूर चढ़ाएं। इसके बाद उन्हें लाल चोला और लाल लंगोट चढ़ाएं। हनुमान जी को तुलसी की माला बहुत प्रिय है, इसलिए उन्हें तुलसी पत्र की माला अवश्य चढ़ानी चाहिए। लड्डुओं का भोग लगाएं। फिर चमेली के तेल का दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा का पाठ करें। अंत में आरती के साथ पूजा समाप्त करें।

ब्लैक आउटफिट में अवनीत कौर का दिखा किलर अंदाज

छोटे पर्दे से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर कर एक बार फिर से इंटरनेट पर सनसनी मचा दी है। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट ब्लैक ड्रेस में कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर सभी फैंस उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक किलर अंदाज में पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवाती हुई नजर आ रही हैं।अवनीत कौर कैमरे के सामने अपनी नेक पर बना टैटू फ्लॉन्ट करती हुई एक से बढ़कर एक सेक्सी पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं।हाई हील्स, ओपन हेयर और डार्क रेड कलर की लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें एक्ट्रेस अवनीत कौर जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर अपलोड करती हैं तो फैंस उनपर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज पर भी अब तक 4 लाख से ज्यादा यूजर्स के लाइक्स आ चुके हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर ने पिछले साल नवाजुद्दीन सिद्दिकी की फिल्म टीकू वेड्स शेरूसे अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में अपने से डबल एज वाले को-स्टार को किस करने को लेकर एक्ट्रेस काफी चर्चा में आई थीं।

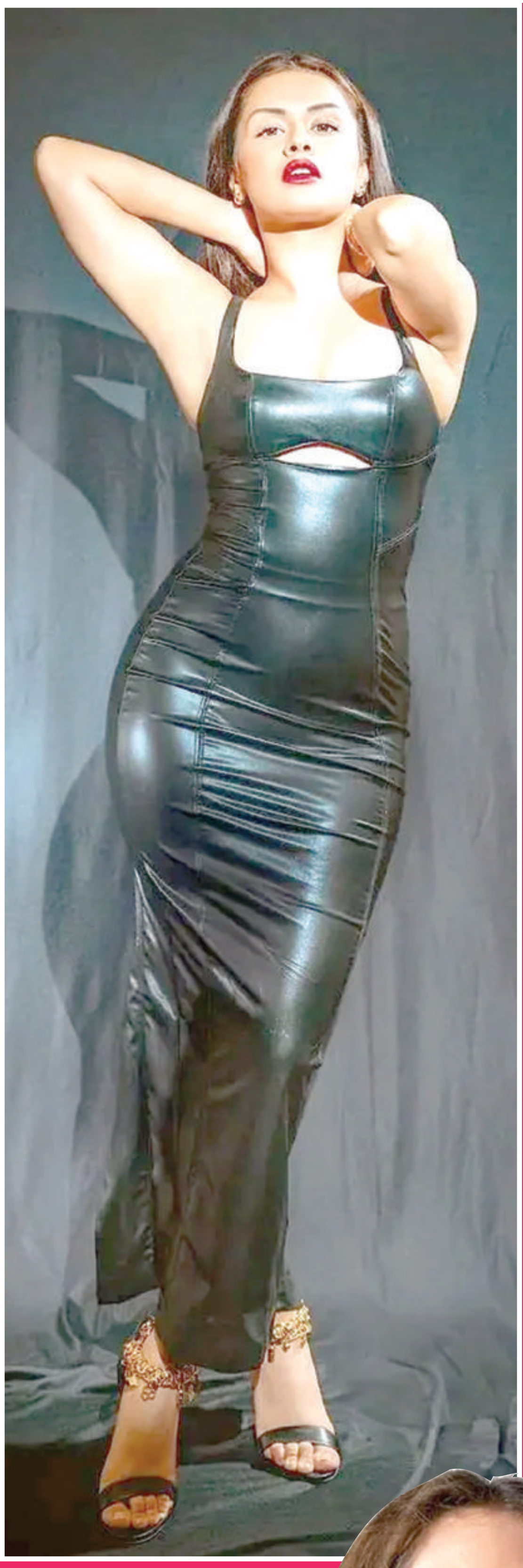

आयुष शर्मा की फिल्म रुस्लान का दमदार ट्रेलर जारी

सलमान खान के बहनोई और एक्टर आयुष शर्मा अपनी मोस्ट अवेटेड एक्शन फिल्म रुस्लान को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय से फैंस उनकी इस फिल्म के आने का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसको खूब पसंद किया जा रहा है। इतना ही नहीं, फिल्म के ट्रेलर सलमान खान भी जमकर तारीफ कर रहे हैं। वहीं, इस ट्रेलर के रिलीज के बाद फैंस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड नजर आ रहे हैं। करण ललित बुटानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में आयुष शर्मा के साथ सुश्री मिश्रा नजर आने वाली हैं। दोनों पहली बार एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। इतना ही नहीं, इस फिल्म से सुश्री बॉलीवुड में अपना डेब्यू देने जा रही हैं। वहीं, अगर बात रुस्लान के ट्रेलर की करें तो एक्शन से भरपूर ट्रेलर में आयुष शर्मा का जबरदस्त एक्शन और लुक देखने को मिल रहा है, जिसको खूब पसंद किया जा रहा है। साथ ही फिल्म में रोमांस का तड़का भी देखने को मिल रहा है। इस ट्रेलर को आयुष शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसके साथ एक्टर ने एक शानदार सा कैप्शन में भी डाला है। आयुष शर्मा ने ट्रेलर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, जिसकी हिम्मत और जोश देखने का आपको इंतजार था, वो आ गया है ॥ रुस्लान ट्रेलर अभी रिलीज हुआ। 26 अप्रैल, 2024 को सिनेमाघरों में दहाड़ेगा। एनएच स्टूडियोज द्वारा वर्ल्ड वाइड रिलीज! म्यूजिक और एक्शन से भरपूर इस फिल्म को लेकर आयुष के फैंस भी इसी रिलीज का वेट कर रहे हैं। इतना ही नहीं, अपने जीजा आयुष शर्मा की अपकमिंग फिल्म रुस्लान का ट्रेलर सामने आने के बाद सलमान खान ने भी जमकर तारीफ की। सलमान ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, आयुष रुस्लान में आपकी कड़ी मेहनत, प्रयास और समर्पण को देख सकता हूं। चाहे कुछ भी हो, बस अपना बेस्ट देते रहो। कड़ी मेहनत हमेशा रंग लाएगी।

दिलीप कुमार नहीं ये एक्टर था सायरा बानो का पहला प्यार

शादीशुदा होने की बात जानते हुए करने लगी थीं शादी की जिद

सायरा बानो की दिलीप कुमार संग इस शानदार लव स्टोरी से पहले भी एक स्टोरी थी। दिलीप कुमार से पहले सायरा बानो एक शादीशुदा एक्टर के प्यार में इस कदर पागल हो गई थीं कि उनसे शादी करने की जिद पकड़ ली थी। मां ने समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वह मां की एक बात सुनने को तैयार नहीं थीं। इसके बाद मां ने एक ऐसा तरीका अपनाया की सायरा बानो ने अपनी जिद छोड़ दी और उनकी लाइफ में दिलीप कुमार की एंट्री हुई।

आपको शायद ही पता होगा कि दिलीप कुमार से पहले शायरा बानो एक्टर राजेंद्र कुमार के प्यार में गिरफ्तार हो गई थीं। एक्ट्रेस ने फिल्म बेला में राजेंद्र कुमार के साथ काम किया था। इसके बाद भी सायरा ने राजेंद्र के साथ कई और फिल्मों में काम किया। फिल्मों में साथ काम करते हुए दोनों के बीच की दोस्ती गहरी होती गई और एक समय ऐसा आया जब एक्ट्रेस के सिर पर राजेंद्र के प्यार का भूत सवार हो गया। राजेंद्र के शादीशुदा होने की बात जानते हुए भी सायरा बानो उनके प्यार में डूबी रहीं। उसी समय सायरा का बर्थडे आया और उन्होंने अपनी बर्थ डे पार्टी में राजेंद्र कुमार को बुलाने की जिद पकड़ ली। मां ने समझाने की बहुत कोशिश की लेकिन वह कुछ भी सुनने-समझने को तैयार नहीं हुईं। तब मां ने उन्हें समझाने के लिए दिलीप कुमार को अपने घर बुलाया। दिलीप कुमार ने सायरा से बात की और समझाया कि अगर वह राजेंद्र से शादी करती हैं तो लोग पूरी जिंदगी उन्हें ताना मारेंगे। एक्ट्रेस को दिलीप कुमार की बात समझ भी आई और उन्होंने अपनी जिद्द छोड़ दी।

इसके बाद सायरा बानो की बात दिलीप कुमार से होने लगी। बात करते हुए दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगी और दोनों एक-दूसरे को पसंद करने लगे। इसके बाद सायरा बानो ने दिलीप साहब को शादी के लिए प्रपोज कर दिया। दोनों की उम्र में 20 साल से ज्यादा फासला था, लेकिन दोनों ने शादी की और दिलीप कुमार के देहांत तक सायरा बानो ने उनका साथ दिया।

जैकलीन फर्नांडिस के किलर मूव्स ने हिलाया इंटरनेट

बॉलीवुड फिल्म अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस अपनी खूबसूरती और एक्टिंग से दर्शकों को पहले ही इंप्रेस कर चुकी हैं। अब बारी उनके किलर डांस मूव्स की है। हाल ही में अदाकारा जैकलीन फर्नांडिस का एक धांसू वीडियो सामने आया है। जिसमें एक्ट्रेस अपने हिट गाने 'यिम्मी यिम्मी' पर थिरकती दिख रही हैं। ये डांस वीडियो अदाकारा की इस गाने के ट्रेनिंग सेशन का दिखता है। जिसमें एक्ट्रेस अपने साथ 2 को-डांसर्स के साथ जमकर प्रैक्टिस करती दिखीं। सामने आए इस वीडियो में एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस व्हाइट शॉर्ड स्कर्ट एंड ब्लाउज के साथ 'यिम्मी यिम्मी' गाने पर डांस करती हैं। जिसे देख लोगों हैरान रह गए। एंटरटनेमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आए इस वीडियो में अदाकारा जैकलीन फर्नांडिस जबरदस्त डांस करती दिखीं। उनके मूव्स ने इंटरनेट पर आते ही हंगामा मचा दिया। इस वीडियो के सामने आने के बाद लोग इस पर जमकर कमेंट्स करते दिखे। एक यूजर ने इस वीडियो को देखने के बाद उनकी तुलना नोरा फतेही से कर डाली। तो एक यूजर ने तो उन्हें नोरा फतेही से बेहतर बता डाला है। जबकि कई यूजर्स का मानना है कि एक्ट्रेस ने नोरा फतेही की छुट्टी कर दी है। यहां देखें सामने आया जैकलीन फर्नांडिस के जबरदस्त डांस का ये वीडियो।

श्रेया घोषाल ने गाया है 'यिम्मी यिम्मी' गाना

जिन्हें जानकारी नहीं हैं उन्हें बता दें कि फिल्म स्टार जैकलीन फर्नांडिस का ये गाना उनके हिट म्यूजिक वीडियो का है। जिसे गायिका श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है। साथ ही फ्रेंच सिंगर टैक ने भी इसे गाया है। गाने में जैकलीन फर्नांडिस बेहद खूबसूरत और बोल्ड अंदाज में नजर आई हैं। इस गाने को आप यहां देख सकते हैं।

मानवी गागरू ने मुन्ना भाई एमबीबीएस से संजय दत्त का डायलॉग किया कॉपी

एक्ट्रेस मानवी गागरू ने संजय दत्त स्टारर फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस से कुछ लाइन्स कॉपी की और इनका इस्तेमाल लंदन ट्रिप की फोटोज शेयर करते हुए कैप्शन में किया। मानवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर हम्मस, ब्रेड और कुछ मसालेदार सब्जियों समेत कई डिशेज की एक झलक शेयर की। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, खवानु, पीवानु, मज्जा नी लाइफ (खाओ, पीयो और जिंदगी के मजे लो)।

कैप्शन के लिए उन्होंने जिस लाइन का इस्तेमाल किया, वह राजकुमार हिरानी द्वारा निर्देशित कॉमेडी ड्रामा मुन्ना भाई एम.बी.बी.एस. की फिल्म से लिया गया। यह फिल्म 2003 में रिलीज हुई थी। इस डायलॉग को संजय दत्त कैरम सीन में बोलते हैं।फिल्म में दिवंगत एक्टर सुनील दत्त, ग्रेसी सिंह और बोमन ईरानी भी हैं।मानवी को पिछली बार 2020 में बॉलीवुड फिल्म शुभ मंगल ज्यादा सावधान में देखा गया था।

सोफिया अंसारी ब्लैक ड्रेस में लगती हैं कमाल

सोशल मीडिया पर अपनी अदाओं से लोगों का दीवाना बनाने वाली सोफिया अंसारी साड़ी से लेकर बिकिनी में अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। सोफिया अंसारी ने सोशल मीडिया पर कई बार ब्लैक ड्रेस पहनकर अपनी फोटोज शेयर की हैं। सोफिया अंसारी की इन फोटोज में उनका कर्वी फिगर फैंस का ध्यान खींचता है। सोफिया अंसारी ब्लैक ड्रेस में कमाल लगती हैं तो उनका कर्वी फिगर उनकी खूबसूरती में चार चांद लगाता है। सोफिया अंसारी की तस्वीरें शेयर होते ही वायरल होती हैं। सोफिया अंसारी ने ब्लैक कलर की जालीदार ड्रेस पहनी। सोफिया अंसारी का कातिलाना अंदाज फैंस को घायल कर गया। सोफिया अंसारी ने ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनकर कर्वी फिगर फ्लॉन्ट किया। सोफिया अंसारी की स्माइल फैंस को दीवाना बना गई। सोफिया अंसारी बिकिनी टॉप में जमकर अदाएं दिखाईं। सोफिया अंसारी ग्लैमरस अंदाज देख फैंस आहें भरने पर मजबूर हो गए। सोफिया अंसारी शॉर्ट ड्रेस पहनने के साथ ही खुले बालों में नजर आईं। सोफिया अंसारी का ये अंदाज ध्यान खींच रहा है। सोफिया अंसारी ने खास तरह की ब्लैक ड्रेस पहनी। सोफिया अंसारी के बोल्ड अंदाज पर लोगों की निगाहें टिक जाती हैं। सोफिया अंसारी मुस्कुराते हुए तस्वीर शेयर करती हैं और फैंस को आकर्षित करती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। घरेलू काम थका देने वाला होगा और इसलिए मानसिक तनाव की वजह भी बन सकता है। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। लंबे अरसे के बाद जीवनसाथी के साथ काफ़ी वक़्त गुज़ारने का मौक़ा मिल सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। लेकिन आपको भविष्य के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान का पूरा आनंद लेना चाहिए। ग़लतफ़हमी या कोई ग़लत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका संचित धन ही आपके काम आएगा इसलिए आज के दिन अपने धन का संचय करने का विचार बनाएं। दोस्तों और परिवार के साथ मज़ेदार समय बीतेगा। आज आपके पास अपनी धनार्जन की क्षमता को बढ़ाने के लिए ताक़त और समझ दोनों ही होंगे। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें। लोगों के साथ ठीक तरह से पेश आएँ, ख़ास तौर पर उनके साथ जो आपसे प्यार करते हैं और आपका ख़याल रखते हैं। आज अचानक किसी से रोमांटिक मुलाक़ात हो सकती है। व्यावसायिक साझीदार सहयोग करेंगे और आप साथ मिलकर टलते आ रहे कामों को पूरा कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन में सब कुछ अच्छा महसूस होगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ग़लत बातों को ग़लत वक़्त पर कहने से बचें। जिन्हें आप चाहते हैं, उनका दिल दुखाने से बचें। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते आप परेशान होगें आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। खाली वक्त का आज आप सदुपयोग करेंगे और उन कामों को पूरा करने की कोशिश करेंगे जो बीते दिनों पूरे नहीं हो पाए थे। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और जरूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। आप आज प्रेमपूर्ण मनोभाव में होंगे, इसलिए अपने प्रिय के साथ कुछ अच्छा समय बिताने की योजना बनाएँ। यह उन कुछ दिनों में से एक है, जब आपकी रचनात्मकता अपने चरम पर होगी। चिट्ठी–पत्री में सावधानी बरतने की ज़रूरत है। आपके आस–पास के लोग कुछ ऐसा कर सकते हैं, जिसके चलते आपका जीवनसाथी आपकी तरफ़ फिर से आकर्षित महसूस करेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। परिवार के साथ अच्छा वक़्त बिताएँ और शिकायत करने का मौक़ा न दें। अपना रवैया ईमानदार और स्पष्टवादी रखें। लोग आपकी दृढ़ता और क्षमताओं को सराहेंगे। लोगों के साथ बात करने में आज आप अपना बहुमूल्य समय बर्बाद कर सकते हैं। आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। जी–वनसाथी के साथ थोड़ा हँसी–मज़ाक़, थोड़ी छेड़–छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शांत और तनाव–रहित रहने की कोशिश करें, इससे आपकी मानसिक दृढ़ता बढ़ेगी। जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक अर्थपूर्ण हो रहा है। आपको याद रखने की ज़रूरत है कि भगवान उसी की मदद करता है, जो ख़ुद अपनी मदद करता है। आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा क्योंकि कई मामलों में आपसी असहमति रह सकती है; और इससे आपके रिश्ते कमजोर होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। जीवनसाथी ज़िंदगी में बदलाव लाने में मदद करेगा। साथ ही इस राह में आने वाले गड्ढों और दिक़्क़तों से दिल छोटा न करें। अपने प्रिय की छो–टी–मोटी भूल को अनदेखा करें। नए विचार फ़ायदेमंद साबित होंगे। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता जरूर दिलाएंगे। अगर आप छात्र हैं और विदेशों में जाकर पढ़ाई करना चाहते हैं तो घर की आर्थिक तंगी आज आपके माथे पर शिकन ला सकती है। मुमकिन है कि आप अपने घर में या उसके आस–पास आज कुछ बड़े बदलाव करें। आज आपकी कोई बुरी आदत आपके प्रेमी को बुरी लग सकती है और वो आपसे नाराज हो सकते हैं। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली–भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। बाहरी लोगों का हस्तक्षेप आपके वैवाहिक जीवन में परेशानी उत्पन्न कर सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट–कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। पारिवारिक मोर्चे पर चीज़ें अच्छी रहेंगी और अपनी योजनाओं के लिए आप पूरे सहयोग की उम्मीद कर सकते हैं। अपनी शारीरिक–ऊर्जा का स्तर ऊँचा बनाए रखें, ताकि आप जी–तोड़ मेहनत कर जल्द–से–जल्द उन्हें हासिल कर सकें। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

नए क़रार फ़ायदेमंद दिख सकते हैं, लेकिन वे उम्मीद के मुताबिक़ लाभ नहीं पहुँचाएंगे। निवेश करते समय जल्दबाज़ी में निर्णय न लें। मुश्किल दौर में आपकी जिन रिश्तेदारों ने मदद की है, उनके लिए अपनी कृतज्ञता को व्यक्त करें। आपका यह छोटा–सा काम उनके उत्साह को बढ़ाएगा। कृतज्ञता जीवन की सुगंध को फैलाती है और अहसान–फ़रामोशी इसे तार–तार कर देती है। ऐसे काम हाथ में लें, जो रचनात्मक प्रकृती के हैं। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। वैवाहिक जीवन के मोर्चे पर यह दिन वाक़ई बहुत बढ़िया है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 08 अप्रैल 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 11:52 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा प्रातः 10:13 तक
योग : ऐन्द्र सायं 06:13 तक
करण : चतुष्पाद दोपहर 01:37 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– मन्वादि तिथि, देव पितृ कार्य सोमवती अमावस्या , चान्द्र वर्ष विक्रम संवत 2080 पूर्ण , गण्डमूल प्रातः 10:14 से , खरमास चालू हैं ।

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान में किया चुनाव प्रचार

गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी कांग्रेस

भरतपुर, 07 अप्रैल (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को राजस्थान की चुनावी सभा में पहुंचे। उनकी पहली जनसभा भरतपुर लोकसभा क्षेत्र में हुई। यहां से पूर्व सांसद व भाजपा उम्मीदवार रामस्वरूप कोली के लिए वोट की अपील करते हुए कहा कि अबकी बार 400 पार के लिए रामस्वरूप कोली को भी विजयी बनाना होगा। सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्र की मोदी व राज्य की भजनलाल सरकार के कार्यों के बलबूते भाजपा के पक्ष में मतदान का आग्रह किया तो वहीं कांग्रेस को निशाने पर रखा। साथ ही राजस्थान विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने के लिए राजस्थान वासियों के प्रति आभार जताया।

कांग्रेस मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निशाने पर रही। उन्होंने कहा कि एक तरफ द गार्डियन की रिपोर्ट कहती है कि पाकिस्तान के अंदर चुन–चुन कर आतंकवादी मारे जा रहे हैं। दुनिया आतंकवाद को बोझ मान रही है। समाज के बोझ यह आतंकवादी मारे ही जाने चाहिए। यह सबकी सुरक्षा के लिए खतरा हैं, लेकिन कांग्रेस अपनी सरकार के समय गरीबों को भूखों मारती थी और आतंकवादियों को बिरयानी खिलाती थी। वहीं मोदी जी चार साल से 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन की सुविधा दे रहे हैं। केंद्र सरकार किसानों, गरीबों, महिलाओं, युवाओं को ध्यान में रखकर अपनी योजनाओं को बनाते हुए कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नया भारत दुनिया की ताकत बन रहा है। दो–तीन दिन पहले इंग्लैंड के प्रतिष्ठित समाचार द गार्डियन की रिपोर्ट ने बताया कि पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत अपराधी मारे गए हैं। हो सकता है कि यह भारत ने मारे हो, लेकिन कल तक आतंकवादियों को प्रश्रय देने वालों में से किसी की भी हिम्मत नहीं कि वे भारत के खिलाफ बोलने की ताकत कर सकें। नया भारत अपने नागरिकों व सीमाओं की सुरक्षा करना जानता है। राजस्थान के लोग सिर्फ राम–राम सा ही नहीं करते, बल्कि सीमा की सुरक्षा में सेंध लगाने आतंकियों का राम नाम सत्य भी कर देते हैं। पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के नागरिकों का दुनिया में सम्मान बढ़ा है। नक्सलवाद, उग्रवाद व आतंकवाद समाप्त हुआ है। 1952 में देश को धारा–370 का दंश देने वाली कांग्रेस के इस फैसले को पीएम मोदी व गृह मंत्री अमित शाह ने सदैव के लिए समाप्त कर दिया।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस की नीयत साफ नहीं थी। इनके समय नीति, नेता और निर्णय नहीं हो पाते थे पर मोदी सरकार में बनी योजनाओं का कोई सानी नहीं है। सीएम ने केंद्र सरकार के विकास कार्यों को भी गिनाते हुए कहा कि भाजपा शासन में सुरक्षा, समृद्धि और विकास हो रहा है। कांग्रेस के लोग अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण नहीं करा पाते। वे कहते थे कि राम हुए ही नहीं। भरतपुर के बगल में मथुरा, वृंदावन, गोकुल, बरसाना, नंदगांव, गोवर्धन है, फिर भी कांग्रेस के लोग कहते हैं कि कृष्ण हुए ही नहीं। कांग्रेसी हमारे इतिहास व विरासत पर प्रश्न खड़ा करते हैं। सीएम ने आह्वान किया कि विकसित भारत के लिए विकसित राजस्थान चाहिए। विकसित राजस्थान के लिए विकसित भरतपुर और विकसित भरतपुर के लिए रामस्वरूप कोली चाहिए। राजस्थान की ओर से 25 मनकों की जो माला जानी है, उसमें भरतपुर की भी एक माला होनी चाहिए।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोग समृद्ध विरासत के उत्तराधिकारी हैं। महाराज सूरजमल ने औरंगजेब के छक्के छुड़ाते हुए मुगल सेनाओं के किले में भूसा भरवा दिया था। उन्होंने मुगलों को औकात दिखाते हुए कहा था कि भारत को रौंदने का सपना देखने वालों, अब यही भूसा खाओ। मुगल सेना उनके सामने नाक रगड़ने को मजबूर हो गई थी। गरीबों के हितों पर डकैती डालने वाले कांग्रेसियों को भी अब सही जगह दिखाने की आवश्यकता है। समृद्ध–पराक्रमी परंपरा का वारिस विभाजनकारी राजनीति को प्रश्रय नहीं दे सकता। हम नए भारत का दर्शन कर रहे हैं। एक तरफ महाराज सूरजमल की समृद्ध विरासत है तो दूसरी तरफ किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर पीएम मोदी ने सम्मान दिया है। इसके जरिए चौधरी साहब के द्वारा अपने कार्यकाल में किसानों, गरीबों के लिए किए गए कार्य के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित किया गया है।

सीकर लोकसभा से सुमेधानंद सरस्वती के लिए योगी ने मांगा वोट

जिसके सांस में दम नहीं, वो क्या काम करेंगे राम का: योगी

सीकर, 07 अप्रैल (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजस्थान वासियों का आह्वान किया कि चुनाव संपन्न होने के बाद फिर से नई अयोध्या के दर्शन करने आइए। आपको त्रेतायुग जैसी अयोध्या का अनुभव होगा। राम मंदिर के लिए भी हिम्मत चाहिए होती है। जिसके सांस में दम ही नहीं, वो क्या काम करेंगे राम का। महज दो महीने के भीतर अब तक डेढ़ करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिया। यह दर्शाता है कि देश की आस्था को पहले दबाया गया था। हमने कभी भेदभाव नहीं किया। अयोध्या में सिर्फ राम लला का मंदिर ही नहीं बना, बल्कि देश में चार करोड़ गरीबों के मकान भी बने हैं। कांग्रेसी व कम्युनिस्ट कभी भी राम का भव्य मंदिर नहीं बना पाते। यह कहते थे कि राम और कृष्ण हुए ही नहीं। यह लोग हमारी आस्था पर प्रहार और राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को सीकर से भाजपा सांसद व उम्मीदवार सुमेधानंद सरस्वती को मंच से ही जीत के लिए आश्वस्त किया। सीएम योगी के आह्वान पर जनता ने मुहर लगाते हुए तीसरी बार सीकर से भाजपा को जिताने का आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि 18वीं लोकसभा चुनाव परिणाम के लिए हर कोई आश्वस्त है। देश के अंदर एक ही आवाज है– फिर एक बार मोदी सरकार। जब परिणाम पहले से पता है तो पिछले दो चुनावों की जीत को जोड़कर तीसरी बार स्वामी जी को जीत दिलाएं।

सीएम योगी ने कहा कि देश में बदलाव का श्रेय आपको जाता है। वोट जब गलत पार्टी को जाता था तो आतंकवाद, दंगे, कर्फ्यू व निर्दोष मारे जाते थे। बेटियां व व्यापारी असुरक्षित थे। यही वोट जब सही पार्टी को गया तो यूपी में सात वर्ष में दंगा और कर्फ्यू नहीं लगा। वहां लोग कर्फ्यू भूल गए। यूपी में धूमधड़ाके के साथ करोड़ों लोग अब कांवड़ लेकर निकलते हैं। सीएम ने कहा कि हम भेदभाव नहीं करते। श्रीराम जी अयोध्या में विराजमान बाद में हुए, पहले वहां के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया। काशी में संत शिरोमणि रविदास की जन्मभूमि सीरगोवर्धन को भव्य स्वरूप प्रदान किया गया। बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर के पंच तीर्थों का सम्मान–पुनरोद्धार मोदी जी ने किया।

सीएम योगी ने कहा कि तीन दिन पहले ब्रिटेन के प्रतिष्ठित समाचार पत्र द गार्डियन ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की कि दो वर्ष के दौरान पाकिस्तान के अंदर 20 दुर्दांत अपराधी मार दिए गए। इसमें भारत की खुफिया एजेंसियों का योगदान हो सकता है। समाचार का स्रोत तो वही बता सकते हैं, लेकिन आतंकवाद समस्या है और इसका समाधान केवल भारत दे रहा है। हम केवल आपसी संबोधन में ही राम–राम नहीं बोलते, अयोध्या में रामलला को विराजमान ही नहीं करते, बल्कि आतंकवादियों का राम नाम सत्य भी करते हैं। यह केवल भारत ही कर सकता है। फर्क यही है कि हम उसको वहीं पहुंचाते हैं, जहां पहुंचना चाहिए और कांग्रेसी उन्हें बिरयानी खिलाते थे।

सीएम ने कहा कि मोदी जब पूरी दुनिया में कहीं भी जाते हैं तो पूरा देश झूम उठता है, यह 140 करोड़ भारतवासियों का सम्मान है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। भारत की सीमा में घुसने वाले दुश्मन देशों को पता है कि अब लेने के देने पड़ जाएंगे। आतंकवादियों की तरफ से कश्मीर में पत्थर फेंकने वाले प्रश्रयदाता भी गायब हो गए। कांग्रेस समस्या देती है। उसके सहयोगी दल समस्या की जड़ हैं, जबकि भाजपा समाधान देती है। मोदी जी ने किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न दिया है। ट्रेन की बेहतरीन कनेक्टिविटी और वंदे भारत, अमृत भारत, नमो भारत ट्रेनें मोदी जी के नेतृत्व में आ रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि बंगाल के लोगों ने कम्युनिस्टों को बंगाल की खाड़ी में डुबो दिया है। सीकर शिक्षा की भूमि है। सालासर बालाजी की भूमि है।

राजस्थान के दौसा में विरोधियों पर गरजे यूपी के सीएम

कांग्रेस देश की सबसे बड़ी समस्या: योगी आदित्यनाथ

दौसा, 07 अप्रैल (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे बड़ी समस्या है और कर्फ्यू लगाना इसके डीएनए का हिस्सा है। यहां लालसोट स्थित अशोक शर्मा सीनियर सेकेंडरी स्कूल में भाजपा के स्टार प्रचारक और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को विशाल जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने दौसा लोकसभा सीट से कन्हैया लाल मीणा के पक्ष में जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि राममंदिर बनवाना तो दूर, कांग्रेस के लोग श्रीराम और श्रीकृष्ण को काल्पनिक बताया करते थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में केवल गरीबों के हक पर डाका डालने का कार्य हुआ है।

योगी आदित्यनाथ ने दौसा की जनता का आभार जताते हुए कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने दौसा में प्रचार किया था, जिसके फलस्वरूप जनता ने पार्टी प्रत्याशियों को आशीर्वाद दिया और यहां की आठ में से पांच विधासभा सीटों पर कमल खिला। उन्होंने कहा कि इस बार 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव प्रचार अभियान में वह दौसा आए हैं और ऐसा पहली बार देखने को मिल रहा है कि पूरा देश पहले से ही परिणामों को लेकर आश्वस्त है। लोग मान चुके हैं कि मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने वाली है। पूरे देश में एक ही आवाज है, फिर एक बार मोदी सरकार। ये जो मोदी सरकार की चर्चा हो रही है वो अचानक नहीं है। ये भारतीय समाज की वह अभिव्यक्ति है जो मोदी जी ने 10 वर्ष के अंदर देश को दिया है। उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए देश की जनता जनार्दन तीसरी बार भी मोदी जी को सत्ता सौंपने के लिए कृत संकल्पित है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 10 साल में दुनिया में भारतीयों का सम्मान बढ़ा है। देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। पहले देश में आतंकी गतिविधियां होती थी। तीन दिन पहले ब्रिटेन के अखबार में समाचार निकला कि पाकिस्तान में 20 आतंकियों को चुन चुनकर मारा गया है। ये नया भारत है जहां आतंकियों का राम नाम सत्य हो रहा है। पूरी दुनिया के लोग ये मान रहे हैं कि भारत का कदम विश्व मानवता के हित में है। कोई देश आज आतंकवाद को प्रश्रय देने की हिम्मत नहीं कर पा रहा है। उसे पता है कि आतंक को प्रश्रय दिया तो एयर स्ट्राइक से लेने के देने पड़ जाएंगे। बीते 10 साल में देश के अंदर से नक्सलवाद, आतंकवाद, कश्मीर की पत्थरबाजी समाप्त हो चुकी है। अब कश्मीर विकास की मुख्यधारा के साथ जुड़कर लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ आगे बढ़ रहा है। लाखों पर्यटक जम्मू कश्मीर जा रहे हैं। अमरनाथ यात्रा और मां वैष्णो देवी के दर्शन को लोग सुरक्षित वातावरण में जा रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज देश में आईआईटी, आईआईएम, एम्स, मेडिकल कॉलेज जैसे बड़े कार्य हो रहे हैं। साथ ही हर घर नल योजना, पीएम कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत हर खेत और घर तक पानी पहुंचाने का संकल्प भारत में पूरा हो रहा है। एक समय था जब कांग्रेस के लोग गरीबों के हक पर डकैती डालते थे। मगर, मोदी सरकार में 80 करोड़ गरीबों को फ्री में राशन का लाभ मिल रहा है। 60 करोड़ गरीबों को 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा का कवर मिल रहा है। इतना ही नहीं चार करोड़ गरीबों के मकान, 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मान निधि, माताओं को उज्ज्वला योजना का लाभ भी मिल रहा है।

योगी ने कहा कि आज देश के नौजवानों के लिए आजीविका की व्यवस्था है, तो हर भारतीय के आस्था का सम्मान भी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग कहते थे कि राम और कृष्ण कभी हुए ही नहीं। ये लोग क्या राममंदिर बनवा पाते। ये भारत है, जहां राम के बगैर कोई काम नहीं, कृष्ण के बगैर कोई लीला नहीं होती। राजस्थान की मीरा बाई ने श्रीकृष्ण के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया था। हम भारतीयों में कोई ऐसा नहीं जो राम और कृष्ण के बगैर अपना जीवन व्यतीत करता हो। मगर, कांग्रेस नहीं चाहती थी कि अयोध्या में राममंदिर के निर्माण की बाधाएं समाप्त हो, क्योंकि कांग्रेस अपने आप में समस्या है। कांग्रेस देश की समस्या है, इसलिए देश को समस्याएं देती रही। मोदी जी ने समाधान दिया है। अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। अब किसी को अयोध्या पर कोई संदेह नही होगा।मुख्यमंत्री ने दौसा की जनता को अयोध्या आने का आमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग 10 साल पहले अयोध्या गये होंगे वो जब चुनाव बाद अयोध्या जाएंगे और देखेंगे तो यही कहेंगे कि धरती पर सचमुच कहीं स्वर्ग है तो वो अयोध्या में है। उन्होंने कहा कि ये चुनाव मात्र एक चुनाव भर नहीं है। यह भारत को विकसित भारत बनाने की संकल्पना को साकार करने का एक अवसर भी है। मोदी जी के का करिश्माई नेतृत्व हम सबके सामने है। मोदी जी 140 करोड़ भारतवासियों के लिए कार्य करते हैं। कोरोना काल में उन्होंने दुनिया की सबसे बेहतरीन वैक्सीन अपने वैज्ञानिकों के माध्यम से फ्री में हर भारतीय के लिए उपलब्ध कराई। कांग्रेस का समय होता तो फ्री में वैक्सीन और राशन भूल जाइए, गरीबों के हक पर डकैती पड़ती। कांग्रेस ने जम्मू कश्मीर को आंतक का गढ़ बना दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने आर्टिकिल 370 को खत्म करके कश्मीर से आतंकवाद की जड़ को खत्म करने का काम किया है। साथ ही अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को पहली बार जम्मू कश्मीर में आरक्षण की सुविधा का लाभ दिया गया।

आईआईएम में बोले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़

भारत ने टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन को पीछे छोड़ा

पटना (एजेंसियां)।

बोधगया में स्थित आईआईएम संस्थान में रविवार को एमबीए आठ बैच के दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर और संस्थान के अध्यक्ष उदय कोटक शामिल हुए। इससे पूर्व उपराष्ट्रपति विशेष विमान से गया एयरपोर्ट पहुंचे। उसके बाद उपराष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ सड़क मार्ग से सर्वप्रथम बोधगया महाबोधि मंदिर पहुंचे, जहां बीटीएमसी के सदस्यों ने स्वागत किया। वहीं उन्होंने ने महाबोधि मंदिर में भगवान बुद्ध की पूजा अर्चना किया। उसके बाद आईआईएम संस्थान के कार्यक्रम में शामिल हुए। दीप प्रज्वलित कर विधिवत दीक्षांत समारोह की शुरुआत हुई।

वहीं एमबीए आठ बैच के उत्कृष्ट छात्रों उपराष्ट्रपति ने मेडल्स और डिग्री प्रदान किया गया।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि आईआईएम बोधगया के विकास और बेहतर शिक्षा पर बोलें। उन्होंने कहा की दुनिया भर में बिजनेस करने वाले कंपनी युवाओं की तलाश कर रहीं हैं। आज टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन को भी भारत ने पीछे छोड़ दिया है। भारत शिव शक्ति चन्द्रमा पर अपना झंडा गाड़ दिया। भ्रष्टाचार की बात खूब हो रही है। अपने कैरियर और संघर्ष की बातें विद्यार्थियों को उपराष्टपति ने बतायी। टेक्नोलॉजी से पूरा विश्व काम कर आगे बढ़ रहा हैं, लेकिन भारत सबको पीछे कर दिया हैं। यहां स्वतंत्रता है। भारत की आबादी के लिए अर्थव्यवस्था पर सरकार काम कर रही है। और, विकास का काम कर रही हैं। उन्होंने कहां की 2048 तक भारत पूरे देश में आर्थिक रूप काफी मजबूत हो जाएगा। साथी उन्होंने बोधगया आईआईएम छात्रों को शुभकामनाएं दी।

वहीं समारोह को संबोधित करते हुए आईआईएम अध्यक्ष उदय कोटक ने कहा कि बिहार शिक्षा के क्षेत्र में बहुत बेहतर रहा हैं। भारत सरकार शिक्षा मंत्री स्मृति ईरानी की अच्छा कदम रहा है। भारत में आईआईएम का बेहतर कदम है। भारतीय प्रबंधन संस्थान का योगदान बिजनेस के क्षेत्र में काम कर रही। वहीं संस्थान के प्रो.विनीता सहाय ने अपने संबोधन में कहा कि आज बच्चों को रोजगार बड़े पैमाने पर मिल रहा है। आज भारत की शान बन गया आईआईएम संस्थान। आईआईएम बोधगय ने भारत के विभिन्न विश्व विद्यालय और अन्य संस्थानों के साथ बिजनेस समझौता पत्र बनाया गया है। उन्होंने कहा कि 2015 से आईआईएम बोधगया का स्थापना हुआ हैं और लगतार 100% बेहतर चयन रोजगार के लिए किया जा रहा हैं। समारोह के दौरान उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाले छात्रों को मेडल और डिग्री प्रदान किया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में दीपक शर्मा, सुजीत अनील, शुभम चक्रवर्ती, युवराज सिंह, पल्लवी भंडारी, आयुष कुमार समेत 266 छात्र छात्राएं शामिल हैं।

बोरवेल को कवर न करने पर सात्विक के दादा को नोटिस जारी करेंगे अधिकारी

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला प्रशासन ने अपने खेत में बोरवेल को खुला रखने के आरोप में लाचयान गांव के किसान शंकरप्पा मुजागोंडा को नोटिस जारी करने का फैसला किया है। उनका पोता सात्विक मुजागोंडा हाल ही में बोरवेल में गिर गया था। अधिकारियों और बचावकर्मियों ने उसे सुरक्षित बाहर निकाला। कुआं खोदने से पहले अनुमति नहीं लेने वाले किसान के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने वाले ग्राम पंचायत अधिकारियों और बोरवेल ड्रिलिंग करने वाली कंपनी को नोटिस जारी किए जाएंगे। जिला प्रशासन मुजागोंडा परिवार से बोरवेल के बगल में खोदी गई बचाव खाई को अपने खर्च पर भरने के लिए भी कहेगा। हालाँकि, शंकर मुजागोंडा और उनके बेटे सुरेश मुजागोंडा ने सरकार से उनके खिलाफ कार्रवाई न करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बोरवेल को न ढककर हमने गलती की। हमें खेद है। लेकिन अगर हम पर जुर्माना लगाया गया तो हम इसका भुगतान नहीं कर पाएंगे। हमारे पास केवल तीन एकड़ जमीन है। इस बीच, सात्विक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। रविवार को घर ले जाने से पहले उन्हें लाचयान में सिद्धलिंग आश्रम ले जाया गया। उनके माता-पिता ने कहा कि लड़के का नाम बदलकर सात्विक सिद्धलिंग रखा जाएगा।

मैट्रिक और इंटर की विशेष और कंपार्टमेंटल परीक्षा की तारीख घोषित

बोर्ड ने जारी किये निर्देश

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मैट्रिक और इंटर की विशेष परीक्षा एवं कंपार्टमेंटल परीक्षा की तारीख घोषित कर दिया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि मैट्रिक की विशेष परीक्षा और कंपार्टमेंटल परीक्षा 4 मई से लेकर 11 मई तक ली जाएगी।

बिहार बोर्ड ने परीक्षा की तारीख के साथ-साथ परीक्षा को लेकर कई निर्देश भी जारी किये हैं। इसके तहत परीक्षा दो पाली में होगी। दोनों पाली में परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों को परीक्षा प्रारंभ होने से 30 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। प्रथम पाली की परीक्षा 9:30 बजे से सुबह से प्रारंभ होगी

जो 12 :45 तक चलेगी। प्रथम पाली में शामिल होने के लिए बोर्ड के नियमानुसार परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर हर हालत में 9 बजे तक आ जाना होगा, अन्यथा उन्हें अंदर प्रवेश करने पर रोक लगा दी जाएगी।

दूसरी पाली की परीक्षा 2:00 बजे से प्रारंभ होगी, जो शाम के 5:15 तक चलेगी। दूसरी पाली में शामिल होने के लिए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र पर हर हालत में 1:30 बजे तक ही आ जाना होगा वर्ना उन्हें अंदर प्रवेश करने की इजाजत नहीं मिलेगी।

बिहार बोर्ड ने परीक्षार्थियों को 15 मिनट का आरंभिक समय अतिरिक्त देगी। बोर्ड इस संबंध में बोर्ड का कहना है कि यह अतिरिक्त समय परीक्षार्थियों को प्रश्नों को पढ़ने और समझने के लिए दिया जाएगा। साथ ही प्रैक्टिकल की परीक्षा 29 अप्रैल और 30 अप्रैल को ली जाएगी।

पीएम मोदी की सभा में सीएम नीतीश की फिसली जुबान, बोले-

चार हजार से ज्यादा सांसद...

नवादा (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को नवादा में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी विवेक ठाकुर के समर्थन में जनसभा करने पहुंचे। पीएम मोदी से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी बातें रखीं। उन्होंने बिहार सरकार और केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभ को याद कराया। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जुबान भी एक बार फिसली। उन्होंने कहा- ''आदरणीय प्रधानमंत्री जी का दसवां साल चल रहा है। फिर तो आगे रहबे करेंगे। पांच साल में कोई दिक्कत नहीं। हमको पूरी उम्मीद है कि चार... चार हजार से ज्यादा एमपी रहेंगे इनके पक्ष में। हम यही अनुरोध करने आएं हैं। पूरा दीजिए।'' देश में 543 संसदीय क्षेत्र हैं और इतने ही सांसद चुने जाते हैं। बिहार में चालीस सीटें हैं। पीएम मोदी ने इस बार 400 पार का लक्ष्य रखा है, लेकिन मुख्यमंत्री 400 की जगह चार हजार बोल गए।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि आज बड़ी खुशी की बात है कि पीएम नरेंद्र मोदी यहां पधारे हैं। आप सब जानते हैं कि विवेक ठाकुर जरूर भारी मतों से जीतेंगे। आपको बता दूं कि पीएम मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बिहार के लिए बहुत काम कर रही है। नीतीश कुमार ने कहा कि कम उम्र के लोग पुरानी बातों को भूल गए हैं। आप अपने बाल बच्चों को याद करवा दीजिए कि 2005 के पहले क्या हाल था? जरा उन्हें बताइए कि पहले शाम के बाद कोई घर से नहीं निकलता था। आने जाने का रास्ता तक नहीं था। इसको भूलिएगा मत। उनलोगों को 15 साल मिला था। क्या काम किए थे? पति-पत्नी मिलकर केवल राज करते रहे। एक भी काम नहीं किया। पहले की स्थिति के बारे में लोगों को बताइए कि कैसा हाल था। इसके बाद हमलोगों की सरकार ने काफी काम किया। विकास किया। पहले हिन्दू-मुस्लिम में भी खूब झगड़ा होता था। 2005 के बाद कोई झगड़ा नहीं हुए। मुस्लिम भाइयों से अपील है कि भूलियेगा मत। जो काम किया उसको वोट दिया। हमलोग रात-दिन काम कर रहे हैं। पहले स्वास्थ्य का क्या हाल था? एक महीना में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 39 लोग आते थे। किसी का इलाज नहीं होता था।

सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि 2005 के पहले बिजली और शौचालय की क्या स्थिति थी? इसके बाद हमलोग आए तो सब ठीक करवाए। लोगों को नौकरी नहीं मिलती थी। हमलोग आए तो कितना नौकरी दिए। 20 लाख रोजगार का वादा निभाने का काम कर रहे हैं। अभी तक पांच लाख लोगों को रोजगार मिल गया है। 10 लाख सरकारी नौकरी का भी वादा हमलोग निभाने जा रहे। केंद्र सरकार भी काफी मदद कर रही है। पीएम मोदी जो बिहार और देश में काम करवा रहे, उसको जरूर याद रखियेगा। पीएम मोदी का दसवां साल चल रहा है। आगे भी पांच साल तो जरूर रहेंगे। इसके कोई दिक्कत नहीं है। हमलोग हर तरह का काम कर रहे हैं। एक-एक जगह कोई समस्या हो रही, उन सब जगह को हमलोग देख रहे हैं। पहले कितना कम लड़के और लड़कियां पढ़ती थी? अब कितना पढ़ रहा है। तेजस्वी पर निशाना साधते हुए सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कुछ दिन के लिए लोग मेरे साथ आए। एक बार हम गलती से उसको कुछ दिन के लिए लाए। अब वह सब जगह घूम-घूमकर कहा रहा है कि सारा काम हम किए। हम आपको भरोसा दिलाते है कि हम अब कहीं नहीं जाएंगे।

ईवीएम भंडारण की सुरक्षा में लापरवाही को लेकर चार पर गिरी गाज

डीएसपी और सार्जेंट भी सस्पेंड

आरा (एजेंसियां)।

ईवीएम भंडारण की सुरक्षा में लापरवाही को लेकर फिर तीन अफसरों समेत चार पर कार्रवाई की गई है।

इसके साथ ही घटना के दिन ड्यूटी से फरार सिपाही को भी निलंबित कर दिया गया है। दो अप्रैल को इस मामले में भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर डीएम राज कुमार और एसपी प्रमोद कुमार पर कार्रवाई करते हुए ट्रांसफर कर दिया गया था। इसके अलावा डीएसपी और थानाध्यक्ष को भी निलंबित करने का निर्देश दिया गया था, जिसके बाद डीआइजी सुरक्षा में चूक के बिंदु पर जांच कर रहे थे। जांच के दौरान ईवीएम सुरक्षा के मानक में उदासीनता को लेकर प्रथम दृष्टया लाइन डीएसपी राकेश रंजन, दिव्वा शाखा प्रभारी सार्जेंट पुष्पांजलि एवं नवादा थानाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह को दोषी पाया गया है।

वहीं घटना के दिन ड्यूटी से सिपाही के गायब रहने को भी गंभीरता से लिया गया। जिसके बाद निलंबन की कार्रवाई की गई है। डीएसपी पर विभागीय कार्रवाई भी चलेगी। आपको बता दें कि 30 अप्रैल की शाम ईवीएम वेयर हाउस में इंसास रायफल से जवान हेमंत की मौत हुई थी। वर्ष 2018 में पुलिस विभाग में बहाल हुए थे। रक्षित डीएसपी राकेश रंजन के निलंबन के बाद दोनों पद खाली हो गया था, जिसके बाद इंस्पेक्टर सुभाष चन्द्रा सार्जेंट मेजर की कमान सौंपी गई है।

छात्राओं से छेड़खानी का विरोध करने पर अपराधियों ने सरेआम की फायरिंग

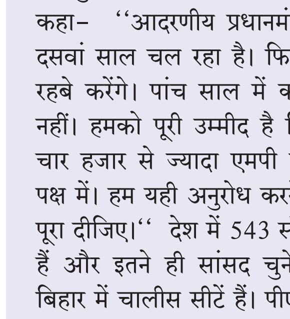

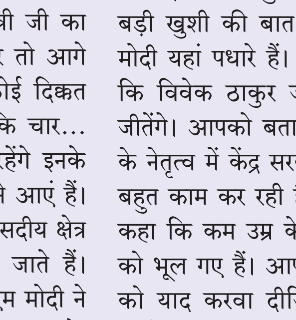

एसपी ने दिया जांच का आदेश

मुंगेर (एजेंसियां)।

खगड़िया जिले के गोगरी थाना क्षेत्र स्थित शिर्णियां गांव में सरेआम अवैध हथियार से फायरिंग करते अपराधियों का वीडियो वायरल हुआ है। जिसके बाद खगड़िया पुलिस हरकत में आते हुए अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी कर रही है। घटना बीते शनिवार की बताई जा रही है। मामले में खगड़िया एसपी चंदन कुशवाहा ने गोगरी एसडीपीओ को जांच का जिम्मा दिया है।

घटना के संबंध में स्थानीय लोगों की मानें तो घटना गोगरी के शिर्णियां गांव स्थित टीएन गर्ल्स हाई स्कूल के पास घटित हुई है। बताया जा रहा है कि यहां पढ़ने आने वाली छात्राओं के साथ कुछ युवक छेड़खानी करते थे, जिनका विरोध स्थानीय लोगों ने किया।

इसके बाद यह फायरिंग की घटना लोगों में दहशत फैलाने के लिए किया गया है। वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान गोगरी थाना क्षेत्र के बरेठा गांव निवासी गणेश यादव के 25 वर्षीय पुत्र टिंकू कुमार यादव के रूप में की गई है। वहीं उसके साथ कुछ और अपराधी की पहचान करने में पुलिस जुट गई है। बहरहाल लोकसभा चुनाव के बीच सरेआम फायरिंग करने की यह घटना पुलिस के लिए एक चुनौती मानी जा रही है।

इन जैसे भगोड़े पीएम मोदी के परिवार के लोग हैं : तेजस्वी

मैं कोहली के साथ क्रिकेट खेलता था

पटना (एजेंसियां)।

पश्चिम चंपारण के बेतिया में पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी ने लोकसभा चुनाव के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनाव पर भी फोकस किया और बिहार में खुद के मुख्यमंत्री बनाने की अपील की। इससे पहले बगहा चीनी मिल प्रांगण में आयोजित मिलन समारोह कार्यक्रम में दीपक यादव ने भाजपा छोड़ राजद का दामन थामा और उनके साथ सैकड़ों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार पर भी जमकर हमला बोला।

तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी ने मोतिहारी में 10 साल पहले कहा था कि यहां बंद पड़े चीनी मिल को शुरू कराकर उस चीनी से चाय पीएंगे। 10 साल पहले उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की बात कही थी।

आखिर क्या हुआ? ये सिर्फ आप लोगों से झूठ बोलकर वोट लेने आते हैं। मिलन समारोह कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी ने तिरुपति शुगर मिल के एमडी दीपक यादव को राजद से टिकट देने की घोषणा करते हुए लोगों से उन्हें विजयी बनाने की अपील की। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में खुद के सीएम बनने की बात करते हुए कहा कि बगहा को उनके पिता ने पुलिस जिला बनाया था। अगर मैं मुख्यमंत्री बना तो वाल्मीकिनगर को जिला बनाऊंगा।

तेजस्वी ने पीएम मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश के विभिन्न बैंकों से पैसा लेकर भागने वाले नीरव, विजय माल्या, ललित मोदी जैसे भगोड़े मोदी जी के परिवार के लोग हैं। क्योंकि खुद को चौकीदार कहने वाले मोदी जी को इनका भ्रष्टाचार नहीं दिखता। मोदी जी का जो विरोध करेगा वहीं भ्रष्टाचारी नजर आता है और उसके यहां ईडी और सीबीआई का छापा पड़ता है। जिस तरह उनके पिता नहीं डरे वैसे बेटा भी ईडी और सीबीआई से नहीं डरेगा। मुझे कैसे केस में फंसाया जा रहा है जब मेरी मूंछ नहीं आई थी और मैं विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलता था फिर मैं रेलवे में घोटाला कैसे कर लिया। इतना ही नहीं उन्होंने अमित शाह के बारे में कहा कि आपके चंपारण में उन्होंने खुले मंच से वादा किया था कि नीतीश जी के लिए दरवाजा बंद है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com